हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 03, अंकः-345, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.

लखनऊ, सोमवार 01 जून 2026

नगर विधायक बोले- पत्रकार न रहें तो सरकार तानाशाह...02

हजरत हाजी बाबा का सालाना उर्स मुबारक अकीदत के साथ...06

संक्षिप्त समाचार

मंत्रिमंडल पर कोई प्रस्ताव नहीं, खड़गे बोले, चर्चा अभी प्रारंभिक स्तर पर

नयी दिल्ली। कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को कहा कि पार्टी नेतृत्व को कर्नाटक के नामित मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार के नेतृत्व में बनने वाले राज्य के नए मंत्रिमंडल की संरचना को लेकर अभी तक कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है। खड़गे ने यह भी संकेत दिया कि मंत्रियों, उपमुख्यमंत्रियों और प्रमुख नियुक्तियों पर फैसला तीन जून को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह के बाद विचार-विमर्श के आधार पर ही किया जाएगा। खड़गे ने यहां संवाददाताओं से कहा कि सरकार गठन की प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा जारी है लेकिन पार्टी नेतृत्व के समक्ष अब तक कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं रखा गया है। उन्होंने कहा कि अभी तक कोई प्रस्ताव नहीं आया है। प्रस्ताव आने के बाद इस पर चर्चा होगी कि कितने मंत्री और उपमुख्यमंत्री बनाए जाने चाहिए तथा इस पर भी कि क्या महत्वपूर्ण अध्यक्ष पदों को भी इसके साथ भरा जाना चाहिए। खड़गे ने कहा कि शपथ ग्रहण समारोह के बाद ही पार्टी को स्थिति स्पष्ट होगी। उन्होंने कहा, इन सभी विषयों पर चर्चा चल रही है। हमें तीन जून के बाद पता चलेगा। अभी हमें इंतजार करना होगा।

मुठभेड़ के बाद हिमांशु भाऊ गैंग का सहयोगी पकड़ा गया

नयी दिल्ली। हिमांशु भाऊ गिरोह के 26 वर्षीय एक कथित सहयोगी को बाहरी दिल्ली में पुलिस के साथ संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान बक्करवाला के रहने वाले आशीष उर्फ घ्डॉन के रूप में हुई है, जो चार आपराधिक मामलों में वांछित था और काफी समय से फरार था। अधिकारी ने बताया, आरोपी की गतिविधियों के संबंध में मिली विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर काम कर रही एक टीम ने उसका पता लगाया और उसे रोका। अभियान के दौरान आरोपी और पुलिस टीम के बीच संक्षिप्त मुठभेड़ हुई, जिसके बाद उसे काबू में करके पकड़ लिया गया।

सीमा पार करने की कोशिश पड़ी भारी, पीओके में 3 लोग गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा पार करके पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में घुसने की कोशिश कर रहे 3 लोगों को सेना के जवानों ने पकड़ लिया। बारामूला जिले के सोपोर क्षेत्र के रहने वाले ये तीनों व्यक्ति शनिवार रात को हथलंगा-नाम्बला मार्ग से होते हुए पीओके में घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे थे। तीनों को सेना के जवानों ने पकड़ लिया, जिनमें कथित तौर पर प्रादेशिक सेना का एक पूर्व जवान भी शामिल है। एक अन्य घटना में सेना की उसी इकाई ने सिलीकोट क्षेत्र में नियंत्रण रेखा पार करके कश्मीर में घुस आए एक पीओके निवासी को पकड़ लिया। मुजफ्फराबाद निवासी जीशान मीर ने दावा किया कि उसने उरी के तिलाई में रहने वाली अपनी प्रेमिका से मिलने के लिए नियंत्रण रेखा पार किया। मीर और लड़की दोनों से सुरक्षा बल पूछताछ कर रहे हैं। मामले में और अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

जम्मू-कश्मीर में नशे के खिलाफबड़ी कार्रवाई, 50 दिन में 341 किलो ड्रग्स बरामद

जम्मू। नशा मुक्त जम्मू कश्मीर अभियानश् के पहले 50 दिनों में केंद्र शासित प्रदेश में 1,000 से अधिक तस्करों को गिरफ्तार करने के साथ ही 341 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त किया। इस अभियान को मादक पदार्थ की तस्करी और नार्को-आतंकवाद के खिलाफसबसे बड़ी कार्रवाई बताया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि 11 अप्रैल को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा शुरू किये गए

लोकमाता अहिल्याबाई के कार्य सुशासन, लोकहित के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं: आदित्यनाथ

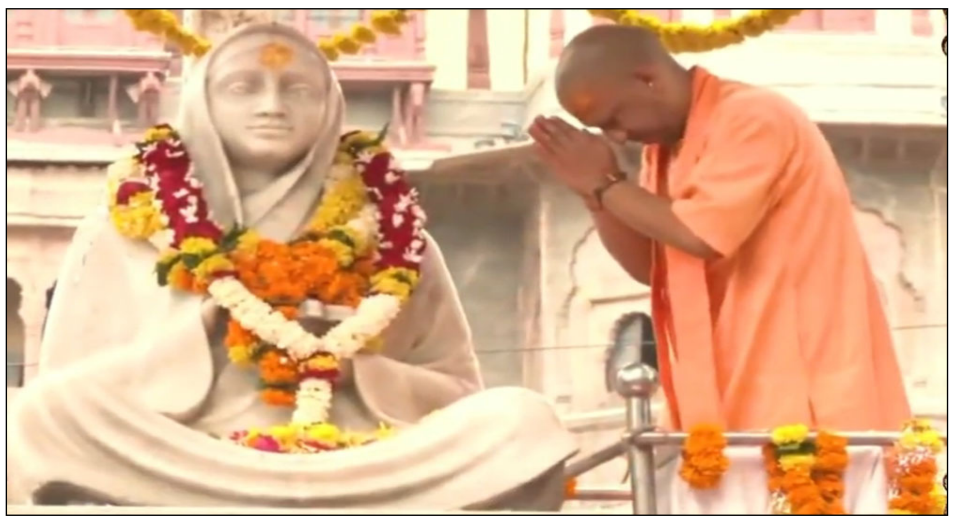

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि उनके द्वारा किए गए अनुकरणीय कार्य आज भी हमें सुशासन और लोकहित के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करते हैं। योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट में कहा, देशभर में मंदिरों, घाटों और धर्मस्थलों के पुनर्निर्माण तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से एक आदर्श शासन व्यवस्था का उदाहरण प्रस्तुत करने वाली लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर कोटिशः नमन। उन्होंने कहा, प्रजा के हित को सर्वोपरि रखते हुए विकास, धर्म और संस्कृति के संरक्षण के लिए उनके द्वारा किए गए अनुकरणीय कार्य आज भी हमें सुशासन और लोकहित के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करते हैं। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने अहिल्याबाई को श्रद्धांजलि देते हुए एक्स पर अपने एक पोस्ट में कहा, देश में न्यायप्रिय, धर्मनिरपेक्ष एवं लोक कल्याणकारी महान शासक के रूप में प्रसिद्ध अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर शत्-शत् नमन एवं अपार श्रद्धा-सुमन अर्पित। उन्होंने कहा, भारतीय इतिहास की महान शासक अहिल्याबाई होल्कर जी ने अपने आदर्शों, सेवा-भाव और जनहितकारी कार्यों से समाज को नयी दिशा प्रदान की। मायावती ने कहा, उनका जीवन नारी शक्ति, सुशासन, सामाजिक समरसता एवं जनसेवा का प्रेरणा स्त्रोत है। आज उनकी जयंती के पावन अवसर पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि एवं उनके अनुयायियों को शुभकामनाए। अठारहवीं शताब्दी के मालवा में होल्कर वंश की रानी अहिल्याबाई होलकर को उनके असाधारण शासन, सामाजिक कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता और संस्कृति एवं आध्यात्मिकता के प्रति योगदान के लिए याद किया जाता है।

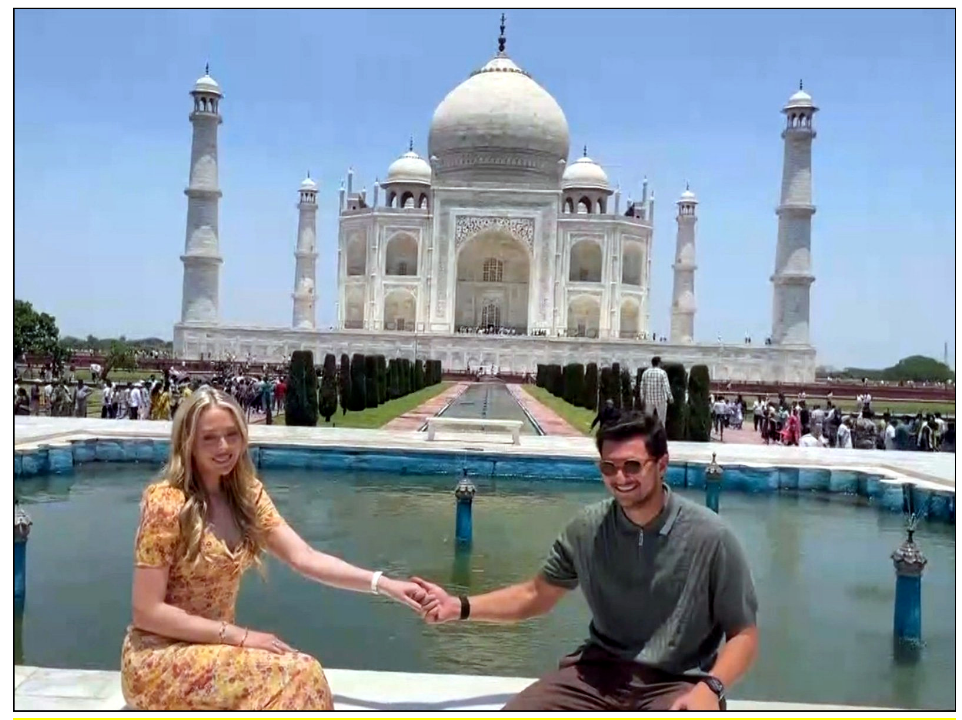

टिफनी ट्रम्प ने पति माइकल बॉऊलोस के साथ ताजमहल देखा।

लगातार हो रही बारिश, केदारनाथ यात्रा अस्थायी रूप से रोकी

देहरादून,(एजेंसी)। केदारनाथ धाम में लगातार कई दिनों से मौसम बिगड़ा हुआ है। ऐसे में बारिश को देखते हुए अभी यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रोका गया है। मौसम विभाग ने रुद्रप्रयाग में भारी बारिश, आंधी-तूफान और प्रतिकूल मौसम की आशंका जताई है। मौसम को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है ऐसे में प्रशासन ने एहतियातन केदारनाथ यात्रा को अस्थायी रूप से रोक दिया है। जिला प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए निकटतम होल्डिंग स्थलों और सुरक्षित स्थानों पर रोकने के निर्देश जारी किए हैं। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि खराब मौसम और ऑरेंज अलर्ट के मद्देनजर यात्रा को फिलहाल रोका गया है। कहा कि पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, डीडीआरएफऔर अन्य राहत एजेंसियों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। मौसम सामान्य होते ही यात्रा को सुचारू किया जाएगा।

प्राइवेट स्कूलों को नोटिस बोर्ड पर लिखनी होगी ट्यूशन फीस, तय सीमा से ज्यादा वसूली पर मान्यता रद्द

चेन्नई,(एजेंसी)। तमिलनाडु सरकार ने निजी स्कूलों के लिए नोटिस बोर्ड पर ट्यूशन फीस की जानकारी लगाना अनिवार्य कर दिया है। ज्यादा फीस वसूलने वाले स्कूलों की मान्यता रद्द होगी। सरकार ने छिपी हुई फीस लेने पर भी रोक लगाई है। तमिलनाडु सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। अब राज्य के सभी निजी स्कूलों को अपने नोटिस बोर्ड पर ट्यूशन फीस की जानकारी देना अनिवार्य होगा। यह फीस सरकार ने तय की है। स्कूल शिक्षा विभाग ने यह कदम उन शिकायतों के बाद उठाया है जिनमें कहा गया था कि कई स्कूल तय सीमा से ज्यादा पैसे वसूल रहे हैं। क्या बोले अधिकारी? विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को बताया कि राज्य के सभी सरकारी और निजी स्कूल चार जून से खुल रहे हैं। अगर कोई भी निजी स्कूल तय राशि से ज्यादा फीस लेता है, तो उसकी मान्यता रद्द कर दी जाएगी। तमिलनाडु में इस समय 13,000 से ज्यादा मान्यता प्राप्त निजी स्कूल चल रहे हैं। अधिकारियों ने स्कूलों को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे माता-पिता से किसी भी तरह की छिपी हुई एडमिशन फीस न लें। यह नियम तमिलनाडु स्कूल (फीस संग्रह का विनियमन) संशोधन अधिनियम के तहत लागू किया गया है। इस कानून के तहत उच्च अधिकारियों और शिक्षाविदों की एक कमेटी फीस का मानक तय करती है। अधिकारी ने यह भी कहा कि अगर माता-पिता को लगता है कि कोई स्कूल नियमों के खिलाफ जाकर बहुत ज्यादा फीस वसूल रहा है, तो वे संबंधित अधिकारियों के पास शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

गर्मी में देशी पेय जल पीते रहें-प्रधानमंत्री

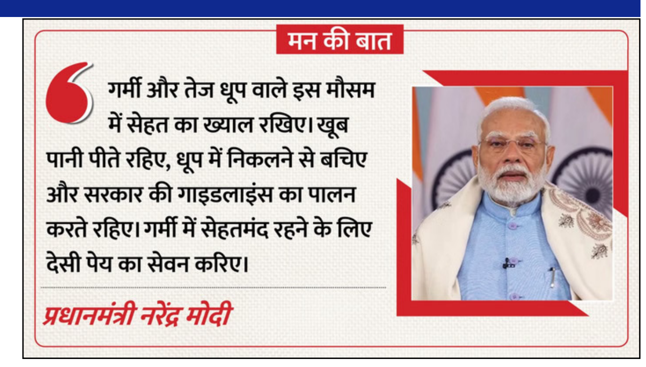

नई दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री ने कहा, इस समय देश के ज्यादातर हिस्सों में बहुत गर्मी पड़ रही है। तेज धूप, गर्म हवाओं वाले ऐसे मौसम में अपनी सेहत का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। गर्मी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार (31 मई) को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम श्मन की बातश् के 134 वें एपिसोड में देशवासियों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने तमाम समसामयिक मुद्दों की तरफ देश का ध्यान आकृष्ट किया। प्रधानमंत्री ने मन की बात कार्यक्रम के दौरान, देश में पड़ रही भीषण गर्मी से लोगों को बचे रहने की सलाह दी है। प्रधानमंत्री ने कहा, इस समय देश के ज्यादातर हिस्सों में बहुत गर्मी पड़ रही है। तेज धूप, गर्म हवाओं वाले ऐसे मौसम में अपनी सेहत का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। गर्मी के कारण होने वाली दिक्कतों से बचे रहने लिए खूब पानी पीते रहिए, धूप में निकलना पड़े तो थोड़ा संभल कर निकलें। इस दिशा में सरकार की ओर से जो गाइघ्डलाइंस जारी की गई हैं, उनका भी विशेष ध्यान रखिए। किचन में मौजूद हैं गर्मी से बचाव के तरीके मन की बात कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने कहा, हमारे यहां गर्मी से लड़ने और इस मौसम में स्वस्थ रहने का तरीका कई बार आसानी से आपकी रसोई में ही मिल जाता है। जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती है, वैसे-वैसे रसोई का स्वाद भी बदल जाता है, रसोई का प्रकार बदल जाता है। कहीं लोग मटके का पानी पीना शुरू कर देते हैं, रसोई में दही जमाना शुरू कर दिया जाता है। कच्चे आम उबालकर इसे पीने के साथ देसी पेय का दौर भी शुरू हो जाता है। इससे आप सभी परिचित हैं। उत्तर भारत में आम पन्ना, पंजाब-हरियाणा में लस्सी मिल जाती है। राजस्थान-गुजरात में छाछ, बिहार-झारखंड में सत्तू के शरबत की तो बात ही क्या है, पेट भी भरता है और सेहत भी ठीक रहती है।

सीबीएसई रिजल्ट विवाद पर छात्रों से मिले राहुल गांधी, 'डीप स्टेट एजेंट' और 'पाकिस्तानी' कहे जाने पर उठाए सवाल

नयी दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली और परीक्षा परिणामों से जुड़ी शिकायतों को लेकर कुछ छात्रों से मुलाकात की।

इस मुलाकात का वीडियो उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किया, जिसमें कई छात्र अपने अनुभव और शिकायतें रखते नजर आए। वीडियो में कक्षा 12वीं के छात्र वेदांत भी दिखाई दिए, जिन्होंने अपनी उत्तर पुस्तिका और प्राप्त अंकों को लेकर सवाल उठाए। बातचीत के दौरान छात्रों ने दावा किया कि अपनी शिकायतें सार्वजनिक करने के बाद उन्हें सोशल मीडिया पर आलोचना और आपत्तिजनक टिप्पणियों का सामना करना पड़ा। मुलाकात का वीडियो साझा करते हुए राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि उन्होंने उन छात्रों से बातचीत की, जिन्होंने सीबीएसई की मूल्यांकन प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा कि ये छात्र अपने भविष्य और परीक्षा परिणामों से जुड़े मुद्दों पर जवाब चाहते थे। राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में व्यंग्यात्मक अंदाज में लिखा कि इन छात्रों को विभिन्न तरह के आरोपों का सामना करना पड़ा, जबकि वे केवल अपनी शैक्षणिक समस्याओं का समाधान चाहते थे। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं को सवाल पूछने और अपनी बात रखने का अधिकार मिलना चाहिए। वीडियो में छात्र वेदांत ने दावा किया कि उन्हें अपने भौतिकी (फिजिक्स) के परीक्षा परिणाम को देखकर आश्चर्य हुआ। उनके अनुसार, परीक्षा अच्छी होने के बावजूद अपेक्षा से कम अंक मिले। इसके बाद उन्होंने उत्तर पुस्तिका की प्रति प्राप्त करने के लिए आवेदन किया।

वेदांत ने कहा कि जब उन्हें कॉपी

दिल्ली हादसा: साकेत मेट्रो स्टेशन के पास ढही 3 मंजिला इमारत

नयी दिल्ली। दिल्ली में साकेत मेट्रो स्टेशन के पास तीन मंजिला व्यावसायिक इमारत ढहने की घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। यह जानकारी रविवार को एक अधिकारी ने दी। अधिकारी ने बताया कि घटना में कई अन्य लोगों को बचाकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सैदुलजाब क्षेत्र के वेस्टर्न मार्ग पर स्थित यह इमारत शनिवार शाम ढह गई थी। इस भवन में एक कोचिंग संस्थान, कैफे और कार्यालय संचालित हो रहे थे। घटना के समय इसकी ऊपरी मंजिल पर निर्माण कार्य किया जा रहा था। दक्षिणी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) अनंत मित्तल ने एक न्यूज एजेंसी से कहा, इस घटना में कुल चार लोगों की मौत हुई है। बचाव अभियान जारी है। पुलिस के अनुसार, इमारत पूरी तरह मलबे में तब्दील हो गई और इसका मलबा पास स्थित टीन शेड वाली एक कैंटीन पर भी गिरा, जहां मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहे

अभिषेक बनर्जी के बाद एक और टीएमसी नेता पर हमला, सिर पर लगी चोट

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सरकार के जाने के बाद पार्टी नेताओं पर हमलों का सिलसिला शुरू हो गया है। पहले दक्षिण 24 परगना के सोनारपुर में टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी पर हमला हुआ, अब होली जिले में ममता बनर्जी के करीबी सांसद कल्याण बनर्जी पर हमला कर दिया गया। हुगली जिले के चंदिताला पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एक डेलिगेशन का नेतृत्व कर रहे सांसद कल्याण बनर्जी पर प्रदर्शनकारियों ने हमला बोल दिया। प्रदर्शनकारियों ने उन्हें घेर लिया, काले झंडे दिखाए और नारेबाजी की। सुरक्षा कर्मियों और सहयोगियों ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन इस दौरान कल्याण बनर्जी सिर पकड़कर सड़क पर गिर पड़े। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इससे पहले दक्षिण 24 परगना के सोनारपुर में अभिषेक बनर्जी के कार्यक्रम के दौरान भी भारी विरोध प्रदर्शन हुआ था। उनके ऊपर अंडे फेंके गए और धक्का-मुक्की की गई थी। टीएमसी नेताओं का आरोप है कि पार्टी के नेताओं को निशाना बनाकर हमले किए जा रहे हैं। वहीं विपक्षी दलों का कहना है कि जनता अपने मुद्दों को लेकर विरोध जता रही है। इस घटना पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ममता बनर्जी से बात की और पार्टी को हर संभव सहयोग देने की बात कही है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और वायरल वीडियो के आधार पर कार्रवाई की तैयारी में है। पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद राजनीतिक तनाव बढ़ता दिख रहा है।

सीएम हिमंत बिस्वा सरमा का ऐलान-5 जून को होगा मंत्रिपरिषद का विस्तार

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि पांच जून को उनकी मंत्रिपरिषद का विस्तार होगा और नए मंत्रियों को शपथ दिलाई जाएगी। शर्मा को लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने 12 मई को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई थी। सरमा के शपथग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कई केंद्रीय मंत्री, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)-शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और अन्य शीर्ष गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए थे। मुख्यमंत्री के साथ चार अन्य मंत्रियों ने भी शपथ ली थी। इनमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अजंता नियोग और रामेश्वर तेली, असम गण परिषद के अतुल बोरा और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के चरन बोरो शामिल थे।सरमा ने एक्स पर लिखा, मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि असम सरकार की मंत्रिपरिषद का विस्तार पांच जून, 2026 को किया जाएगा। उन्होंने मंत्रिपरिषद में शामिल किए जाने वाले नए मंत्रियों की संख्या या उनके नामों का उल्लेख नहीं किया। जिन मंत्रियों ने 12 मई को पदभार संभाला था, उनमें से नियोग, बोरा और बोरो पिछली मंत्रिपरिषद में भी थे जबकि पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री तेली को विधानसभा में वापसी के बाद पहली बार राज्य मंत्रिमंडल में शामिल किया गया।

4 में से 3 निगमों पर भाजपा का कब्जा

हिमाचल नगर निगम चुनाव 2026: पालमपुर में कांग्रेस ने बचाई साख

शिमला। हिमाचल प्रदेश के नगर निगम चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मजबूत प्रदर्शन करते हुए चार में से तीन नगर निगमों में जीत दर्ज की है। मंडी, धर्मशाला और सोलन नगर निगमों में भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिला, जबकि पालमपुर नगर निगम में कांग्रेस ने शानदार प्रदर्शन कर सत्ता अपने नाम की। इन परिणामों को राज्य की राजनीति के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इन्हें आगामी विधानसभा चुनावों से पहले जनता के मूड का संकेत भी माना जा रहा है। मंडी नगर निगम में भाजपा ने सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन किया। यहां कुल 14 वार्डों में चुनाव हुए थे, जिनमें से 12 सीटों पर भाजपा उम्मीदवारों ने जीत हासिल की। कांग्रेस को केवल एक सीट मिली, जबकि एक वार्ड में निर्दलीय प्रत्याशी विजयी रहा। मंडी के नतीजों ने भाजपा को बड़ी राजनीतिक बढ़त दी है। वहीं कांग्रेस के लिए यह परिणाम निराशाजनक माना जा रहा है, क्योंकि पार्टी यहां प्रभावी चुनौती पेश करने में सफल नहीं रही। धर्मशाला नगर निगम में कुल 17 वार्डों के लिए मतदान हुआ था। यहां भाजपा ने 11 सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया। कांग्रेस को पांच सीटों पर सफलता मिली, जबकि एक सीट निर्दलीय उम्मीदवार के खाते में गई। धर्मशाला के नतीजे बताते हैं कि भाजपा का संगठन और स्थानीय स्तर पर उसका जनाधार अभी भी मजबूत बना हुआ है। पार्टी ने यहां अपने चुनावी अभियान का लाभ उठाते हुए स्पष्ट बढ़त बनाई। सोलन नगर निगम में भी भाजपा ने बढ़त बनाए रखी। 17 वार्डों में हुए चुनाव में भाजपा ने 10 सीटें जीतीं। कांग्रेस छह सीटों पर विजयी रही, जबकि एक सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार ने जीत दर्ज की। सोलन में भाजपा और कांग्रेस के बीच मुकाबला अपेक्षाकृत कड़ा रहा, लेकिन अंतिम परिणाम भाजपा के पक्ष में गया। इससे पार्टी को राज्य स्तर पर राजनीतिक मजबूती मिली है। चार नगर निगमों में से केवल पालमपुर में कांग्रेस को स्पष्ट सफलता मिली। यहां कुल 15 सीटों में से 11 पर कांग्रेस उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की।

नगर विधायक बोले- पत्रकार न रहें तो सरकार तानाशाह हो जाएगी

⇨ हिन्दी पत्रकारिता दिवस मिर्जापुर प्रेस क्लब ट्रस्ट के कार्यक्रम में मंथन

⇨ पत्रकार भवन का रास्ता साफ, पालिकाध्यक्ष ने जमीन, नगर विधायक ने 10 लाख अनुदान किया घोषित,एमएलसी ने भरी सहमति

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। हिन्दी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर मीरजापुर प्रेस क्लब ट्रस्ट द्वारा आयोजित वैश्विक परिदृश्य में पत्रकारिता विषयक संगोष्ठी में पत्रकारिता की चुनौतियों, लोकतंत्र में उसकी भूमिका और बदलते मीडिया परिवेश पर गंभीर मंथन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन नगर के लाल डिग्गी स्थित लायंस स्कूल सभागार में किया गया था। मुख्य वक्ता अरुण आनंद ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौर की पत्रकारिता एक मिशन हुआ करती थी, जिसका उद्देश्य देश और समाज की सेवा करना था। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद पत्रकारिता के स्वरूप में धीरे-धीरे बदलाव आया और समय के साथ इसमें व्यावसायिकता का प्रभाव बढ़ता गया। उन्होंने आपातकाल के दौर का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय मीडिया पर कड़े प्रतिबंध लगाए गए थे। समाचार पत्रों को स्याही तक उपलब्ध नहीं हो पाती थी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगा दिया गया था। लेखन और प्रकाशन पर नियंत्रण के कारण पत्रकारों को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। अरुण आनंद ने कहा कि वर्तमान समय में

परिस्थितियां भले ही अलग हों, लेकिन पत्रकारिता नई चुनौतियों से जूझ रही है। उन्होंने कहा कि आज मीडिया संस्थानों को आर्थिक संसाधन तो उपलब्ध हैं, किंतु स्वतंत्र और निष्पक्ष लेखन पर विभिन्न प्रकार के दबाव महसूस किए जा रहे हैं। कई बार अधिकारियों या प्रभावशाली व्यक्तियों के खिलाफ खबर प्रकाशित होने पर पत्रकारों और मीडिया संस्थानों पर मुकदमे दर्ज कराए जाते हैं, जिससे स्वतंत्र पत्रकारिता प्रभावित होती है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पत्रकारों के सामने नौकरी की असुरक्षा भी एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी है। कभी भी रोजगार छिन जाने की आशंका के कारण कई पत्रकार खुलकर अपनी बात नहीं रख पाते। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए पत्रकारिता की स्वतंत्रता और निष्पक्षता का सुरक्षित रहना अत्यंत आवश्यक है। इस मौके पर नगर विधायक पं. रत्नाकर मिश्र ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हैं। यदि पत्रकार न रहें तो सरकार तानाशाह हो जाएगी। उन्होंने कहा कि भारत को अब सोने की चिड़िया नहीं बल्कि बब्बर शेर बनना चाहिए। चिड़िया बनने पर उसे फिर कोई लूट सकता है, जबकि बब्बर शेर बनने पर वह अपनी सुरक्षा और सम्मान की रक्षा स्वयं कर सकता है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता में सत्य और निष्पक्षता सबसे बड़ी ताकत है, प्रभाव पैदा करने की नहीं बल्कि सत्य को सामने लाने की आवश्यकता है। उन्होंने भगवान शिव के परिवार का उदाहरण देते हुए कहा कि परिवार में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन मनभेद नहीं होना चाहिए। इसी तरह पत्रकारों को भी एक मंच पर रहकर समाज और लोकतंत्र के हित में कार्य करना चाहिए। एमएलसी विनीत सिंह ने पत्रकारों को गुटबाजी से दूर रहने का आह्वान करते हुए कहा कि झाड़ू बंधी रहती है तो सफाई करती है, लेकिन बिखर जाने पर स्वयं कचरा बन जाती है। उन्होंने निष्पक्ष पत्रकारिता को लोकतंत्र की आवश्यकता बताते हुए पत्रकारों से एकजुट रहने का आह्वान किया। पत्रकार भवन की मांग पर चर्चा के दौरान पालिकाध्यक्ष श्याम सुंदर केशरी ने भूमि उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इस पर नगर विधायक पं. रत्नाकर मिश्र ने पत्रकार भवन निर्माण के लिए 10 लाख रुपये देने की घोषणा की। विनीत सिंह ने जमीन मिलने पर दूसरे दिन से निर्माण कार्य कराने का भरोसा दिया। कार्यक्रम में राष्ट्रवादी मंच के मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि हिन्दी पत्रकारिता कठिन दौर से गुजर रही है और पीत पत्रकारिता लोकतंत्र के लिए खतरा बनती जा रही है। उन्होंने पत्रकारिता की विश्वसनीयता बनाए रखने पर जोर दिया। संपादक कृष्णानंद त्रिपाठी ने कहा, जो छिपाया जाए वह खबर है और जो दिखाया जाए वह प्रचार है। उन्होंने खोजी पत्रकारिता के कमजोर पड़ने पर चिंता जताई और नई पीढ़ी के पत्रकारों से अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करने का आह्वान किया। डॉ योगानंद गिरी ने पत्रकारिता की विश्वसनीयता को बनाए रखने पर जोर दिया। कार्यक्रम में पत्रकारिता की गरिमा, निष्पक्षता, ज्ञान के प्रसार तथा लोकतंत्र को मजबूत बनाने में मीडिया की भूमिका पर व्यापक चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि पत्रकारिता की विश्वसनीयता और सामाजिक सरोकारों को बनाए रखना आज के समय की सबसे बड़ी चुनौती है। कार्यक्रम का विषय प्रवर्तन संयोजक अमरेश मिश्र, अध्यक्षता राजेश मिश्र एवं संचालन संतोष ऊमर ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पत्रकार एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

योगी आदित्यनाथ के जन्मदिवस पर 5 जून को होगा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। त्रिशक्ति सेवा फाउंडेशन एवं हिन्दू युवा वाहिनी के नेतृत्व में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री परम पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 5 जून को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम कबीरचौरा राजकीय महिला चिकित्सालय अस्पताल के महिला विंग में आयोजित होगा। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर रविवार को सरोजा पैलेस में हिन्दू युवा वाहिनी के नि0 वाराणसी मंडल प्रभारी/ वाराणसी विकाश प्राधिकरण मानद सदस्य अम्बरीश सिंह भोला की अध्यक्षता में कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में रक्तदान शिविर की रूपरेखा तैयार की गई तथा अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है और इसके माध्यम से जरूरतमंद मरीजों को जीवनदान देने का कार्य किया जा सकता है। सभी सामाजिक संगठनों, युवाओं एवं आम नागरिकों से शिविर में पहुंचकर स्वैच्छिक रक्तदान करने की अपील की गई। इस मौके पर नि. वर्तमान महानगर अध्यक्ष अजय सिंह, नि. महानगर उपाध्यक्ष सन्नी गुप्ता, नि. संगठन मंत्री नीतीश सिंह, नि. महानगर मीडियाप्रभारी अश्वनी गुप्ता, नि. महानगर उपाध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल, नि. महानगर मंत्री प्रचार प्रसार उमेश सिंह, महानगर मंत्री अभिषेक श्रीवास्तव, मनीष वर्मा, दिनेश अग्रहरि, मनीष वर्मा, महानगर कोषाध्यक्ष गप्पू सिंह, शेखर सिंह एवं 12 मंडल इकाई के समस्त पदाधिकारी एवं देवतुल्य कार्यकर्तागढ़ उपस्थित रहे।

अहिल्या बाई होल्कर की जयंती पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के जन्मोत्सव समारोह का आयोजन संत शिरोमणि गुरु रविदास ज्ञान विहार कल्ली पश्चिम रायबरेली रोड लखनऊ के प्रांगण में किया गया । जिसमें डॉक्टर पंकज यादव जी द्वारा डायबिटीज ब्लड प्रेशर की जांच करी गई एवं डायबिटीज़ एवं ब्लड प्रेशर से संबंधित कुछ प्राकृतिक उपाय बताए गए। सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा लोकमाता अहिल्याबाई होलकर जी के द्वारा किए गए कार्यों के बारे में प्रबोधन किया गया ।बामसेफ के राष्ट्रीय मुस्लिम मोर्चा के राष्ट्रीय प्रभारी माननीय चांद मोहम्मद साहब के द्वारा अहिल्याबाई होलकर के मूलभूत किए गए कार्यों में से समाज में वंचित वर्ग के लिए अन्न, जल भोजन की सामाजिक व्यवस्था की प्रबंधन प्रणाली पर प्रकाश डाला गया । उन्होंने बताया की माता अहिल्याबाई होलकर बुद्ध की प्रेरणा से संत शिरोमणि रविदास द्वारा गुरुबाणी के अंतर्गत प्रेरित होकर सभी को अन्न उपलब्ध करने का कार्यक्रम को अपने राज्य में चलती थी , उन्होंने बहुजन मूलनिवासियों समण लोगों की समस्याओं पर प्रकाश डाला एवं उसके समाधान के लिए उद्देश्यों और सिद्धांतों पर कार्य करने की आवश्यकता बताई। प्रोफेसर उमाशंकर द्वारा लोकतंत्र, नागरिकता और प्राकृतिक सत्य सिद्धांतों को बताया गया । भारत में मूलनिवासी

बहुजन समण समाज के शोषण के कारण जैसे अज्ञानता, इतिहास की जानकारी ना होना, प्राकृतिक सच की जानकारी न होना बताया और बताया कि बहुजन महानायक और नायिकाओं के द्वारा दिए गए उद्देश्यों और सिद्धांतों पर मूल निवासी बहुजन समण साथियों को मिशन पर काम करने की आवश्यकता है इसी से व्याप्त शोषण, जाति-पात, गरीबी दूर होगी अशिक्षा दूर होगी। मनुष्य के जीवन के उत्थान में जो भी आवश्यकता है वह बुद्धि के विकास से ही संभव है जिसके लिए प्राकृतिक सत्य शिक्षा को अमल में लाना होगा। ओमप्रकाश ने भी बहुजनों की एकता पर बल दिया गया और बताया की असली इतिहास पढ़ना चाहिए उससे बहुजन समाज को अपने समाज के जैसे कि अहिल्याबाई होलकर पाल गड़रिया जाति कहे जाने वाले परिवार से संबंध रखने वाली रानी थी लेकिन गड़रिया पाल जाति कहे जाने वाले बहुजन समाज के लोग ही उनके बारे में नहीं जानते हैं। नीरज निर्मल जी द्वारा भी बहुजन एकता पर बात बताइए। एडवोकेट दिलीप चौधरी जी ने भी जाति-पात की समस्या और संविधान को पूरी तरीके से न लागू होने के पीछे ब्राह्मणवादी ताकतों को बताया। कि वह झूठ फैलाकर लोगों को धर्म की आड़ में लोगों को मूर्ख बनाकर अपना उद्देश्य पूरा करते हैं । बहुजन मूलनिवासी समण सभ्यता और समाज के लोगों को इस पाखंड और अंधविश्वास के दलदल से निकलकर संविधान और लोकतंत्र में विश्वास रखना होगा। ओमा फाउंडेशन, बामसेफ, मिशन डेमोक्रेसी, समण संघ, प्रगतिशील महिला एकता केंद्र, एवं क्षेत्र के मूलनिवासी बहुजन समाज द्वारा सन्त रविदास ज्ञान बिहार प्रांगण में लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर जन्मोत्सव धूम धाम से मनाया गया समारोह में स्वास्थ्य शिविर लगाया गया जिसमे मोटापा, डायबिटीज, ब्लूडप्रैशर की जांच और उपचार सम्बन्धी जानकारी एवं सामाजिक कार्य कर्ताओं द्वारा लोक माता अहिल्या बाई होल्कर के द्वारा किए गए कार्यों के उत्थान पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित ओम प्रकाश, चन्दन कुमार, उदयराज, अमर नाथ, बुद्धसेन गौतम, प्रोफेसर डॉ उमा शंकर, माननीया सरिता यादव, माननीया मंजुलता, राधेश्याम दिवाकर, विजय बहादुर, डॉक्टर पंकज यादव बीएएमएस, एमएस, चांद मोहम्मद, प्रियंका भारती, विजय बहादुर, नीरज निर्मल, आर बी मौर्य, कुन्दन गौतम, एडवोकेट दिलीप कुमार, अनिल कुमार यादव, सविता, मालती, सरोज, सावित्री शेर बहादुर आदि कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

गणेश सिटी सोसायटी में श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ महोत्सव 05 जून से

❑ आचार्य पद्म लोचन गोस्वामी महाराज अपनी सुमधुर वाणी से श्रवण कराएंगे श्रीमद्भागवत की अमृतमयी कथा

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

वृन्दावन। रामताल रोड़ स्थित गणेश सिटी सोसायटी के श्रीराधा नील माधव जू मन्दिर में पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ महोत्सव 05 से 11 जून 2026 पर्यन्त अत्यंत श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ आयोजित किया जा रहा है।

जानकारी देते हुए प्रख्यात साहित्यकार यूपी रत्न डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने बताया कि महोत्सव में ठाकुर श्रीराधा रमण मंदिर के सेवाधिकारी आचार्य पद्म लोचन गोस्वामी महाराज अपनी सुमधुर वाणी के द्वारा अपराह्न 03:30 से सायं 06:30 बजे तक देश-विदेश से आए समस्त भक्तों-श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत महापुराण की अमृतमयी कथा श्रवण कराएंगे। उन्होंने बताया कि महोत्सव का शुभारंभ श्रीमज्जगद्गुरू श्रीनाभापीठाधीश्वर स्वामी सुतीक्ष्णदास देवाचार्य महाराज के द्वारा किया जाएगा। महोत्सव के आयोजक प्रणव अवस्थी ने सभी भक्तों-श्रृद्धालुओं से इस महोत्सव में उपस्थित रहने का आग्रह किया है।

मन की बातें जन-जन के विकास उन्नति प्रगति के लिए हर घर-घर

जाने युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष राघवेंद्र उपाध्याय

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। विंध्याचल आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात को सुन। भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष राघवेंद्र उपाध्याय ने

अपने युवा साथियों के साथ अपने निज निवास पर सुन सुना कर जन जागरूक विकास योजनाओं को हर घर-घर पहुंचाने के लिए संकल्पित कर करा एकत्रता के साथ एकजुट उपस्थित रहे। उपाध्याय जी ने कहा कि आज मोदी जी व योगी जी के नेतृत्व में देश प्रदेश निरंतर विकास उन्नति विस्तृत रूप दिखा कर रही हैं। निरंतर आप लोगों के माध्यम व निर्देशन द्वारा हर शहर हर गांव। स्वच्छता विकास के पथ स्तंभ पर खड़ी है। विकास की ओर चलने का कार्य कर रही है। जिससे समस्त जनमानस संतुष्ट व खुशहाल दिख रहा है।

पूजा दीक्षित के जन्मदिवस पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन, दर्जनों लोगों ने किया रक्तदान।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। क्षेत्रीय मंत्री (महिला मोर्चा), भाजपा काशी क्षेत्र श्रीमती पूजा दीक्षित के जन्मदिवस के शुभ अवसर पर शौर्य शिखर सोलर एनर्जी एवं अभ्युदय सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में हरहुआ स्थित परिसर में विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान कर मानवता की सेवा का

संदेश दिया। शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है, क्योंकि इससे किसी व्यक्ति को नया जीवन मिल सकता है। उन्होंने लोगों से नियमित रूप से रक्तदान करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के संयोजक एवं अभ्युदय सेवा समिति के महामंत्री तथा शौर्य शिखर सोलर एनर्जी के डायरेक्टर सिंटू पांडे ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज के सहयोग से ऐसे जनहितकारी कार्यक्रम आगे भी आयोजित किए जाते रहेंगे। समिति के संरक्षक दिलीप दुबे ने रक्तदान को मानवता की सच्ची सेवा बताते हुए युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में आगे आने की अपील की। इस अवसर पर रोहित त्रिपाठी, विशाल गुप्ता (कोषाध्यक्ष), संतोष सिंह, अनुपम (संगठन मंत्री), डम्पी तिवारी बाबा (राष्ट्रीय सलाहकार, अभ्युदय सेवा समिति), राहुल सोनी सहित समिति के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन रक्तदाताओं को सम्मानित करने एवं समाज सेवा के संकल्प के साथ हुआ। आयोजकों ने कहा कि रक्तदान जैसे अभियान समाज में संवेदनशीलता, सहयोग और मानवता की भावना को मजबूत करते हैं।

दिव्य शिव पुराण कथा एवं भजन संध्या ने श्रद्धालुओं को किया भाव-विभोर

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। चार धाम यात्रा समिति द्वारा आयोजित पूज्य गुरुदेव श्री अमर बिहारी पाठक जी की दिव्य शिव पुराण कथा में श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। कथा का आयोजन भव्य, सुव्यवस्थित एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण रहा, जिसने श्रद्धालुओं को शिवभक्ति के रंग में सराबोर कर दिया। कथा के पांचवें दिन सायंकाल पूज्य प्रेम सरण जी महाराज की भजन संध्या ने भक्तिमय वातावरण का सृजन किया। उनके मधुर भजनों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। इस अवसर पर बालाजी पैलेस, काशी के स्वामी श्री संजय लोहिया ने अपनी 35वीं वैवाहिक वर्षगांठ पर अतिथियों के लिए भव्य चाट एवं रात्रि-भोज का आयोजन किया। उनकी अतिथि-सेवा, विनम्रता एवं आत्मीय व्यवहार की सभी ने सराहना की। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए श्रद्धालुओं ने पूज्य गुरुदेव अमर बिहारी पाठक जी , पूज्य प्रेम सरण जी महाराज, चार धाम यात्रा समिति तथा संजय लोहिया के प्रति आभार व्यक्त किया।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जागरूकता रैली, 276 लोगों के फेफड़ों की हुई जांच।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर ब्रेथ इजी चेस्ट फाउंडेशन फॉर ह्यूमैनिटी, अस्सी द्वारा जन जागरूकता रैली एवं निःशुल्क फेफड़ा जांच शिविर का आयोजन किया गया। वरिष्ठ

श्वांस एवं फेफड़ा रोग विशेषज्ञ डॉ. एस.के. पाठक एवं सुनीता पाठक ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अस्सी से सुबह-ए-बनारस मंच तक निकाली गई रैली में युवाओं और नागरिकों ने भाग लेकर तंबाकू व धूम्रपान के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक किया। इस दौरान 276 लोगों के फेफड़ों की निःशुल्क जांच की गई, जिनमें 60 प्रतिशत से अधिक लोगों में फेफड़ों की क्षमता कम पाई गई। डॉ. एस.के. पाठक ने लोगों को तंबाकू सेवन न करने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि तंबाकू एक धीमा जहर है, जो कैंसर, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप और श्वांस संबंधी गंभीर बीमारियों का कारण बनता है। कार्यक्रम में डॉ. स्वप्निल पाठक सहित फाउंडेशन के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जागरूकता रैली, निःशुल्क प्याऊ का शुभारंभ।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर त्रिशक्ति सेवा फाउंडेशन द्वारा हवेलिया चौराहा से आशापुर चौराहा तक विशाल जन-जागरूकता रैली निकाली गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अमरीश सिंह (भोला) रहे। रैली के माध्यम से युवाओं को नशामुक्त जीवन अपनाने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर भीषण गर्मी को देखते हुए आशापुर चौराहा पर निःशुल्क प्याऊ का शुभारंभ भी किया गया। फाउंडेशन के अध्यक्ष विशाल पांडेय 'चुलबुल' के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में मद्यनिषेध अधिकारी राकेश रोशन, पार्षद अभय पांडेय, पार्षद प्रतिनिधि रजनीश पांडेय सहित अनेक गणमान्य लोग एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मानव सेवा और नशामुक्त समाज निर्माण का संकल्प दोहराया गया।

सामाजिक नेतृत्व समाज निर्माण का सशक्त माध्यम- अनिल जाजोदिया

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। काशी जेसीज चैरिटेबल ट्रस्ट एवं जेसीआई काशी के संयुक्त तत्वावधान में होटल लैंडमार्क में आयोजित सोशल लीडरशिप सेमिनार में सामाजिक नेतृत्व की चुनौतियों, जिम्मेदारियों और अवसरों पर मंथन किया गया। कार्यक्रम में ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी अनिल के. जाजोदिया ने कहा कि समाज के विकास के लिए अच्छे लोगों का नेतृत्व की भूमिका में आगे आना आवश्यक है। मुख्य वक्ताओं संजय अग्रवाल, अलका पोद्दार एवं जोन अध्यक्ष जेसी गौरव सेठ ने नेतृत्व में विश्वास, संवेदनशीलता, टीम भावना और युवाओं की भागीदारी पर बल दिया। चर्चा में यह निष्कर्ष निकला कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन के लिए सक्षम एवं सज्जन लोगों को नेतृत्व की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। इस अवसर पर सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए दीपक अग्रवाल एवं ब्रह्मानंद पेशवानी को सोशल लीडरशिप अवार्ड से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी एवं सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। संचालन रोहित खेमका ने तथा धन्यवाद ज्ञापन राजेंद्र मोहन साह ने किया।

नगांव जिला प्रशासन की अगुवाई में विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जागरूकता रैली और सभा।

तीसरा विकल्प न्यूज़ पंकज नाथ

असम। नगाँव में जिला प्रशासन तथा जिला तंबाकू नियंत्रण कोश के संयुक्त प्रयास और जिला विधिक सेवा

प्राधिकरण के सहयोग से रविवार को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह नगाँव विश्वविद्यालय चौक से एक जागरूकता रैली के साथ हुई, जिसका उद्घाटन जिला आयुक्त देवाशीष शर्मा ने किया। उद्घाटन भाषण में जिला आयुक्त ने कहा कि तंबाकू हमारे समाज के लिए विनाशकारी है। उन्होंने बताया कि अक्सर गुटखा सेवन से शुरुआत होती है, जो बाद में सिगरेट, बीड़ी और कुछ मामलों में नशीली दवाओं की ओर ले जा सकती है। ऐसे में समाज की उन्नति के लिए तंबाकू के प्रयोग को रोकना अत्यावश्यक है। उपायुक्त ने उपस्थित सभी से न केवल स्वयं तंबाकू से दूर रहने का संकल्प लेने को कहा, बल्कि शांति से दूसरों को भी तंबाकू के हानिकारक प्रभावों के बारे में समझाने का शपथ दिलाया। इसके बाद वे स्वयं रैली का नेतृत्व करते हुए नगाँव शहर के प्रमुख मार्गों से होकर निकले। रैली के पश्चात् विश्वविद्यालय के सभाकक्ष में आयोजित सभा को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव जगत दास, जिला तंबाकू नियंत्रण कोश की कार्यभारवाहिका डॉ. स्मिताक्षी फुकन , नगाँव विश्वविद्यालय के कार्यभारवाहक कुलपति ध्रुवज्योति बरुआ , तेजपुर कैंसर केन्द्र के अधीक्षक डॉ. डी. जे. बोरा तथा जिला सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी विकास शर्मा सहित कई वक्ताओं ने संबोधित किया। डॉ. स्मिताक्षी फुकन ने तंबाकू से संबंधित कानूनों और उनके अनुपालन के विभिन्न पहलुओं को स्पष्ट रूप से समझाया। डॉ. डी. जे. बोरा ने पावरपॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से तंबाकू से होने वाले कैंसर तथा अन्य स्वास्थ्य जोखिमों के बारे में वैज्ञानिक और प्रामाणिक जानकारी दी, जिससे उपस्थित श्रोता गम्भीर रूप से प्रभावित हुए।सभी वक्ताओं ने तंबाकू के उपयोग को रोकने के लिए सामुदायिक सहयोग, शिक्षा और क़ानूनी सख़्ती की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में स्कूल के विद्यार्थियों के बीच आयोजित रचना प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। जिला प्रशासन ने लोगों से अपील की कि वे स्वयं तंबाकू से परहेज़ करें, बच्चों और युवाओं को इस खतरे के प्रति जागरूक करें और नियमों का पालन सुनिश्चित करवाएँ ताकि एक स्वस्थ और जागरूक समाज का निर्माण हो सके।

नगर विधायक पं. रत्नाकर मिश्र ने शुक्लहा वार्ड में किया जनसंपर्क, योजनाओं की जानकारी दी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। पं. रत्नाकर मिश्र, नगर विधायक विंध्यधाम मिर्जापुर ने शुक्रवार को नगर के शुक्लहा वार्ड में जनसंपर्क अभियान चलाया। अभियान के दौरान उन्होंने घर-घर जाकर आमजन को उत्तर प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी पत्रक के माध्यम से उपलब्ध कराई। विधायक ने लोगों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं जैसे आयुष्मान कार्ड, पीएम आवास योजना, उज्ज्वला गैस कनेक्शन, किसान सम्मान निधि, महिला सशक्तिकरण से संबंधित योजनाओं, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं आदि के बारे में जागरूक किया।

उन्होंने आमजन से अपील की कि वे इन योजनाओं का पूरा लाभ उठाएं और पात्र व्यक्ति बिना किसी परेशानी के योजनाओं से जुड़ें। इस अवसर पर सतीश उपाध्याय (सभासद), कमलेश मौर्या (सभासद पति) तथा स्थानीय कार्यकर्ताओं की टीम उनके साथ रही। कार्यकर्ताओं ने भी लोगों से सीधा संवाद कर योजनाओं की जानकारी दी और उनकी समस्याओं को सुनने का आश्वासन दिया। विधायक पं. रत्नाकर मिश्र ने कहा कि सरकार का लक्ष्य अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास की योजनाओं को पहुंचाना है। जनसंपर्क अभियान के माध्यम से वे लगातार जनता की समस्याओं को समझ रहे हैं और उन्हें शीघ्र समाधान दिलाने का प्रयास कर रहे हैं। इस अभियान से स्थानीय निवासियों में काफी उत्साह देखा गया। लोग विधायक के प्रयासों की सराहना कर रहे हैं।

सपा के राज्य मुख्यालय पर मनाई गई वीरांगना लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 301 वीं जयंती

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। वीरांगना लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 301 वीं जयंती आज समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ में सादगी से मनाई गई। लोकमाता के चित्र पर पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी और प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने माल्यार्पण कर नमन किया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अहिल्याबाई जयंती पर लोकमाता की स्मृति को नमन किया है। उनका मानना है कि 18वीं सदी में अपने कुशल शासन, धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार और महिला सशक्तिकरण के लिए भारतीय इतिहास में अमर रहेगा। अपनी न्यायप्रियता और लोककल्याणकारी निर्णयों से उन्होंने शासन-प्रशासन का आदर्श स्थापित किया था। उन्होंने कहा कि वीरांगना अहिल्याबाई होल्कर मराठा साम्राज्य के मालवा क्षेत्र की महान महारानी थी। उन्हें लोकमाता भी कहा जाता है। वह शिवभक्त थी। अखिलेश यादव के अनुसार महारानी अहिल्याबाई होल्कर सुशासन के साथ-साथ शैक्षिक और सांस्कृतिक विकास के लिए भी प्रसिद्ध है। उन्होंने अपने शासनकाल में काशी विश्वेश्वर मंदिर मणिकर्णिका घाट और गया में विष्णु मंदिर का निर्माण कराया। उन्होंने केदारनाथ से रामेश्वर तक पूरे भारत में 100 से अधिक मंदिरों का जीर्णोद्धार किया। कार्यक्रम में सपा के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए।

दरोगा की ड्राइविंग ने ली मासूम की जान

➲ पूरी शहर को पता है कातिल कौन, मगर सरकारी पर्चे पर लिखा है अज्ञात

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। थाना दुबग्गा क्षेत्र में हुए एक दर्दनाक हादसे ने पुलिसिया सिस्टम के उस चेहरे को एक बार फिर बेनकाब कर दिया है, जिसे देखकर कानून के रखवालों पर से भरोसा उठ जाए। मामला सीधे एक दरोगा जी, सब-इंस्पेक्टर अशोक कुमार और उनकी धर्मपत्नी से जुड़ा है, इसलिए खाकी का रौबा एकदम वीआईपी मोड में आ गया है। आइए, आपको तफ्सील से बताते हैं कि कैसे एक तरफ एक लाचार पिता का इकलौता चिराग बुझ गया और दूसरी तरफ पुलिस लिखा-पढ़ी के खेल में मास्टर डिग्री हासिल कर रही है। तथ्यों और आरोपों के मुताबिक, हरदोई में तैनात सब-इंस्पेक्टर अशोक कुमार अपनी बेगम साहिबा को गाड़ी चलाना सिखा रहे थे। कार क्रेटा-यूपी 12 सीई 6277 की रफ्तार इतनी कातिलाना थी कि दिनांक 29.05.2026 को दोपहर करीब 2:30 से 4:00 बजे के बीच, अमेठिया सलेमपुर, अंधे की चौकी, हरदोई रोड के पास आ रही एक मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे ने मोहम्मद साहिल उम्र लगभग

23 वर्ष की मौके पर ही जान ले ली। साहिल अपने पीछे चार बहनें और एक बीमार पिता जो कैंसर से पीड़ित हैं छोड़ गया। वह घर का इकलौता कमाने वाला सदस्य था। मोटरसाइकिल पर पीछे बैठे उनके दोस्त मो.महताब अली भी गंभीर रूप से घायल हैं और अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं। हादसा होते ही दरोगा जी का कानूनी दिमाग दौड़ पड़ा। मामले को रफा-दफा करने और यह दिखाने के लिए कि एक्सीडेंट मोटरसाइकिल से नहीं बल्कि पेड़ से टकराने से हुआ, गाड़ी को ले जाकर पेड़ से लड़ा दिया गया। वाह दरोगा जी, इसे कहते हैं ऑन-स्पॉट एविडेंस मैनेजमेंट! लेकिन वहां मौजूद जनता मूर्ख नहीं थी। राहगीरों और स्थानीय लोगों ने तुरंत गाड़ी के चालक महिला और दरोगा जी को मौके पर ही पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। और दोनों का वीडियो भी बना दिया जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल है। लोगों को उम्मीद थी कि न्याय होगा। लेकिन ट्विस्ट तो अब शुरू होता है! स्थानीय लोगों और पीड़ित पक्ष का आरोप है कि थाने में अपराधियों को एसी वाले कमरे में बैठाकर वीआईपी ट्रीटमेंट दिया जा रहा है, जबकि इंसाफ की गुहार लगाने आए पीड़ित पक्ष को थाने से भगाया जा रहा है। अब बात करते हैं उस सबसे बड़े मजाक की, जिसे पुलिस एफआईआर कहती है। जनता चिल्ला-चिल्ला कर कह रही है कि गाड़ी चलाने वाली महिला और बगल में बैठे दरोगा जी कौन हैं। प्रार्थना-पत्र में भी स्पष्ट लिखा है कि गाड़ी एक महिला चालक चला रही थी। लेकिन धन्य हो हमारी दुबग्गा पुलिस! यदि आप सरकारी रिपोर्ट को देखें, तो उसमें साफ-साफ लिखा है कि वाहन नंबर यूपी 12 सीई 6277 का चालक अज्ञात है। उसके रिश्तेदार का नाम भी अज्ञात दर्ज है और पता भी अज्ञात, अज्ञात लिखा गया है। पूरे शहर को पता है कि गाड़ी किसकी है और कौन चला रहा था, लेकिन हमारी जांबाज पुलिस के लिए सब अज्ञात है। अब इस अज्ञात महाशय या महिला पर क्या कार्रवाई होगी, इसका अंदाजा आप खुद लगा सकते हैं। क्या कमाल की दूरदर्शिता है! नामजद मुकदमा लिखने में दुबग्गा पुलिस के हाथ कांप रहे हैं, क्योंकि मामला भाई-बिरादरी, खाकी का जो ठहरा। प्रार्थना पत्र और एफआईआर के मुताबिक मृतक मोहम्मद साहिल अमेठिया सलेमपुर, थाना दुबग्गा, लखनऊ का निवासी था। इस हादसे में उनके साथी मो. माज पुत्र महताब अली गंभीर रूप से घायल हुए। मामले की शिकायत प्रार्थी अज्जे खान पुत्र इरशाद खान द्वारा की गई है। दुर्घटना कार नंबर यूपी 12 सीई 6277 से कारित की गई। पीड़ित परिवार पर अब कथित तौर पर समझौते और पैसों का दबाव बनाया जा रहा है। मुआवजा भी उतना, जितने में एक गरीब की जिंदगी का सौदा हो सके। सवाल यह उठता है कि क्या इस देश में दो तरह के कानून हैं? एक कानून आम जनता और गरीबों के लिए, जिन्हें इंसाफ के लिए दर-दर की ठोकरें खानी पड़ती हैं। और दूसरा कानून खाकी वर्दी वाले अमीरों और रसूखदारों के लिए, जो सड़क पर किसी की जान भी ले लें, तो उन्हें थाने में ए.सी की हवा और अज्ञात होने का सुरक्षा कवच मिलता है? बड़े अधिकारी आश्वासन दे रहे हैं कि निष्पक्ष कार्रवाई होगी, लेकिन जब नींव ही अज्ञात के झूठ पर रखी हो, तो इंसाफ की इमारत कैसी होगी, यह दुबग्गा की जनता बखूबी समझ रही है।

भोजवाल समाज ने की श्री अन्नकला बोर्ड गठन की मांग, चौधरी सम्मान समारोह आयोजित

➪ श्री अन्नकला बोर्ड का गठन करे सरकार- अरुण भोजवाल

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सहकारिता भवन, हजरतगंज में भोजवाल फाउंडेशन द्वारा भोजवाल (भुर्जी) समाज का भोजवाल चौधरी सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के भोजवाल समाज के चौधरी, मनोनीत सभासद, पत्रकार, अधिवक्ता, अध्यापक एवं हाल ही में चयनित पीसीएस अधिकारियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर फाउंडेशन के अध्यक्ष अरुण भोजवाल आजाद ने प्रदेश सरकार से एक करोड़ भोजवाल समाज के लिए श्री अन्नकला बोर्ड गठित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि बोर्ड बनने से समाज के लगभग एक करोड़ लोगों को सीधा लाभ मिलेगा और वे विकास की मुख्यधारा से जुड़ेंगे। प्रदेश कोषाध्यक्ष इंजीनियर उमाशंकर भोजवाल ने कहा कि सरकार जल्द बोर्ड का निर्माण करे ताकि योजनाओं का लाभ पूरे समाज तक पहुंचे। उन्होंने बताया कि फाउंडेशन जल्द ही 403 विधानसभाओं में भोजवाल जागरूकता अभियान चलाएगा। समारोह में रामजी भोजवाल, शिवनाथ भोजवाल, रवि भोजवाल, दिलीप भोजवाल, हरीश भोजवाल, मलिकदीन भोजवाल, दिनेश भोजवाल, राजेश भोजवाल, ज्ञानेश भोजवाल, उमा शंकर, गौरी शंकर, डॉ. मनोहर कुमार कानू, डॉ. मृत्युंजय गुप्ता, विष्णु भोजवाल, अशोक कुमार भोजवाल, शिवराम, दिलीप कुमार, युगल किशोर, गीता देवी, राम तीरथ, अमित कुमार, सुरेश मोदी, रमन भोजवाल, संतोष भोजवाल, ओमप्रकाश भोजवाल, विजय भोजवाल, बजरंगी लाल, अरुण कुमार, ज्ञानचंद, रोहित भोजवाल, माधुरी देवी, आलोक कुमार, शुभम, रवीश कुमार, अनिल कुमार, पवन कुमार, शेखर, राहुल, महेंद्र, इंद्रपाल, राज किशोर, मनीष देव भोजवाल, रामगोपाल भोजवाल, राजन भोजवाल, दुर्गा देवी भोजवाल, वर्षा भोजवाल समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

कृष्णा नगर पुलिस और सर्विलांस की संयुक्त कार्यवाही में अंतर्जनपदीय गिरोह का खुलासा

● मुठभेड़ में दो शातिरों के पैर में लगी गोली

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

आलमबाग। कृष्णा नगर पुलिस टीम ने सर्विलांस की सहयोग से रविवार तड़के पल्सर बाइक सवार दो बदमाशों को पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है,पुलिस कस्टडी में आए शातिरों की पहचान पर पुलिस टीम सरगना समेत पांच अन्य शातिरों को भी गिरफ्तार कर कई घटनाओं का खुलासा किया है। शातिरों के कब्जे से लुट के सामान के साथ एक लग्जरी कार,एक पल्सर बाइक और दो तमंचा बरामद हुआ है। कृष्णा नगर कोतवाली क्षेत्र में बीते दिनों एक सेल्समैन से सरेराह लुट और एक विवाहिता से टप्पेबाजी मामले की खुलासे में लगी कृष्णा नगर पुलिस टीम ने सर्विलांस की सहयोग से शनिवार रात्रि मानस नगर आशा राम बापू रोड पर चेकिंग अभियान पल्सर सवार दो बदमाशों को रोकने का प्रयास किया तो बदमाशों ने तमंचे से पुलिस टीम पर फायरिंग कर दिया पुलिस द्वारा जवाबी कार्यवाही में पुलिस की गोली दोनों बदमाशों के पैर में लगी और बाइक सवार दोनों बदमाश जख्मी हो गए जिन्हें कस्टडी में लेते हुए पुलिस ने उपचार के लिए लोकबंधु अस्पताल में भर्ती कराया। आशियाना इंस्पेक्टर पीके सिंह ने बताया कि पुलिस गिरफ्त में आए दोनों बदमाशों ने अपना परिचय रोहन उर्फ गुड्डू पुत्र शिव कुमार मदरासी मंदिर के पास थाना अम्बेडकर नगर दक्षिण पूर्वी दिल्ली और साहिल पुत्र सूरज उर्फ राना निवासी डेल्टा प्रथम 471 मदनगिरि थाना अम्बेडकरनगर दक्षिणपूर्वी दिल्ली का बताया है। पुलिस की पूछताछ में दोनों बदमाशों ने अपने दिल्ली के और साथियों की जानकारी लखनऊ में होने की पुलिस को दी जिसपर पुलिस ने रात्रि समय गंगा खेड़ा अंदर पास के पास इस गिरोह से जुड़े पांच अन्य सदस्यों को भी सफलता पूर्वक गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की गिरफ्त में आए इस गिरोह के अन्य सदस्यों ने अपना नाम पता सुमित पुत्र रामकेश गुप्ता दिल्ली,अरुण पुत्र रमेश कुमार मदन गिरी दिल्ली,सुमित पुत्र गुरु स्वामी नई दिल्ली,रवि चौरसिया दिल्ली मूल पता सलोन रायबरेली व समीर उर्फ अनुराग बताया है। जिनके कब्जे से पुलिस को एक अर्टिका कार बरामद हुआ है इसके अलावा सेल्समैन से लूटा गया सिगरेट से भरा थैला,एक चेन,दो 315 बोर तमंचा दो जिंदा कारतूस और तीन खोखा व एक बिना नंबर प्लेट की पल्सर मोटरसाइकिल बरामद हुआ है। बरामद कार अभियुक्त रवि चौरसिया का है।लखनऊ में हुई घटनाओं का खुलासा करते हुए पुलिस ने शातिरों को जेल भेज दिया है।

स्वास्थ्यकर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य पर एसजीपीजीआई की बड़ी पहल

❑ माइंडफुलनेस आधारित कार्यक्रम से तनाव, बर्नआउट और भावनात्मक थकान कम करने का प्रयास

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बढ़ते मानसिक तनाव और कार्यस्थल पर भावनात्मक दबाव के बीच संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) ने स्वास्थ्यकर्मियों और गंभीर रोगियों के भावनात्मक कल्याण को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। संस्थान द्वारा भावनात्मक कल्याण (Emotional Wellbeing) पर आधारित त्रि-चरणीय अध्ययन और माइंडफुलनेस बेस्ड स्ट्रेस रिडक्शन (MBSR) कार्यक्रम शुरू किया गया है। एसएस अग्रवाल ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यशाला में चिकित्सकों, रेजिडेंट डॉक्टरों और नर्सिंग अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वास्थ्यकर्मियों में तनाव प्रबंधन, मनोवैज्ञानिक दृढ़ता, भावनात्मक संतुलन और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाना है। कार्यक्रम में चिकित्साअधीक्षक प्रो. (डॉ.) आर. हर्षवर्धन ने कहा कि लगातार रोगी देखभाल और बढ़ते कार्यभार के कारण स्वास्थ्यकर्मियों में बर्नआउट, चिंता और भावनात्मक थकान तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में संस्थागत स्तर पर वेलबीइंग कार्यक्रमों की आवश्यकता अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। डीन प्रो. (डॉ.) शालीन कुमार ने माइंडफुलनेस अभ्यास को मानसिक संतुलन और कार्यस्थल पर सकारात्मक वातावरण बनाए रखने के लिए प्रभावी बताया। वहीं संस्थान के निदेशक पद्मश्री प्रो. (डॉ.) आर.के. धीमन ने कहा कि माइंडफुलनेस आधारित हस्तक्षेप तनाव कम करने, मानसिक स्पष्टता बढ़ाने और स्वास्थ्यकर्मियों के समग्र कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यशाला के दौरान माइंडफुल ब्रीदिंग, बॉडी स्कैन मेडिटेशन, तनाव प्रबंधन, भावनात्मक संतुलन और कार्यस्थल पर सजगता विकसित करने जैसे विषयों पर व्यावहारिक सत्र आयोजित किए गए। संस्थान ने बताया कि यह पहल आगे ऑनलाइन सत्रों के माध्यम से भी जारी रहेगी। एसजीपीजीआई का मानना है कि यह वैज्ञानिक और साक्ष्य-आधारित मॉडल भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं में भावनात्मक कल्याण और मनोवैज्ञानिक दृढ़ता को नियमित व्यवस्था का हिस्सा बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से चोटिल बाइक सवार की मौत, अंतिम क्रिया बाद भाई ने दर्ज कराया केस

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

आलमबाग। कृष्णा नगर कोतवाली इलाके में एक माह पूर्व एक अज्ञात वाहन की टक्कर से चोटिल बाइक सवार की मौत हो गई। मृतक के भाई ने अंतिम क्रिया के बाद अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कराया है। मूल रूप से ग्राम-देवीखेड़ा थाना-रहीमाबाद जिला-लखनऊ निवासी सुरेन्द्र कुमार पुत्र छोटेलाल ने बताया बीते 25 अप्रैल को उसका भाई सुशील कुमार अपने मित्र सरवन के साथ बाइक संख्या यूपी 32 क्यू ए 2346 पर पीछे बैठकर मदारी खेड़ा से बुध्देश्वर अपने घर जा रहा था। इस दौरान कृष्णा नगर कोतवाली इलाके स्थित वालाजी मंदीर के पास एक अज्ञात वाहन चालक ने उसके भाई की बाइक मे टक्कर मार फरार हो गया।

समाचार

अपील का पर्दाफाश थीम पर चला हस्ताक्षर अभियान, सिंथेटिक निकोटीन से किया आगाह

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। विश्व तंबाकू निषेध दिवस 31 मई की पूर्व संध्या पर कैंसर एड सोसाइटी और टीबी संयुक्ता अस्पताल, ठाकुरगंज ने संयुक्त रूप से हस्ताक्षर अभियान चलाया। यह अभियान विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2026 के विषय- अपील का पर्दाफाश, निकोटीन और तंबाकू की लत का मुकाबला के अनुरूप आयोजित किया गया। सीएमएस डॉ. एसपी सिंह ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। वरिष्ठ निदेशक प्रीति गुप्ता, कैंसर ऐड सोसाइटी की निदेशक नेहा त्रिपाठी, करण सिंह, जितेंद्र और सुनील के सहयोग से कार्यक्रम संपन्न हुआ। वक्ताओं ने कहा कि पारंपरिक धूम्रपान में गिरावट के बावजूद सिंथेटिक निकोटीन और फ्लेवर्ड ई-सिगरेट का बढ़ता चलन युवाओं के लिए नया खतरा है। उद्योग की बदलती रणनीतियों का मुकाबला करने के लिए जन जागरूकता जरूरी है। इस अवसर पर सिक्किम के आर्चीगोस अकादमी और लता मेमोरियल स्कूल, सिंगटोम में तंबाकू मुक्त बच्चे अभियान चलाया गया। अपराजिता और बिमलेश के नेतृत्व में विद्यार्थियों व शिक्षकों को तंबाकू के दुष्प्रभाव और इससे होने वाले कैंसर के खतरे के प्रति जागरूक किया गया। अभियान में छात्रों ने तंबाकू से दूर रहने की शपथ ली।

नौसेना शौर्य वाटिका का लोकार्पण सरोजनीनगर के रक्षा गौरव को नई पहचान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। विकसित नौसेना शौर्य वाटिका का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने सहभागिता की और इस महत्वपूर्ण पहल के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। ?42 करोड़ से अधिक की लागत से विकसित यह शौर्य वाटिका भारतीय नौसेना के साहस, पराक्रम और तकनीकी उत्कृष्टता को समर्पित है। इसमें लगभग तीन दशक तक राष्ट्रसेवा करने वाले युद्धपोत आईएनएस गोमती को खुले संग्रहालय के रूप में स्थापित किया गया है। नौसैनिक तोप, युद्ध उपकरण, ऐतिहासिक अवशेष और समुद्री सुरक्षा से जुड़े प्रदर्शन युवाओं में राष्ट्रभक्ति और सैन्य सम्मान की भावना को मजबूत करेंगे। सरोजनीनगर में रक्षा क्षेत्र की कई महत्वपूर्ण परियोजनाएँ तेजी से विकसित हो रही हैं। ?300 करोड़ से अधिक की लागत से ब्रह्मोस एकीकरण एवं परीक्षण केंद्र तथा मिसाइल निर्माण परिसर, लगभग ?500 करोड़ के निवेश से विशेष धातु एवं वैमानिकी सामग्री निर्माण परियोजना, उन्नत रक्षा परीक्षण अवसंरचना और डीआरडीओ की ऑप्टो-इलेक्ट्रॉनिक्स एवं अवरक्त संवेदक निर्माण परियोजनाएँ क्षेत्र को रक्षा अनुसंधान, परीक्षण और स्वदेशी तकनीक का प्रमुख केंद्र बना रही हैं।

सरकारी तंत्र की गाड़ियों का खस्ताहार पुलिस लगा रही धक्का

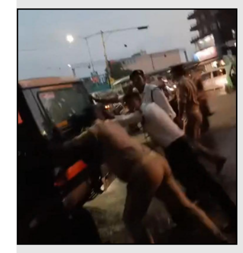

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। लखनऊ के कानपुर बाईपास चौराहे पर वाहन चेकिंग अभियान के दौरान एक दिलचस्प और चौंकाने वाला नज़ारा देखने को मिला। जहां एक ओर यातायात नियमों का पालन कराने के लिए पुलिस और परिवहन विभाग की टीम सख्ती से कार्रवाई कर रही थी, वहीं दूसरी ओर अभियान में शामिल अधिकारी की गाड़ी ही बीच रास्ते में जवाब दे गई। जानकारी के अनुसार चेकिंग के दौरान बिना हेलमेट चलने वालों के चालान काटे गए, सीट बेल्ट न लगाने वालों पर कार्रवाई की गई, रॉन्ग साइड वाहन चलाने वालों को हिदायत दी गई और ब्लैक फिल्म लगी गाड़ियों से फिल्म भी हटवाई गई। अभियान के बाद जब टीम को एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना था, तभी संबंधित अधिकारी की सरकारी गाड़ी अचानक खराब हो गई। गाड़ी बंद होने के बाद मौके पर मौजूद सिपाहियों और कांस्टेबलों ने धक्का लगाकर वाहन को आगे बढ़ाया। यह दृश्य वहां मौजूद लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया।

एशियन गेम्स-2026 कुश्ती चयन ट्रायल शुरू 150 दिग्गज पहलवान ले रहे हिस्सा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। साई सेंटर में एशियन गेम्स-2026 के लिए भारतीय कुश्ती टीम के चयन ट्रायल का रविवार को आयोजन किया गया। इस ट्रायल में देशभर के कुल 150 पहलवान हिस्सा ले रहे हैं। इनमें 65 फ्री स्टाइल और 85 ग्रीको-रोमन स्टाइल के पहलवान शामिल हैं, जो विभिन्न भार वर्गों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। ट्रायल में सफल रहने वाले खिलाड़ी आगामी 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान में आयोजित होने वाले एशियन गेम्स-2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। ट्रायल में ओलंपिक पदक विजेता अमन सेहरावत, ओलंपियन सुनीत, एशियन चैंपियन दिनेश और ललित सहित कई नामचीन पहलवान हिस्सा ले रहे हैं। खिलाड़ियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली, क्योंकि एशियन गेम्स में देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर दांव पर लगा है। भारतीय कुश्ती संघ के कोषाध्यक्ष एसपी देशवाल के मुताबिक इसमें विभिन्न भार वर्गों में खिलाड़ियों का चयन किया जा रहा है। चयनित पहलवानों की टीम जापान में आयोजित होने वाले एशियन गेम्स में हिस्सा लेने जाएगी। उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के समन्वयक एवं भारतीय कुश्ती कैंप के उपाध्यक्ष विनय शाही के मुताबिक ट्रायल में देश के कई अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी पहुंचे। उन्होंने कहा कि फ्री स्टाइल और ग्रीको-रोमन दोनों वर्गों में खिलाड़ियों का प्रदर्शन परखा जा रहा है। ट्रायल के दौरान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के पहलवानों की मौजूदगी से प्रतियोगिता का स्तर काफी ऊंचा हो गया है।

आशियाना में आठ दिवसीय बाल योग शिविर का समापन

●बच्चों ने सीखे संस्कार और सेहत के गुर।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

आलमबाग। आशियाना स्थित ज्योतिबा बाई फुले जोनल पार्क में चल रहे आठ दिवसीय बाल योग शिविर का समापन रविवार को बच्चों के सामूहिक योगाभ्यास के साथ धूमधाम से हुआ। गीता चैरिटी ट्रस्ट एंड फाउंडेशन और उत्तर प्रदेश आदर्श योग समिति के संयुक्त तत्वाधान में हुए इस शिविर में बच्चों को योग के साथ जीवन के संस्कार भी सिखाए गए। कार्यक्रम के समापन पर शिविर में प्रतिभा करने वाले बच्चों को प्रशस्ति पत्र एवं उपहार भेंट सम्मानित किया गया। शिविर में प्रशिक्षित योगाचार्यों ने बच्चों को प्राणायाम, आसन के साथ सही खान-पान, दिनचर्या, बड़ों का आदर-सम्मान और दैनिक उपयोग के सामान के रखरखाव के गुर सिखाए। बच्चों को बताया गया कि पढ़ाई और सोने का सही समय क्या होना चाहिए और एक आदर्श नागरिक के गुण कैसे होने चाहिए। गीता चैरिटी ट्रस्ट के अध्यक्ष सुनील मौर्य ने कहा कि ट्रस्ट का उद्देश्य बच्चों को संस्कारवान बनाना, निराश्रितों के लिए हैप्पी होम वृद्धा आश्रम बनाना, श्रमिकों को राशन बांटना और गरीब बच्चों को शिक्षा देना है। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता, भिक्षु शील रत्न, राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रियंका मौर्या, पार्षद कौशलेंद्र द्विवेदी मुख्य रूप से शामिल हुए। कार्यक्रम को सफल बनाने में उ.प्र. आदर्श योग समिति के प्रदेश अध्यक्ष संदीप सिंह गौर, भानु प्रताप सिंह, बेबी मौर्य, गीता मौर्य, राजेश श्रीवास्तव, सुरेंद्र मौर्य का विशेष योगदान रहा।

योगेन्द्र सिंह दोबारा बने प्रदेश युवा महामंत्री

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ । उत्तर प्रदेश युवा उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों गठन के बाद बरेली में आयोजित शपथ ग्रहण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में नव मनोनीत युवा पदाधिकारियों का शपथ दिलाई गयी। शपथ ग्रहण समारोह में व्यापारी कल्याण बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील सिंघी एवं प्रदेश अध्यक्ष मुकुन्द ने लखनऊ से प्रदेश युवा महामंत्री के पद पर योगेन्द्र सिंह को शपथ दिलाई। योगेन्द्र सिंह को दोबारा मनोनीत किया गया। उनके साथ लखनऊ युवा अध्यक्ष के पद पर संजय जायसवाल ने शपथ ली। इस अवसर पर लखनऊ नगर अध्यक्ष अमरनाथ अग्रवाल, वरिष्ठ अरविंद अग्रवाल, उपाध्यक्ष मंगलेश मिश्रा सुशील जायसवाल संगठन मंत्री श्याम मिश्रा ने बधाई दी।

भारत विकास परिषद अवध प्रान्त ने मनाई देवी अहिल्याबाई होलकर जयंती, 12 महिलाओं और 11 मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। भारत विकास परिषद अवध प्रान्त के तत्वावधान एवं लखनऊ पूर्वी शाखा के आतिथ्य में पुण्यश्लोका देवी अहिल्याबाई होलकर की जयंती समारोह कबीर शांति मिशन, स्मृति भवन, विपुल खण्ड, गोमती नगर में आयोजित किया गया। प्रांतीय अध्यक्ष देवेन्द्र स्वरूप शुक्ला ने कहा कि देवी अहिल्याबाई का जीवन त्याग, सेवा, न्यायप्रिय शासन और धर्म-संरक्षण का अद्भुत उदाहरण है। उनके आदर्श समाज को सदैव प्रेरणा देते रहेंगे। समारोह की मुख्य अतिथि पद्मश्री डॉ. विद्या बिन्दु सिंह ने अहिल्याबाई के जीवन संघर्ष, कुशल प्रशासन और समाजहित के कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि देवी अहिल्याबाई ने काशी विश्वनाथ मंदिर समेत देशभर में अनेक धार्मिक स्थलों का जीर्णोद्धार कराया। इस अवसर पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली 12 महिलाओं को सम्मानित किया गया। साथ ही लखनऊ व आसपास के 11 आर्थिक रूप से जरूरतमंद मेधावी विद्यार्थियों को परिषद की ओर से 11-11 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की गई। कार्यक्रम का संचालन नन्दिनी दुर्गेश ने किया। प्रांतीय मीडिया प्रभारी प्रदीप मिश्रा ने बताया कि आयोजन को सफल बनाने में शाखा अध्यक्ष टी.एन. मिश्रा एवं सचिव सुनील पाण्डेय का विशेष योगदान रहा। इस मौके पर प्रांतीय वित्त सचिव सीए पंकज अग्रवाल, महिला गतिविधि संयोजिका अंशु श्रीवास्तव, राकेश श्रीवास्तव, संजीव अवस्थी, रवि चटर्जी सहित कई पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

गुरुद्वारा कृष्णा नगर अध्यक्ष अवतार सिंह माकन की अंतिम अरदास में सिख संगत ने भारी संख्या में शामिल होकर दिवंगत को दी श्रद्धांजलि

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। गुरुद्वारा आशियाना में गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, कृष्णा नगर के अध्यक्ष स. अवतार सिंह माकन की अंतिम अरदास में स्थानीय सिंह सभाओं के प्रतिनिधियों एवं संगत ने शामिल होकर दिवंगत को भावांजलि एवं पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उनका निधन गत 27 मई को हुआ था। गुरुद्वारा आशियाना में रविवार की दोपहर 12 बजे से आयोजित अंतिम अरदास में गुरुद्वारा आशियाना, गुरुद्वारा नाका हिंडोला, गुरुद्वारा यहियागंज, गुरुद्वारा राजाजीपुरम, गुरुद्वारा सिंगार नगर, गुरुद्वारा आरडीएसओ, गुरुद्वारा पटेल नगर, गुरुद्वारा चन्दर नगर, गुरुद्वारा आलमबाग, गुरुद्वारा कृष्णा नगर सहित क्षेत्र की विभिन्न सिंह सभाओं से भारी संख्या में संगत का श्रद्धांजलि देने हेतु शामिल होना दिवंगत स. अवतार सिंह माकन की व्यवहार कुशलता की बानगी दे रहा था। अंतिम अरदास में गुरुद्वारा साहिब में भावांजलि देते हुए गुरुद्वारा नाका हिंडोला के अध्यक्ष डॉ.अमरजोत सिंह ने दिवंगत स. अवतार सिंह की व्यवहारिकता, मृदुभाषी स्वभाव की स्मृतियों को याद करते हुए कहा कि वे सभी के सुख - दुख में हमेशा खड़े रहते थे। गुरुद्वारा कृष्णा नगर की स्थापना में उनकी अग्रणी भूमिका रही। गुरुद्वारा कृष्णा नगर के सचिव स. अवनीत सिंह ने कहा कि स. अवतार सिंह गुरुद्वारा कृष्णा नगर के संस्थापक सदस्य रहे। उन्होने गुरुद्वारा साहिब की निस्वार्थ सेवा की एवं बतौर गुरुद्वारा अध्यक्ष उन्होंने सभी को संगठित करके रखा। लखनऊ की समस्त सिंह सभाओं से संगत का भारी संख्या में अंतिम अरदास में पहुंचना दर्शाता है कि वे एक व्यवहार कुशल व्यक्ति थे। गुरुद्वारा आलमबाग से अध्यक्ष स. निर्मल सिंह, स.रतपाल सिंह एवं सुरजीत सिंह राजपाल,गुरुद्वारा भाई लालो जी से स. जसवंत सिंह मारवाह, गुरदेव सिंह धंजल, गुरुद्वारा नाका हिंडोला से स. देवेन्द्र पाल सिंह, गुरुद्वारा कृष्णा नगर से स. चरनजीत सिंह, मंजीत सिंह, रविन्द्र जीत सिंह, समरजीत सिंह, इंद्रजीत सिंह, गुरजीत सिंह, नवजीत सिंह, हरबंश सिंह ने अंतिम अरदास में शामिल होकर दिवंगत की फोटो पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इससे पूर्व गुरुद्वारा साहिब के हजूरी रागी भाई राजिंदर सिंह ने बैरागमई गुरुबाणी गायन कर जीवन - मृत्यु की वास्तविकता पर प्रकाश डाला। गुरुद्वारा साहिब के मुख्य ग्रंथि ज्ञानी गुरदीप सिंह ने दिवंगत की आत्मिक शांति एवं परिवार को इस दुख की घड़ी में सहन शक्ति प्रदान करने हेतु गुरु चरणों में अरदास की जिसमें विभिन्न गुरुद्वारों की सिख संगत, रिश्तेदार एवं स्थानीय लोग शामिल हुए। दिवंगत के पुत्र स. उपेन्द्र सिंह (हनी)ने अंतिम अरदास में शामिल हुए सभी प्रबुद्ध जनों का हाथ जोड़कर आभार व्यक्त किया।

संपादकीय

साइकिल की सवारी में बेहतरी हमारी

वैश्विक स्तर पर तेल के संकट को देखते हुए साइकिल की सवारी ही सबसे बेहतर है। यह न केवल हमें तेल संकट से बचाती है, बल्कि प्रदूषण से भी निजात दिलाती है। स्वास्थ्य की दृष्टि से भी बेहतर है और दुर्घटनाओं से भी बचाती है। जून के पहले सप्ताह में विश्व साइकिल दिवस भी है। आज इस कॉलम में इस पर ही बात करना चाहूंगा, जिससे हम आत्मनिर्भर होने की दिशा में आगे बढ़ सकें। अगर मैं बचपन को याद करूं तो उस समय मोटर साइकिल और कार बहुत कम थीं। अधिकांश लोग पैदल और बैलगाड़ी से चलते थे। कुछ लोगों के पास ही साइकिल हुआ करती थी। साइकिल दुकानों से किराये पर मिलती थीं। प्रति घंटे के हिसाब से किराया लिया जाता था। साइकिल दुकानों पर मरम्मत करवाने वालों की भीड़ लगी रहती थी। हमारे घर भी हरक्यूलिस साइकिल थी, यह पुरानी थी, जिसे मेरे पिताजी ने उनके किसी मित्र से खरीदा था। मैंने भी उसी साइकिल से चलाना सीखा। उस दौर में सड़कों पर साइकिलें दिखा करती थीं। किसान, अपना अनाज बाजार ले जाकर बेचते थे, पशुपालक घास का गट्ठर ले जाते थे। दूध वाले, सब्जी वाले, लाते ले जाते थे, बेचते थे। दूरदराज के गांवों में शहर में रहने वाले शिक्षक भी साइकिल से स्कूल जाते थे। सरकारी बसें चलती थीं, पर दिन में एक दो ही बार। वह भी बहुत लेट होती थीं। अगर कहीं जाना होता था, तो कई-कई घंटे बस के इंतजार में बैठना पड़ता था। बसों से आने-जाने वाले यात्रियों को देखकर कौतूहल होता था। गांवों में वैसी भी जीवन की गति धीमी होती है, ऐसे में कोई भी नया व्यक्ति बस से आता था तो उसकी चर्चा होती थी। साप्ताहिक बाजार, जो हमारे पास के कस्बे में शुक्रवार को लगता था, उस दिन सड़कों पर गठरियां लेकर चलने वाले लोगों को देखना अच्छा लगता था। रंग-बिरंगे कपड़ों में कतारबद्ध रैला चलता रहता था। बैलगाड़ियों की चूं चर्र... की आवाजें सुनाई पड़ती थीं। मेहमानी व रिश्तेदारी में लोग पैदल आया जाया करते थे। शादी-विवाह या बारातों में बैलगाड़ी का उपयोग किया जाता था। साइकिल व बैलगाड़ी, नदी या कुओं से पानी भरने के काम भी आती थीं।हमारे गांव में स्थित स्वयंसेवी संस्था के कार्यकर्ता साइकिल से चलते थे। संस्था की ओर से सचल पुस्तकालय (मोबाइल लाइब्रेरी) संचालित किया जाता था। यह हमारे लिए अनोखा था। इसमें कार्यकर्ता की साइकिल में टंगे दो झोले होते थे, उनमें किताबें भरी होती थीं। गांवों की चौपालों पर किताबें फैला दी जाती थीं, और फिर गांव के बच्चे, वयस्क और बड़े किताबें उलटते पलटते थे, और पढ़ने के लिए किताबें ले जाते थे। मेरे लिए भी किताबों की दुनिया यहीं खुली थी। दूध वाले, गांव से दूध एकत्र कर शहर ले जाते थे। वे घर-घर से दूध इकट्ठा करते थे, और फिर साइकिल से नजदीकी रेलवे स्टेशन जाते थे, वहां से ट्रेन से बड़े शहर दूध बेचने जाते थे। और शाम को वापस उसी ट्रेन से वापस आ जाते थे। स्कूली विद्यार्थी भी हाईस्कूल की कक्षाओं में पढ़ने के लिए साइकिल से जाते थे। साइकिल की दुकानें ज्यादा नहीं थीं, इसलिए घरों में ही साइकिल मरम्मत का सामान हुआ करता था। हवा भरने के लिए पंप, पिचिंस, पाना इत्यादि। अगर जब कभी साइकिल पंचर हो जाती थी, तो घर पर ही पंचर बना लेते थे। अक्सर हमें स्कूल जाते समय ही पता चलता था कि साइकिल पंचर है, तो जल्दी-जल्दी पंचर बनाते थे। आजकल सरकार स्कूली बच्चों के लिए निशुल्क साइकिल वितरण करती है। यह बहुत ही अच्छी योजना है। यह कई राज्यों में है। जब भी स्कूली बच्चों को साइकिल चलाते देखते हैं, तो एक अलग ही तरह का सुखद एहसास होता है। ऐसे दृश्य हमें रोमांचित करते हैं। विशेषकर, यह लड़कियों के लिए तो आजादी की प्रतीक है। उनके लिए आने-जाने के लिए यह बहुत ही सुविधाजनक है। 90 के दशक में साक्षरता अभियान के दौरान साइकिल से पढ़ने-पढ़ाने का सिलसिला काफी चल रहा था। हमारे गांव में स्वैच्छिक संस्था के कार्यकर्ता रात्रिकालीन शालाएं लगाते थे। बिना पढ़े-लिखे लोगों को पढ़ाने आते थे, वह भी साइकिल से आते थे। शुक्रवार के दिन इसी संस्था की एक महिला डॉक्टर साइकिल से गांव आती थीं और एक ग्रामीण के आंगन में बैठकर गांव के लोगों की छोटी-मोटी बीमारियों का इलाज करती थीं। इस कार्यक्रम का नाम जरूरी दवाई सुविधा रखा गया था। गांव में किसी महिला को साइकिल चलाते देखना कौतूहल जगाता था। क्योंकि एक तो लोग उस समय साइकिल ही कम चलाते थे, और महिलाएं तो बिलकुल भी साइकिल नहीं चलाती थीं। डाकिया और पेपर बांटने वाला तो रोज ही साइकिल से आते हैं, जिनका सभी को इंतजार रहता है। इनकी पहचान ही साइकिल से होती है। डाकिया, तो दूर-दराज के गांवों में साइकिल से आता जाता था। हमारे गांव में कस्बे से वही डाक लाता था। मुझे याद है, जब मैं गांव में था, डाकिया के साइकिल की घंटी से ही मैं समझ जाता था कि डाकिया आया है, कौतूहल से भर जाता था। अगर कोई पोस्टकार्ड आता था, तो बड़े जतन से कई दिनों तक रखते थे। लगातार तेल के दाम बढ़ते जा रहे हैं और तेल के भंडार खत्म होने की कगार पर हैं। अगर हम साइकिलों का उपयोग करें तो हमें मोटरवाहनों में प्रयोग होने वाला पेट्रोल व डीजल को आयात नहीं करना पड़ेगा या कम से कम करना पड़ेगा। इससे हमें कुछ अर्थव्यवस्था में राहत महसूस होगी। अच्छी सेहत के लिए साइकिल चलाना जरूरी है। साइकिल चलाने वालों को अलग से शारीरिक कसरत की जरूरत नहीं होती, क्योंकि इससे मांसपेशियों की अच्छी कसरत हो जाती है। तनाव भी कम होता है। हमारी गति भी धीमी होगी, या नियंत्रित होगी, जिससे हमें सामान्य बने रहने में मदद मिलेगी। मोटरसाइकिल की अपेक्षा साइकिल काफी हल्की होती हैं, इसे बच्चे से लेकर बुजुर्ग भी चला सकते हैं। सड़क हादसों का जोखिम भी नहीं रहता। अगर साइकिल से गिर भी जाएं तो ज्यादा चोट नहीं आती। जबकि अन्य वाहनों से सड़क हादसे गंभीर होते हैं। साइकिल के लिए पार्किंग की समस्या नहीं है। न तो खड़ी करने के लिए और न ही सड़क पर चलाने के लिए इसे ज्यादा जगह चाहिए। इसे घर में रखा जा सकता है। जबकि कारों के लिए सड़क पर, पार्किंग में सभी के लिए जगह चाहिए,जो एक बड़ी समस्या है। साइकिल से सड़क जाम होने की समस्या नहीं है। इसे संकरे रास्तों व गलियों में चलाया जा सकता है। अगर इसके लिए अलग से लेन हो तो, न तो यह दूसरे वाहनों की गति में रूकावट होगी और न ही साइकिल चलाने वालों को असुविधा का सामना करना पड़ेगा। साइकिल उनके लिए भी अच्छी है, जो भीड़ से बचना चाहते हैं। पर्यटक और पक्षी दर्शकों के लिए भी साइकिल बहुत अच्छी है। इत्मीनान से देखना, क्योंकि चलते-चलते हर पल, हर क्षण दृश्य बदलते रहते हैं, जरा भी भूल हुई कि अच्छे दृश्य देखने से रह जाएंगे। मैं जब कभी यात्रा में जाता हूं तो आंखों को विश्राम नहीं मिल पाता, क्योंकि मैं समझता हूं कि जरा भूल हुई कि कुछ ऐसा देखने से रह जाएगा तो जो मुझे देखना अच्छा लगता। साइकिल में आराम से सभी दृश्य देखे जा सकते हैं। सड़कों पर वाहनों का बोझ बढ़ता जा रहा है। सड़क जाम, दुर्घटनाएं, प्रदूषण की खबरें आती रहती हैं। साइकिल के चलन से इन सभी में कमी आ सकती है। छोटे व कस्बों में इन्हें बढ़ावा दिया जा सकता है। दुनिया के कई देश साइकिल को बढ़ावा दे रहे हैं। क्या हम भी इस दिशा में आगे बढ़ना चाहेंगे?

जन के हित के हेत

भले ही हिंदी पत्रकारिता गफलत में अपनी पहली शताब्दी न मना सकी हो, लेकिन वह द्विशताब्दी के मौके पर खासी उत्साहित है। वह आत्ममंथन के दौर से गुजर रही है। आज से दो सौ साल पहले उत्तर भारत से जाकर तत्कालीन कलकत्ता को कर्मभूमि बनाने वाले पं. युगल किशोर शुक्ल ने 'उदन्त मार्तण्ड' के रूप में हिंदी पत्रकारिता का बीजारोपण किया था। भले ही वह पत्र आर्थिक झंझावातों से अधिक समय तक न चल सका, लेकिन अपनी 'आदि प्रतिज्ञा' से वह जो पत्रकारिता का लक्ष्य तय कर गया, वह आज भी उतना ही जरूरी व प्रासंगिक है। 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रवेशांक में पं. शुक्ल ने लिखा था कि इस समाचार पत्र का प्रकाशन- ' हिंदुस्तानियों के हित के हेत' .. किया जा रहा है। निस्संदेह, ध्येय वाक्य के गहरे निहितार्थ थे और आज भी हैं। सही मायने में पत्र ने दो सदी पहले पत्रकारों को उनका 'कर्मपथ' बता दिया था। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि जबकि यह हिंदी भाषा का समाचार पत्र था, लेकिन उसकी फिक्र केवल हिंदी भाषियों की ही नहीं थी। उसकी 'आदि प्रतिज्ञा' समस्त हिंदुस्तानी समाज के हित को लेकर थी। पत्र का नाम 'उदन्त मार्तण्ड' यानी उगता सूरज था। बाकायदा समाचार पत्र के नाम के साथ संस्कृत में लिखा होता था

कांग्रेस के लिए सिद्धारमैया को नजरअंदाज करना मुश्किल

"ओ.बी.सी. के बीच उनके समर्थन आधार को नजरअंदाज करना मुश्किल है। पिछले 2 दशकों में कांग्रेस में आने के बाद से, सिद्धारमैया कांग्रेस के 'अहिंदा' सामाजिक गठबंधन के वास्तुकारों में से एक रहे हैं, जो अल्पसंख्यकों, पिछड़े वर्गों और दलितों को एक साथ लाए और कर्नाटक में कांग्रेस के चुनावी गणित को आकार देने में सहायक रहे हैं।"

राहिल

सिद्धारमैया, जो कर्नाटक के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे हैं, ने इस्तीफा दे दिया और अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी डी.के. शिवकुमार के लिए रास्ता साफ कर दिया है। हालांकि, कांग्रेस आलाकमान को पार्टी के भीतर सिद्धारमैया के वफादारों को विश्वास में लेना होगा। इसमें उन्हें कैबिनेट में जगह देना और राज्य कांग्रेस इकाई में नेतृत्व के पद प्रदान करना शामिल हो सकता है। सिद्धारमैया एक जमीनी स्तर के नेता हैं, जिन्हें महत्वपूर्ण स्थानीय समर्थन प्राप्त है। ओ.बी.सी. के बीच उनके समर्थन आधार को नजरअंदाज करना मुश्किल है। पिछले 2 दशकों में कांग्रेस में आने के बाद से, सिद्धारमैया कांग्रेस के 'अहिंदा' सामाजिक गठबंधन के वास्तुकारों में से एक रहे हैं, जो अल्पसंख्यकों, पिछड़े वर्गों और दलितों को एक साथ लाए और कर्नाटक में कांग्रेस के चुनावी गणित को आकार देने में सहायक रहे हैं। कांग्रेस आलाकमान ने उन्हें राज्यसभा सीट की पेशकश की और उन्हें एक राष्ट्रीय भूमिका दी थी। यह कदम एक तीर से दो निशाने साधने जैसा था। पहला, राहुल गांधी के सामाजिक न्याय अभियान को बढ़ावा देने के लिए सिद्धारमैया जैसे ओ.बी.सी. नेता को राष्ट्रीय स्तर पर लाना। दूसरा, सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच टकराव को चतुराई से टालना। लेकिन

सिद्धारमैया ने इस प्रस्ताव को लेने से इंकार कर दिया और घोषणा की कि वह राज्य में सक्रिय राजनीति में बने रहेंगे और अपनी अंतिम सांस तक सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ लडने की कसम खाई। निकट भविष्य में चाहे कुछ भी हो, सिद्धारमैया 2028 में कांग्रेस की फिर से चुनाव जीतने की कोशिश का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होंगे। सी.बी.एस.ई. ऑन-स्क्रीन मार्किंग विवाद को लेकर राहुल गांधी और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के बीच जुबानी जंग जारी रही और इस पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सी.बी.एस.ई. परीक्षा और ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओ.एस.एम.) मुद्दे पर अपनी टिप्पणियों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को कड़ा जवाब दिया है। मंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार चुनावी हार के कारण निराश दिख रहे हैं और भारत की वैज्ञानिक प्रगति के साथ नहीं खड़े हैं। मंत्री ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि विवाद के कारण छात्र अतिरिक्त तनाव का सामना न करें। इस बीच, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को सी.बी.एस.ई. परिणाम को लेकर केंद्र सरकार पर दबाव बढ़ाते हुए कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को परवाह होती, तो उन्होंने लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद करने के लिए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त कर दिया होता। सी.बी.एस.ई. ओ.एस.एम. मुद्दे पर अपने सवालों को दोहराते हुए, गांधी ने पूछा कि सी.ओ.ई.एम.पी.टी. को अनुबंध क्यों दिया गया, जबकि कंपनी पहले भी किसी अन्य नाम से विवादों में रही थी। भाजपा ने तीन राज्यों के साथ-साथ केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली के लिए नए राज्य इकाई अध्यक्षों की नियुक्ति की घोषणा की, जिनमें त्रिपुरा, हरियाणा और पंजाब शामिल हैं। ये नियुक्तियां ऐसे समय में हुई हैं, जब भाजपा विभिन्न राजनीतिक चुनौतियों और चुनावी समीकरणों वाले राज्यों में पार्टी के राज्य नेतृत्व ढांचे को मजबूत करने और अपनी संगठनात्मक मशीनरी को तेज करने के अपने प्रयासों को जारी रखे हुए है। हर्ष मल्होत्रा को भाजपा की दिल्ली इकाई का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जबकि केवल सिंह ढिल्लों पंजाब में पार्टी का नेतृत्व करेंगे। हरियाणा में पार्टी ने डा. अर्चना गुप्ता को नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। अभिषेक देबरॉय को भाजपा की त्रिपुरा राज्य इकाई का अध्यक्ष नामित किया गया है। इस बीच, दिल्ली भाजपा के लिए एक प्रमुख फोकस क्षेत्र बनी हुई है, क्योंकि हाल के चुनावी मुकाबलों ने केसरिया पार्टी और आम आदमी पार्टी के बीच राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता को तेज कर दिया है, जबकि राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा ने यह प्रमुख निर्णय पंजाब में एक सिख चेहरा पेश करने की रणनीतिक चाल के हिस्से के रूप में लिया है, जिसमें 2027 के विधानसभा चुनावों पर जोर दिया गया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा में हालिया चुनावी हार ने तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) में एक डोमिनो प्रभाव पैदा कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप नए इस्तीफे हुए हैं। हालिया हाई-प्रोफाइल इस्तीफा पूर्व राज्यसभा सांसद शांतनु सेन का है, जिन्होंने टी.एम.सी. के राष्ट्रीय प्रवक्ता पद से इस्तीफा दे दिया। लोकसभा सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने अपने संगठनात्मक पदों से इस्तीफा दे दिया है, जबकि टी.एम.सी. पार्षद अरूप चक्रवर्ती ने पार्टी प्रवक्ता पद छोड़ दिया और कोलकाता नगर निगम की लोक लेखा समिति में अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

बात व्यक्ति नहीं, नीति की ; सभ्यता नहीं, सिस्टम की

आलेख : सत्येंद्र रंजन

एक अंग्रेजी अखबार के ऑप-एड पेज पर छपी एक टिप्पणी के इस शीर्षक ने बरबस ध्यान खींचा -- 'आर्थिक विकास के लिए चाहिए अर्जुन, अथवा देंग की तरह एकाग्रता।' ये कमेंट किसी अर्थशास्त्री ने नहीं, बल्कि भारत के नामी वकील ने लिखा है। स्पष्टतः यहां देंग से मतलब चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के पूर्व सर्वोच्च नेता देंग श्याओपिंग से है। जब से आर्थिक महाशक्ति के रूप में भारत उदय के बहु-प्रचारित कथानक का ढहना शुरू हुआ, भारत के मीडिया और आम चर्चाओं में चीन के इस तरह के उदाहरणों का उल्लेख बढ़ता चला गया है। इस वर्ष जब भारतीय अर्थव्यवस्था के डगमगाने और देश पर मंडरा रहे गंभीर आर्थिक संकट का अहसास फैला है, तो ऐसी चर्चाओं की बाढ़ आ गई है। अभी चार-पांच साल पहले तक भारत में चीन की विकास कथा का जिक्र करना जोखिम भरा था। ऐसा करने वाले पर चीन का एजेंट होने या चीन के नैरेटिव को फैलाने का आरोप तब सहज मढ़ दिया जाता था। तब कहानी यह थी कि भारत चीन का प्रतिस्पर्धी है! भारत अपने लोकतंत्र एवं खुले समाज के साथ तीव्र आर्थिक विकास के मार्ग पर अग्रसर है! चीन ने अगर कुछ हासिल किया भी है, तो वह लोकतंत्र के अभाव एवं नागरिक अधिकारों के दमन के साथ किया है! आज कहानी पलट गई है। अब पश्चिमी देशों के साथ-साथ भारतीय मीडिया और सार्वजनिक चर्चाओं में भी चीन की हैरान कर देने वाली प्रगति की चर्चा छायी हुई है। भारत में अब ये अहसास भी है कि 'हम पिछड़ गए हैं'। बहरहाल, चीन के आगे बढ़ जाने और अपने पिछड़ जाने के जिन कारणों की अक्सर चर्चा होती है, वो एक बार फिर से भ्रामक हैं। इन पर बात करने की जरूरत इसलिए है, क्योंकि इन भ्रामक चर्चाओं से भारतवासियों में आत्म-हीनता का अनावश्यक भाव पैदा होगा। जबकि सही कारणों पर बात की जाए, तो बात सही जगह -- यानी समाधान की ओर जाएगी। गलत निष्कर्ष यह होगा कि चीन की सभ्यता में ऐसे तत्व हैं, जिन्होंने उसकी विकास यात्रा को आसान बनाया। या फिर देंग श्याओपिंग कोई करिश्माई शख्सियत थे, जिन्होंने प्रतिकूल परिस्थितियों में अभिनव दृष्टि अपनाई और चीन आज जो कुछ है, वह उसका ही परिणाम है। सभ्यता वाले पहलू का सीधा जवाब यह है कि परंपरागत रूप से उन तत्वों की मौजूदगी के बावजूद 1839-42 के अफीम युद्ध में ब्रिटेन ने चीन को बुरी तरह पराजित कर उसके 'अपमान की शताब्दी' की शुरुआत की थी। तब सभ्यता की शक्ति उसका बचाव नहीं कर पाई थी! जहां तक देंग के योगदान का सवाल है, तो उसे भी संदर्भ में देखने की जरूरत है। देंग के हाथ में कमान आने के पहले 1949 की क्रांति के बाद से चीन क्या हासिल कर चुका था, उसे जानने के लिए 1981 में विश्व बैंक की आई रिपोर्ट पर गौर कर लेना भर काफी होगा। विश्व बैंक ने चीन के बारे में अपनी रिपोर्ट जून 1981 में -- चाइना: सोशलिस्ट इकोनॉमिक डेवलपमेंट -- नाम से प्रकाशित की थी। नौ भाग वाली इस व्यापक अध्ययन रिपोर्ट में स्वीकार किया गया कि आर्थिक रूप से चीन भले अपेक्षाकृत गरीब हो, लेकिन शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन प्रत्याशा जैसे सामाजिक संकेतकों पर माओ जेदुंग के काल में उसने उल्लेखनीय प्रगति की। इस दौर में : * प्राथमिक शिक्षा का व्यापक प्रसार हुआ। * साक्षरता दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। * बेयरफुट डॉक्टर कार्यक्रम और ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं ने आम लोगों को बुनियादी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराईं। संक्रामक रोगों पर नियंत्रण और टीकाकरण अभियान सफल रहे। * 1949 में चीन में औसत जीवन प्रत्याशा लगभग 35 वर्ष थी, जो 1970 के दशक तक 65 वर्ष तक पहुंच गई। * ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाओं का अपेक्षाकृत समान वितरण हुआ। * महिलाओं की भागीदारी और अधिकारों में भारी सुधार हुआ। तो इस मजबूत जमीन पर देंग श्याओपिंग के कार्यकाल में 'सुधार और दरवाजा खोलने' की नीति अपनाई गई। चीन का कोई गंभीर अध्ययनकर्ता ये दलील नहीं दे सकता कि माओ के दौर में बनी जमीन के बिना देंग के दौर की नीतियां सफल हो सकती थीं। दरअसल, देंग पर बात करते हुए इस तथ्य को नजरअंदाज कर दिया जाता है कि उनके दौर में चीन की कम्युनिस्ट पार्टी माओ युग से संबंध विच्छेद से कहीं ज्यादा उस नीतिगत निरंतरता के साथ आगे बढ़ी, जिन पर 1970 के दशक के आरंभ से विचार किया जाने लगा था। देंग ने बार-बार यह स्पष्ट किया था कि चीन में कम्युनिस्ट पार्टी का वर्चस्व अटूट और अपरिहार्य है। उन्होंने कहा था कि आर्थिक सुधार और खुलापन केवल कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व में ही संभव हैं। इस नीति पर चीन की कम्युनिस्ट पार्टी में आज तक कोई भ्रम नहीं है।भारत ने स्वतंत्रता के बाद अपना अलग रास्ता चुना था, हालांकि विकास की चुनौतियां दोनों देशों के सामने एक जैसी थीं। दोनों देशों ने अपनी विकास यात्रा लगभग साथ-साथ शुरू की भारत ने 1947 और चीन ने 1949 में। दोनों देशों ने पंचवर्षीय योजना का मार्ग चुना। हार्वर्ड येनचिंग इंस्टीट्यूट में विजिटिंग फेलॉ, साउथ एशिया रिसर्च ब्रीफ के संस्थापक और भारतीय अर्थव्यवस्था के अध्ययनकर्ता केजी माओ ने एक महत्वपूर्ण विवरण का उल्लेख किया है। उसके मुताबिक 1955 की सर्दियों में प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के आमंत्रण पर चीन के जाने-माने अर्थशास्त्री चेन हानसेंग भारत आए। उन्हें प्रधानमंत्री निवास में ठहराया गया। रोज नाश्ते और रात के भोजन के समय नेहरू उनसे लंबा वार्तालाप करते थे। चीन में अपनाई गई नीतियों की जानकारी भारतीय प्रधानमंत्री ने उनसे हासिल की। इसका जिक्र खुद नेहरू ने उन पत्रों में किया, जो हर पखवाड़े वे मुख्यमंत्रियों को लिखते थे। केजी माओ के मुताबिक एक पड़ोसी एशियाई देश में हो रही उल्लेखनीय प्रगति को जानकर नेहरू ने प्रसन्नता का इजहार किया। साथ ही उन्होंने चीन से स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की जरूरत भी महसूस की। 1954 में जब भारत अपनी दूसरी पंचवर्षीय योजना बनाने में जुटा हुआ था, नेहरू ने कहा था -- 'हमारी समस्याएं एशिया के अविकसित देशों जैसी हैं। इसी वजह से चीन में जो हो रहा है, उसमें हमारी खास दिलचस्पी है। आज मुझमें रोमांच भरने वाले दो देश भारत और चीन हैं।' बताया जाता है कि निजी बातचीत में पंडित नेहरू भारत को चीन से आगे रखने का संकल्प जताते थे। उन्होंने कहा था -- 'बेशक हमारा (भारत और चीन का) राजनीतिक एवं आर्थिक ढांचा अलग-अलग है, मगर हमारे सामने मौजूद समस्याएं एक जैसी हैं। भविष्य बताएगा कि कौन-सा देश और किसकी शासन प्रणाली हर क्षेत्र में बेहतर परिणाम प्रदान करती है।' अगर कहा जाए कि वो भविष्य आज आ चुका है और अपना फैसला सुना चुका है, शायद इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। लेकिन इस मायूसी में गलत निष्कर्ष निकालने, चीन का अनावश्यक महिमामंडन करने, और खुद को कोसने की जरूरत नहीं है। दरअसल, ऐसा करके निराशा से घिरने के अलावा हम कहीं नहीं पहुंचेंगे। मुद्दा वो नीतियां और पहलू हैं, जिन्होंने चीन के विकास और प्रगति को सुनिश्चित किया है। असल में, वो नीतियां सिर्फ वहीं सफल रही हों, ऐसा भी नहीं है। और यह कहते हुए इस स्तंभकार के ध्यान में सिर्फ सोवियत संघ, कम्युनिस्ट दौर में पूर्वी यूरोप, क्यूबा, उत्तर कोरिया और वियतनाम भर नहीं हैं, बल्कि इस चर्चा में उन्हें हम छोड़ भी सकते हैं। उनके बजाय इस क्रम में हम अमेरिका (खास कर दूसरे विश्व युद्ध के बाद से लेकर 1980 तक), जापान, दक्षिण कोरिया, और ताइवान आदि पर नजर डाल सकते हैं। दरअसल, हम 1950 से 1990 तक के भारत के अपने अनुभव पर भी गौर सकते हैं। इन सबके मामले में समान पहलू यह है कि समृद्धि के सामाजिक बंटवारे (अलग-अलग देशों में इसका परिमाण अलग रहा) के साथ आर्थिक विकास का सबसे बेहतरीन दौर तभी आया, जब राज्य ने अर्थव्यवस्था में अपनी हस्तक्षेपकारी भूमिका बनाई, जब राज्य ने प्राथमिकताएं तय कीं, औद्योगिक नीति का निर्देशन किया, संसाधनों के वितरण में सक्रिय रहा, मुद्रा विनिमय को नियंत्रित किया, और आयात-निर्यात की नीतियों पर अमल सुनिश्चित कराया। तब राज्य अपने यहां मौजूद पूंजी का विकास एवं सामाजिक समृद्धि के हित में अधिकतम सकारात्मक उपयोग कर पाया। उस समय मूल रूप से पूंजीवादी व्यवस्थाओं में भी भले ही सीमित, लेकिन महत्त्वपूर्ण भूमिका राज्य कैसे निभा पाया, यह अलग विमर्श का विषय है। इस दलील में दम है कि कम्युनिज्म की चुनौती और मेहनतकश तबकों में सांगठनिक चेतना के प्रसार के दबाव में उन देशों के शासक वर्ग यह रियायत देने को मजबूर हुए थे। बहरहाल, उस दौर का तजुर्बा यही बताता है कि विकास और प्रगति को तय करने वाला सबसे महत्त्वपूर्ण पहलू यही होता है कि राज्य एवं पूंजी के बीच रिश्ता कैसा है? निर्णायक पहलू यह है कि राज्य पूंजी को निर्देशित करता है या पूंजी राजकीय ढांचे पर अपना नियंत्रण बना लेती है? चाइना एज अ सिस्टम सब्सटैक पर छपी एक टिप्पणी की इन पंक्तियों पर गौर कीजिए : 'पूंजी कभी स्वतः राज्य की क्षमता नहीं बनती। पूंजी कारखानों में जा सकती है, अथवा रियल एस्टेट में जा सकती है। यह टेक्नोलॉजी में जा सकती है या फिर वित्तीय दांव लगाने में जा सकती है। यह निर्यात की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता विकसित करने में लग सकती है, या फिर अभिजात वर्ग संचालित रेंट की अर्थव्यवस्था में जा सकती है। विकास के नतीजे तय करने वाला वास्तविक पहलू यह है कि क्या राज्य पूंजी प्रवाह की दिशा तय करने, पूंजी के व्यवहार को सीमित करने, और पूंजी संग्रहण को औद्योगिक क्षमता में परिवर्तित कर सकने की स्थिति में है?' तजुर्बा यह है कि राज्य में ऐसा कर सकने की जितनी अधिक क्षमता होगी, वहां विकास एवं प्रगति के लक्ष्य उस हद तक हासिल हो सकते हैं। अमेरिका में फ्रैंकलीन डिलेनो रुजवेल्ट के समय राज्य ने यह क्षमता दिखाई। तब से अमेरिकी पूंजीवाद के कथित स्वर्ण काल की शुरुआत हुई, जिसके परिणामस्वरूप मध्य वर्ग का उदय एवं प्रसार के साथ अमेरिकी स्वप्न की धारणा दुनिया भर में फैली। जापान, दक्षिण कोरिया, और ताइवान में भी राज्य ने ऐसी क्षमताएं उस दौर में दिखाईं (हालांकि उनके विकास का एक पहलू यह भी रहा कि उनकी पीठ पर अमेरिका का हाथ था, जिसने पूरे पश्चिम के बाजार को उन्हें सुलभ कराया)। नव-उदारवाद के दौर में खासकर अमेरिका का क्षय राज्य पर फिर से पूंजी के बने नियंत्रण का परिणाम है। अब भारत पर ध्यान दें। भारत के पास उद्यमियों, बाजार, तकनीकी हुनर आदि की कमी नहीं है। भारत के पास बड़ी आबादी, सॉफ्टवेयर उद्योग, और वित्तीय बाजार है। ये सब उसी दौर का परिणाम हैं, जब नेहरूवादी नीतियों के तहत राज्य ने पूंजी प्रवाह की दिशा को प्रभावित करने की क्षमता दिखाई थी। उसके अलावा लोकतंत्र एवं खुले समाज की छवि के साथ पश्चिम में उसका सॉफ्ट पॉवर भी बना था, जिससे उसे एक दौर में विदेशी पूंजी को आकर्षित करने में काफी सफलता मिली। इसके बावजूद भारत में आज मायूसी है और अब एक बड़ा आर्थिक संकट देश पर मंडरा रहा है, तो कारण 1991 के बाद पूंजी के सामने राज्य का पूर्ण समर्पण में तलाशने की जरूरत है। साथ ही इन प्रश्नों पर विचार की आवश्यकता है कि नेहरूवादी नीतियों के दौर में भारत में सार्वजनिक उद्यम लगाए गए, लेकिन देश का कारखाना क्षेत्र कभी वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य क्यों नहीं बन पाया? कुशल इन्फ्रास्ट्रक्चर और निर्यात क्षमता हासिल करने में भी वह क्यों विफल रहा? इन प्रश्नों के जवाब ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में छिपे हुए है : * विकास यात्रा पर चलने के पहले चीन की तरह भारत में ऐसी सामाजिक क्रांति नहीं हुई, जिससे वर्गीय संबंधों में आमूल बदलाव आता। भूमि सुधारों पर अमल करके ऐसा हो सकता था, लेकिन निहित स्वार्थों का निर्णायक प्रभाव बने रहने के कारण ऐसा नहीं हुआ। * स्थानीय स्तर पर पारंपरिक शक्ति केंद्र कायम रहे, जातीय ऊंच-नीच की भावना से समाज ग्रस्त बना रहा, और सांस्कृतिक क्रांति के अभाव में लैंगिक असमानता जारी रही। * इन स्थितियों के कारण निजी पूंजी समाज में पहले से ताकतवर परिवारों के हाथ में बनी रही। नवोदित राज्य एक हद से आगे जाकर उस पूंजी को निर्देशित और नियंत्रित करने में अक्षम साबित हुआ। * चीन में कम्युनिस्ट क्रांति के कारण शुरुआत सामाजिक वर्गीय संबंध में आमूल बदलाव से हुई। जापान, दक्षिण कोरिया, या ताइवान में नवोदित पूंजीवाद पारंपरिक सामंती जकड़नों को तोड़ने में राज्य का सहायक बना। सोवियत संघ के विघटन के बाद नव-उदारवाद के आए दौर ने पूंजीवादी देशों में राज्य के हस्तक्षेप को अस्वीकार्य बना दिया। इसके परिणाम हर जगह देखने को मिले हैं। भारत के साथ खास यह है कि उत्पादक शक्तियों के विकसित होने से पहले ही देश नव-उदारवाद के शिकंजे में फंस गया। ऐसे में चीन से तुलना एक निरर्थक प्रयास है, जिसके बारे में कहा जाता है : 'चीन पूंजी को कार्य-कुशलता, आर्थिक गति, तकनीकी प्रगति, और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता विकसित करने में भूमिका निभाने देता है, लेकिन वह पूंजी को ऐसी उच्चतम शक्ति बनने की इजाजत नहीं देता, जो समाज को संगठित करने लगे, जो राष्ट्रीय विकास की दिशा तय करे, जिसका सार्वजनिक संसाधनों पर नियंत्रण हो जाए, और जो राजनीतिक व्यवस्था का ही आकार बदल दे।' और, यही सबसे निर्णायक पहलू है। क्या भारत इस चर्चा के लिए तैयार है कि राज्य कैसे इतना सक्षम बने, जिससे पूंजी को वह नियंत्रित करे, ना कि वह पूंजी (आज एकाधिकारी पूंजी) का उपकरण बन जाए? राज्य ऐसी क्षमता हासिल कर पाए, इसके लिए किस तरह की राजनीति, कैसे मुद्दों और किस प्रकार के विमर्श की जरूरत है? क्या राजनीतिक वर्ग और बुद्धिजीवी इस पर चर्चा के लिए तैयार हैं? अगर नहीं है, तो फिर देंग का महिमामंडन और चीन से चकित होने से कोई लाभ नहीं होगा।

नहीं रहे उर्दू शायरी का परचम बुलंद करने वाले डा. बशीर बद्र

प्रफुल्ल चंद्र नागपाल

मेरे परम मित्र, उर्दू के विद्वान सेवानिवृत्त एस.डी.एम. महरूम जनाब बी.एल. सिक्का साहब ने वर्ष 1988 में फाजिल्का में एस.डी.एम. रहते हुए एक अंतर्राष्ट्रीय मुशायरे का आयोजन करवाया था। इस मुशायरे में देश के महान शायरों ने भाग लिया था। मुझे याद है कि उस समय भी डा. बशीर बद्र ने मुशायरा लूट लिया था। सर झुकाओगे तो पत्थर देवता हो जाएगा, इतना मत चाहो उसे वो बेवफा हो जाएगा। हम भी दरिया हैं हमें अपना हुनर मालूम है, जिस तरफ भी चल पड़ेंगे रास्ता हो जाएगा। मैं खुदा का नाम ले कर पी रहा हूं दोस्तो, जहर भी इसमें अगर होगा दवा हो जाएगा। उनका जन्म 15 फरवरी, 1935 को फैजाबाद (अब अयोध्या) उत्तर प्रदेश में हुआ था। अपनी प्रारंभिक स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में दाखिला लिया, जहां उन्होंने कला में स्नातक की डिग्री पास की। मास्टर ऑफआर्ट्स और पीएच.डी. करने के बाद उन्होंने इसी विश्वविद्यालय में व्याख्याता के रूप में कार्य किया। उन्होंने 17 वर्षों तक मेरठ के कॉलेज में भी सेवा की। बशीर बद्र (जन्म सैयद मुहम्मद बशीर) ने 7 साल की उम्र में कविताएं लिखना शुरू कर दिया था। उन्होंने इकई, कुल्लियते बशीर बद्र, आमद, छवि, आहट और देवनागरी लिपि की गजलों का शीर्षक 'उजाले अपनी यादों के' नाम से गजलों का संग्रह लिखा। अपने करियर के दौरान उन्होंने 2 किताबें, जिनका शीर्षक था आजादी के बाद उर्दू गजलों का तनकिदी मुताला (स्वतंत्रता के बाद उर्दू गजल का आलोचनात्मक अध्ययन) और '20वीं शताब्दी में गजलें' जो साहित्यिक आलोचना पर केंद्रित थीं, लिखीं। मुखालिफत (विरोध) से मेरी शख्सियत संवरती है, मैं दुश्मनों का बड़ा एहतराम (सम्मान) करता हूं। मुझे खुदा ने मुझे गजल का दयार बख्शा है, मैं यह सल्तनत मोहब्बत के नाम करता हूं। उन्होंने अध्यक्ष के रूप में बिहार उर्दू अकादमी में भी काम किया है। खुद अपने बारे में डा. बशीर बद्र कहते हैं, ''मैं गजल का आदमी हूं, गजल से मेरा जन्म-जन्म का साथ है। गजल का फन मेरा फन है, गजल का तजुर्बा मेरा तजुर्बा है। मैं कौन हूं? मेरी तारीफ‌हिंदुस्तान की तारीफके आस पास है।'' बशीर साहब जब मेरठ में पढ़ा रहे थे तो उस दौरान वहां साम्प्रदायिक दंगे भड़के और दंगाइयों ने उनका घर जला डाला, घर के साथ ही उनकी लाइब्रेरी भी जला दी गई। उन्होंनेअपनी टीस इस तरह व्यक्त की-लोग टूट जाते हैं एक घर बनाने में, तुम तरस नहीं खाते बस्तियां जलाने में। उनकी एक गजल के शे'र जो मुझे व्यक्तिगत रूप से बहुत पसंद हैं और जैसे मैंने बहुत सारी महफिलों में डॉ. साहब को याद करते हुए पढ़ा भी है,जिस दिन से चला हूं मिरी मंजिल पे नजर है, आंखों ने कभी मील का पत्थर नहीं देखा। ये फूल मुझे कोई विरासत में मिले हैं, तुमने मिरा कांटों भरा बिस्तर नहीं देखा। यारों की मोहब्बत का यकीं कर लिया मैंने, फूलों में छुपाया हुआ खंजर नहीं देखा। महबूब का घर हो कि बुजुर्गों की जमीनें, जो छोड़ दिया फिर उसे मुड़ कर नहीं देखा। पत्थर मुझे कहता है मिरा चाहने वाला मैं मोम हूं उसने मुझे छू कर नहीं देखा। देखिए जिंदगी की सच्चाई को इस अजीम शायर ने किस तरह बयान किया है, कोई हाथ भी न मिलाएगा जो गले मिलोगे तपाक से, ये नए मिजाज का शहर है जरा फासले से मिला करो। जगजीत सिंह द्वारा गाई गई गजल 'न जी भर के देखा न कुछ बात की, बारी आरजू थी मुलाकात की' भी इसी महबूब शायर ने लिखी थी। क्या सितम है कि जमाने की यादों में उजाले भरने वाले इस शायर की जिन्दगी की शाम में यादों के उजाले भी इनका साथ छोड़ गए। जिंदगी के अंतिम पड़ाव में आकर यह शायर अपने ही अशआर याद नहीं कर पाया। डिमेंशिया से जूझ रहे बशीर बद्र साहब को देखकर जाने कितने ख्याल जेहन से गुजरते थे लेकिन बीमारी और डिमेंशिया के बाद भी एक बात जो महसूस होती है, वह यह कि इस शख्स ने मोहब्बत बे-इंतिहा की। बशीर बद्र की मोहब्बत महसूस करने के लिए उनकी शायरी पढना जरूरी नहीं है, कोई उनकी जिंदगी भी देख ले तो उसे एहसास होगा कि मोहब्बत को जीना क्या होता है। मुझे तुम से मोहब्बत हो गई है, ये दुनिया खूबसूरत हो गई है। खुदा से रोज तुम को मांगता हूं, मेरी चाहत इबादत हो गई है। वो चेहरा चांद है, आंखें सितारे,जमीं फूलों की जन्नत हो गई है। बहुत दिन से तुम्हें देखा नहीं है,चले भी आओ मुद्दत हो गई है। और साथ में यह भी कहा मोहब्बतों में दिखावे की दोस्ती न मिला, अगर गले नहीं मिलता तो हाथ भी न मिला। बशीर के साथ एक वाक्या और है जो उनके बारे में गहराई से बताता है। उन्हें पद्मश्री मिलने वाला था मगर बशीर को उस वक्त मुल्क के बाहर चल रहे एक मुशायरे में जाना पड़ा, सम्मान लेने के लिए बशीर बद्र राष्ट्रपति के सामने हाजिर नहीं हो सके, उनसे इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मुशायरे का वादा वो पहले ही कर चुके थे और उन्हें इतनी मोहब्बत से बुलाया गया था, पद्मश्री तो घर आ गया मगर उन लोगों की मोहब्बत घर कैसे आती जो उनका इतनी दूर इंतजार कर रहे थे। शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा हो जिसने यह शे'र न सुना हो। बहुत बार डा. बशीर बद्र ने इसे अपनी कई गजलों में इस्तेमाल किया, उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो, न जाने किस गली में जिंदगी की शाम हो जाए। बशीर बद्र शायरी के उन पैमानों को स्थापित करते हैं जहां आसान शब्दों में गहरी बात कह दी जाती है। ऐसे शायर ही लोगों के दिलों तक का सफर कर पाते हैं। इसलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि बशीर बद्र भी लोगों के शायर हैं, जिन्हें आम से खास हर कोई पसंद करता है। न जाने कितनी बार अपनी बात कहने के लिए बशीर साहब को संसद में भी पढ़ा जा चुका है। दुश्मनी जम कर करो लेकिन ये गुंजाइश रहे, जब कभी हम दोस्त हो जाएं तो शर्मिन्दा न हों। उनका यह पैगाम भी लोगों तक पहुंचे सच सियासत से अदालत तक मसरूफबहुत है, झूठ बोलो, झूठ में अब भी मोहब्बत बहुत है। सात सन्दूकों में भर कर दफ्न कर दो नफ्रतें, आज इंसां को मोहब्बत की जरूरत बहुत है। गुलाबों की तरह शबनम में अपना दिल भिगोते हैं, मुहब्बत करने वाले खूबसूरत लोग होते हैं। उर्दू की शायरी का परचम बुलंद करने वाले और उर्दू शायरी को दुनिया के कोने-कोने में पहुंचाने वाले इस महान शायर ने आज 28 मई को इस फना संसार को अलविदा कह दिया।

हिन्दी दैनिक
तीसरा विकल्प न्यूज़
लखनऊ से प्रकाशित

उड़ीसा के 6 लूटेरे नवादा में गिरफ्तार, कई कांडों का खुलासा

नवादा। बिहार के नवादा जिले के हिसुआ-नवादा रोड के बलियारी गांव के समीप स्थित जगदेव पेट्रॉल पंप परिसर में खड़ी मोटरसाइकिल की डिक्की से तीन लाख दस हजार रुपए उड़ाने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह के 6 अभियुक्तों को पुलिस ने रविवार को दबोच लिया। छह अभियुक्त पकड़े गये हैं। सभी उड़िसा के रहने वाले हैं.। वे लोग गिरोह बनाकर लूटपाट की घटना को अंजाम दे रहे थे।

पकड़े जाने वालों में उड़ीसा के कोइनपुर थाना क्षेत्र के अजय दास, राजेश दास, थामनगर थाना क्षेत्र के देवेंद्र दास, सुरडा थाना क्षेत्र के टी बाला, और टी मारकंडे गोंदारी पोकोटी थाना क्षेत्र के अशोक कुमार दास पकड़े गये हैं। पांच की उम्र 18 वर्ष से 35 वर्ष के बीच और टी मारकंडे की उम्र 55 वर्ष है। बिहार के जहानाबाद जिले के कुर्था थाना में भी इनकी संलिप्तता उजागर हुई है।

पुलिस के पूछताछ के दौरान सभी ने अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है। उनके पास से तीरपन हजार रुपए नगद, दो मोटरसाइकिल, तीन मोबाइल, दो पायल, दो मोटरसाइकिल का नंबर प्लेट, एटीएम कार्ड, मास्टर चाभी, ड्राइविंग लाइसेंस, पावर पैक और कई आधार कार्ड बरामद हुए हैं। पुलिस ने बताया कि वे खानाबदोश की तरह रहकर घटना को अंजाम दे रहे थे।

गया, नवादा, जहानाबाद, पटना, नालंदा आदि जगहों पर जाने की बात कही है। पहाड़ के किनारे, सुनसान जगहों पर या जहां सुरक्षित छिपकर रहने की जगह हो वैसे जगहों पर रहकर घटना को अंजाम दे रहे थे। छिपे हालत में ही पुलिस ने उन्हें नवादा जिले के तुंगी से दबोचा। एसपी अभिनव धीमान ने बताया कि रुपए उड़ाने की घटना के बाद सदर एसडीपीओ राहुल सिंह के नेतृत्व में एसआईटी टीम का गठन किया था। ह्यूमन और टेक्निकल इंटेलिजेन्स के माध्यम से सूचना एकत्र की जा रही थी। इसी क्रम में छापेमारी की गयी और अभियुक्तों को दबोचा गया। बता दें कि नवादा जिले के हिसुआ थाने के एकनार गांव निवासी पैक्स अध्यक्ष जयराम उर्फ सुबीन सिंह का भाई मृत्युंजय सिंह बैंक ऑफ इंडिया की हिसुआ शाखा से पैसे की निकासी कर डिक्की में रखकर घर जा रहे थे। पेट्रॉल पंप परिसर में पंप कार्यालय के समीप मोटरसाइकिल को खड़ी किये थे और कार्यालय के भीतर गये।

दो मिनट में बाहर आने के बाद डिक्की को खुला हुआ पाया था। वहां के सीसीटीवी फूटेज देखने के बाद पता चला कि एक युवक बाइक के पास आया और डिक्की तोड़कर राशि को निकाल लिया उसके बाद फोन करके किसी को बुलाया। काले रंग के बाइक पर दूसरा आया और वह उचक्का उसके साथ बाइक पर बैठकर भाग निकला। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गयी थी।

रोगी कल्याण समिति के सदस्यों ने सदर अस्पताल का किया निरीक्षण दिए कई निर्देश

नवादा। नवादा रोगी कल्याण समिति के सदस्यों ने रविवार को नवादा सदर अस्पताल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि रक्त जांच (ब्लड टेस्ट) की व्यवस्था एक छोटे कमरे में संचालित हो रही थी, जिसके कारण मरीजों एवं उनके परिजनों को धूप, बारिश और अन्य असुविधाओं का सामना करना पड़ता था। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए तत्काल अस्पताल के बड़े हॉल में जांच व्यवस्था संचालित करने का निर्देश दिया गया।

हॉल को खुलवाकर मरीजों के लिए बेहतर सुविधा सुनिश्चित की गई। इसके साथ ही इमरजेंसी विभाग में कुछ चिकित्सकों द्वारा मरीजों का दूर से ही परीक्षण किए जाने की शिकायत मिली। इस पर चिकित्सकों को निर्देशित किया गया कि वे अपने चैंबर में बैठकर मरीजों का समुचित परीक्षण एवं उपचार करें, ताकि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा मिल सके। रोगी कल्याण समिति का प्रयास है कि नवादा सदर अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाएं अधिक व्यवस्थित, सुचारू और जनहितकारी बनें। अस्पताल की अन्य समस्याओं एवं आवश्यक सुधारों को लेकर शीघ्र ही बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार से मुलाकात कर आवश्यक पहल करने का प्रयास किया जाएगा।

जनसेवा और बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए हमारा संकल्प निरंतर जारी रहेगा। इसमें भाजपा नेता सह रोगी कल्याण समिति सदस्य अरविंद कुमार गुप्ता, नंदकिशोर चौरसिया, निशा राजवंशी, जेडीयू नेता सह रोगी कल्याण समिति सदस्य राजेंद्र प्रसाद उर्फ ज्योति पासवान, मंजू चन्द्रवशी, डॉक्टर कौशल कुमार के साथ जिला परिषद अध्यक्ष पुष्पा कुमारी, नगरपरिषद अध्यक्ष पिंकी कुमारी उपस्थित रहे।

भागलपुर-कटिहार अनारक्षित स्पेशल ट्रेन की सेवा 4 जून तक रहेगी जारी

भागलपुर। दक्षिण और उत्तर-पूर्वी बिहार के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एक बड़ी राहत के तौर पर, रेलवे ने 03407/03408 भागलपुर - कटिहार - भागलपुर अनारक्षित स्पेशल ट्रेन की सेवा को मौजूदा मार्ग, समय और ठहरावों के साथ 04.06.2026 तक जारी रखने का निर्णय लिया है। उक्त आशय की जानकारी रविवार को मालदा डीविजन के पीआरओ ने दी। उन्होंने बताया कि यह महत्वपूर्ण रेल संपर्क शुरू में गंगा नदी पर बने विक्रमशिला सेतु को हुए नुकसान के कारण सड़क संपर्क में आई भारी बाधाओं के बाद शुरू किया गया था। जिसने भागलपुर और सीमांचल क्षेत्र के बीच सीधे वाहनों की आवाजाही को पूरी तरह से रोक दिया था। दैनिक यात्रियों, दफ्तर जाने वालों, व्यापारियों और स्थानीय किसानों को होने वाली भारी कठिनाइयों को देखते हुए, रेलवे ने पहले भागलपुर और कटिहार के बीच 01.06.2026 तक इस विशेष अनारक्षित सेवा को चलाने के लिए कदम उठाया था।

भाजपा के प्रदेश मंत्री संजय मुन्ना का कार्यकर्ताओं ने किया अभिनंदन

नवादा। नवादा परिषदन में भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल मेहता के नेतृत्व में रविवार को बिहार भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश मंत्री संजय कुमार मुन्ना का पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं एवं अंगवस्त्र भेंट कर उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अनिल मेहता ने कहा कि संजय कुमार मुन्ना ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से की थी। वे भाजपा के जिलाध्यक्ष सहित संगठन के विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर चुके हैं।

उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व द्वारा उन्हें प्रदेश मंत्री का दायित्व सौंपा जाना नवादा जिले के लिए गौरव की बात है। उनके अनुभव एवं संगठनात्मक क्षमता का लाभ पार्टी को निश्चित रूप से मिलेगा तथा संगठन और अधिक सशक्त होगा। अपने संबोधन में नवनियुक्त प्रदेश मंत्री संजय कुमार मुन्ना ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने मुझ जैसे एक साधारण कार्यकर्ता पर इतना बड़ा दायित्व सौंपा है, इसके लिए मैं शीर्ष नेतृत्व का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, संगठन महामंत्री भिखु भाई दलसाणिया, सांसद विवेक ठाकुर, जिलाध्यक्ष अनिल मेहता, हिसुआ विधायक अनिल सिंह तथा निर्वतमान विधायक अरुणा देवी के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संगठन ने जो विश्वास मुझ पर जताया है, उस पर खरा उतरने के लिए वे पूरी निष्ठा, समर्पण और ईमानदारी के साथ कार्य करेंगे तथा पार्टी की नीतियों एवं कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने का निरंतर प्रयास करते रहेंगे।

तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों को लेकर जागरूकता कार्यक्रम

भागलपुर। समाज में तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने को लेकर रविवार को एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

भागलपुर व्यवहार न्यायालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में न्यायिक पदाधिकारियों, कर्मचारियों, पैनल अधिवक्ताओं और पारा विधिक स्वयंसेवकों सहित कई लोगों ने भाग लिया। इस दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, भागलपुर दीपांकर पांडेय ने सभी उपस्थित लोगों को तंबाकू, गुटखा और अन्य नशीले पदार्थों का सेवन न करने की शपथ दिलाई। इस मौके पर उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और समाज को नशा मुक्त बनाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय भागलपुर राजकुमार राजपूत, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश संजय प्रिया, अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी राजेश रंजन तथा सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार भागलपुर रंजीता कुमारी सहित अन्य न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान यह बताया गया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और समाज में स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से नशा मुक्त समाज की दिशा में सकारात्मक संदेश जाता है और लोगों को स्वस्थ जीवन अपनाने की प्रेरणा मिलती है।

संक्षिप्त समाचार

सीएम ने बेली ब्रिज का किया निरीक्षण, करोड़ों रुपये की विभिन्न योजनाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास

भागलपुर। निर्धारित कार्यक्रम के तहत बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी रविवार को भागलपुर पहुंचे। हवाई अड्डे पर सांसदों, जनप्रतिनिधियों और एनडीए कार्यकताओं ने उनका फूलों के गुलदस्ते और नारों के साथ स्वागत किया। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर कार्यकताओं में भारी उत्साह देखा गया। हवाई अड्डे से निकलने के तुरंत बाद मुख्यमंत्री का काफिला सीधे विक्रमशिला सेतु पहुंचा। वहां उन्होंने हाल ही में निर्मित बेली ब्रिज का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने पुल की संरचना, निर्माण कार्य की प्रगति और इस पर होने वाली यातायात व्यवस्था की विस्तृत जानकारी संबंधित अधिकारियों से ली। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने पुल पर आवागमन की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को यातायात को सुगम बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के इस दौरे को लेकर पूरे शहर में सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम किए गए थे और सभी प्रमुख मार्गों पर पुलिस बल तैनात रहे। विक्रमशिला सेतु निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री सीधे समाहरणालय पहुंचे। यहाँ उन्होंने जिले के लिए करोड़ों रुपये की विभिन्न महत्वपूर्ण विकास योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इसके साथ ही, आगामी विश्वप्रसिद्ध श्रावणी मेला की तैयारियों को लेकर वे प्रशासनिक अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री के इस भागलपुर दौरे को क्षेत्र के समग्र विकास, आधारभूत संरचना और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को मजबूती देने की दिशा में एक बेहद अहम कदम माना जा रहा है। बेली ब्रिज के शुरू होने और नई योजनाओं के शिलान्यास से स्थानीय जनता को आने वाले समय में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

21 लीटर चुलाई शराब के साथ पांच कारोबारी गिरफ्तार

बेतिया। बेतिय पुलिस जिला के मझौलिया पुलिस ने रविवार के दिन विभिन्न कांडो में आरोपित पांच शराब कारोबारियों को कुल 21 लीटर चुलाई शराब के साथ मध निषेध अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर जेल भेज एसएचओ अमर कुमार ने बताया कि कांड संख्या 476/26 के नामजद अभियुक्त हरपुर गावं निवासी झगरू पासवान (61) वर्ष को चार लीटर चुलाई शराब के साथ तथा कांड संख्या 477/26 के नामजद अभियुक्त संजय महतो, मन्देश राम, नारद यादव तीनों साकिम बखरिया को 17 लीटर चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। इसके अलावे शराब के एक और धंधेबाज लालसरैया सेंटर बाजार निवासी संतोष पासवान को गिरफ्तार किया गया ।एसएचओ ने बताया कि सबों का मेडिकल जांच के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया ।उन्होंने बताया कि शराब और नशेड़ियों के खिलाफ मुहिम जारी रहेगा।

बिहपुर विधानसभा में जगह-जगह सुना गया पीएम की मन की बात

भागलपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मन की बात के 134वें संस्करण में रविवार को राष्ट्र को संबोधित किया। सोनवर्षा में बूथ संख्या 100 पर मन की बात कार्यक्रम को सुनने के बाद भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रो गौतम ने बताया कि राज्य के पथ निर्माण मंत्री सह बिहपुर विधायक ईशैलेंद्र ने खरीक प्रखंड के चोरहर पंचायत के बूथ संख्या 214 पर मुखिया प्रतिनिधि ब्रजेश मंडल, भाजपा बूथ अध्यक्ष निकेश गोस्वामी और मंडल अध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह की उपस्थिति में कार्यकताओं संग पीएम के मन की बात कार्यक्रम को सुना। मंत्री ई शैलेंद्र ने कहा कि हमारा संकल्प है कि बिहपुर विस क्षेत्र और राज्य ही नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र में पीएम मोदी के ह्यमन की बातह्ल हर घर तक पहुंचे और प्रत्येक नागरिक राष्ट्र निर्माण की इस यात्रा में सक्रिय सहभागी बने। उन्होंने कहा कि मन की बात कार्यक्रम देशवासियों के साथ पीएम मोदी का का आत्मीय संवाद है, जो समाज के सकारात्मक प्रयासों, जन भागीदारी और राष्ट्र निर्माण के प्रेरक प्रसंगों से पूरे देश को निरंतर प्रेरित करता है। ई शैलेंद्र ने कहा कि हम सभी विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। यहां मंत्री ने चंद्रदेव पासवान, नरेश पोद्दार, चंदन कुमार, राजकमल, रानी देवी समेत सैकड़ों ग्रामीण महिला और पुरूषों के साथ प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को सुना। इधर बिहपुर विस के विभिन्न बूथों पर मन की बात कार्यक्रम को पार्टी नेताओं और कार्यकताओं ने आमलोगों संग सुना। बिहपुर विस क्षेत्र के सभी 316 बूथों पर भाजपा बूथ अध्यक्षों के संयोजन में लोगों ने यह कार्यकम सुना।

आरपीएफ जवान धर्मेंद्र कुमार हत्याकांड का खुलासा, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

भागलपुर। जिले के सबौर थाना क्षेत्र में ड्यूटी के दौरान लापता हुए रेलवे सुरक्षा बल के जवान धर्मेंद्र कुमार हत्याकांड का भागलपुर पुलिस ने सफलतापूर्वक खुलासा कर दिया है। मामले का खुलासा करते हुए विधि-व्यवस्था डीएसपी नवनीत कुमार ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि जवान की हत्या ट्रेन में चोरी का विरोध करने के कारण की गई थी। डीएसपी ने बताया कि बीते 27 मई को आरपीएफ इंस्पेक्टर विपिन कुमार के आवेदन पर सबौर थाना में धर्मेंद्र कुमार के लापता होने की प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। इसके बाद पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू की। जांच के क्रम में शंकरपुर पुल के समीप एक शव बरामद हुआ। जिसकी पहचान बाद में लापता आरपीएफ जवान धर्मेंद्र कुमार के रूप में की गई। घटना की गुत्थी सुलझाने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष जांच टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, मोबाइल लोकेशन, सीसीटीवी फुटेज और मानवीय अनुसंधान के आधार पर मामले की तह तक पहुंचने का प्रयास किया। जांच में सामने आया कि ट्रेन में सक्रिय अपराधियों द्वारा चोरी की जा रही थी, जिसका धर्मेंद्र कुमार ने विरोध किया। विरोध से नाराज अपराधियों ने पहले उनका अपहरण किया और बाद में उनकी हत्या कर शव को ठिकाने लगाने का प्रयास किया। पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी चिकू यादव, निवासी लैलख, थाना सबौर को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ के दौरान आरोपी की निशानदेही पर मृत जवान की वर्दी का बेल्ट, कोड तथा जला हुआ कपड़ा बरामद किया गया है, जो घटना से जुड़े महत्वपूर्ण साक्ष्य माने जा रहे हैं। डीएसपी ने बताया कि इस हत्याकांड में शामिल अन्य आरोपियों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही पूरे मामले में शामिल सभी अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस खुलासे के बाद पुलिस ने इसे एक बड़ी सफलता बताते हुए कहा कि जवान को न्याय दिलाने के लिए हर पहलू की गहन जांच की जा रही है और दोषियों को कानून के अनुसार कड़ी सजा दिलाई जाएगी।

सरकारी वाहन की आड़ में शराब तस्करी का भंडाफोड़, 118.48 लीटर विदेशी शराब जब्त

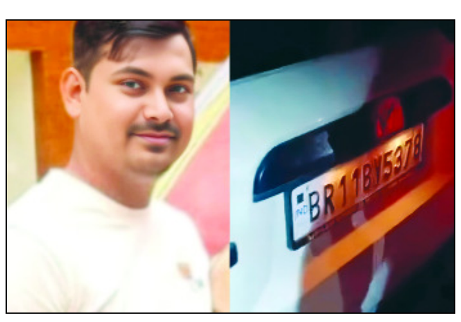

किशनगंज। जिले में सरकारी वाहन की आड़ में शराब तस्करी का एक बड़ा मामला सामने आया है। उत्पाद विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक स्कॉर्पियो वाहन से 118.48 लीटर विदेशी शराब एवं बीयर बरामद की है। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि उसका एक साथी मौके से फरार होने में सफल रहा। जब्त वाहन और शराब को उत्पाद थाना लाकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जानकारी के अनुसार, उत्पाद विभाग को सूचना मिली थी कि एक सरकारी विभाग से जुड़ी गाड़ी का उपयोग शराब तस्करी के लिए किया जा रहा है। सूचना के सत्यापन के बाद रामपुर (खगड़ा) स्थित उत्पाद जांच चौकी पर विशेष निगरानी बढ़ा दी गई। इसी दौरान पश्चिम बंगाल की ओर से आ रही एक सफेद स्कॉर्पियो वाहन ने चेकपोस्ट देखकर अचानक वापस मुड़कर भागने का प्रयास किया। वाहन की गतिविधि संदिग्ध लगने पर उत्पाद विभाग की टीम ने तत्काल घेराबंदी कर उसका पीछा किया।

घेराबंदी के दौरान वाहन में सवार दो व्यक्ति भागने लगे। स्थानीय लोगों और उत्पाद विभाग की टीम की सहायता से एक आरोपी को पकड़ लिया गया, जबकि दूसरा फरार हो गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अररिया जिले के सिमराहा निवासी प्रकाश कुमार के रूप में हुई है। वाहन की तलाशी लेने पर विभिन्न ब्रांड की विदेशी शराब और बीयर बरामद हुई। सभी बोतलों और पैकेटों पर फॉर सेल इन वेस्ट बंगाल अंकित पाया गया। पूछताछ में प्रकाश कुमार ने बताया कि उसका फरार साथी किशनगंज रेलवे कॉलोनी निवासी राजेश कुमार कामती है। दोनों पश्चिम बंगाल से शराब खरीदकर अररिया के रास्ते पूर्णिया ले जा रहे थे। उत्पाद विभाग ने शराब परिवहन में प्रयुक्त स्कॉर्पियो वाहन को भी जब्त कर लिया है। वाहन के मालिक की भूमिका की जांच की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, मामले में कई अहम सुराग मिले हैं और आशंका है कि सरकारी वाहनों की आड़ में शराब तस्करी का नेटवर्क लंबे समय से सक्रिय हो सकता है। उत्पाद थानाध्यक्ष संगम कुमार विद्यार्थी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी, फरार साथी तथा वाहन मालिक के विरुद्ध बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पूरे नेटवर्क की जांच जारी है और जल्द ही अन्य संलिप्त लोगों की पहचान किए जाने की संभावना है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री

भागलपुर। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी रविवार को भागलपुर पहुंचे। इसके बाद मुख्यमंत्री चंपानगर स्थित पूरनमल बाजोरिया सरस्वती विद्या मंदिर में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह में शामिल हुए। इस दौरान भाजपा कार्यकताओं और नेताओं ने उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के भागलपुर पहुंचने पर भाजपा कार्यकताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला। चंपानगर स्थित पूरनमल बाजोरिया सरस्वती विद्या मंदिर परिसर में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह में मुख्यमंत्री मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम स्थल पर भाजपा नेताओं, जनप्रतिनिधियों और कार्यकताओं ने फूल-मालाओं एवं अंगवस्त्र देकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए संगठन की मजबूती, सरकार की विकास योजनाओं और आगामी चुनौतियों पर चर्चा की।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जिला खेल भवन में वूशु खेल प्रतियोगिता आयोजित

सहरसा। छठे सहरसा जिला जिला वुशु चैंपियनशिप सब जूनियर जूनियर और सीनियर कैटेगरी में रविवार को विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर जिला खेल भवन में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि भाजपा के जिला अध्यक्ष साजन शर्मा ने इस प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। जबकि विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर शत्रुघ्न शर्मा वैराग्य पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल अंबिका देवी संयुक्त रूप से बच्चों से परिचय प्राप्त करके और दीप प्रज्वलन करके इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि हमारी सरकार खेल और खिलाड़ियों के लिए समर्पित है। सहरसा में आगामी दिनों में वुशु को विभिन्न स्तरों पर सरकार के द्वारा जो मदद होती होगी। उसको करने के लिए हम तत्पर होंगे। आप सभी लोग हमें वुशु खेल के विकास के लिए जो भी पहल करेंगे उसमें हम बढ़ चढ़कर उसे कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करेंगे।

कार्यक्रम का संचालन कर रहे हैं राष्ट्रीय रेफरी नीतीश मिश्रा ने बताया कि सरकार सेल्फ डिफेंस के क्षेत्र में बहुत मजबूती से कम कर रही है जिसमें वुशु खेल बच्चों को खेल के साथ-साथ आत्म सम्मान के प्रति भी जागरूक करता है। कार्यक्रम में वुशु संघ के संरक्षक रोशन सिंह धोनी ने बताया कि खेल के माध्यम से नशा और समाज के प्रति उत्तरदायित्व को समझता है और आगे बढ़ता है। जिला वुशु संघ के सचिव मनीष कुमार ने बताया कि इस प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों राज्य स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेंगे। जिला प्रशिक्षक मुकेश कुमार सिंघम ने बताया कि सहरसा में लगभग सैकड़ो बच्चे विभिन्न सरकारी और प्राइवेट स्कूल के माध्यम से हमारे पास आते हैं उनको हम खेल भवन में प्रशिक्षित करते हैं स्कूल में प्रशिक्षित करते हैं जिससे आगामी दिनों में सहरसा वुशु के क्षेत्र में काफी संख्या में प्रतिभागी देंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने में पूर्व वुशु प्रशिक्षक अभिनव प्रकाश प्रशिक्षक राजू सर सोनू देसाई जगदीश कार्यक्रम को सोशल मीडिया पर प्रसारित करने वाले आदर्श कुमार आदि का बहुमूल्य सहयोग रहा।

नशे से दूर रहेंगे, समाज को भी करेंगे जागरूक : सुशांत कुमार

किशनगंज। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर रविवार को किशनगंज व्यवहार न्यायालय परिसर में जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए) के तत्वावधान में शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार किशनगंज, सुशांत कुमार ने की।

बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निदेर्शानुसार आयोजित इस कार्यक्रम में न्यायिक पदाधिकारियों, न्यायालय कर्मियों तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कर्मचारियों ने तम्बाकू, सिगरेट, शराब एवं अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहने का संकल्प लिया। उपस्थित लोगों को सामूहिक रूप से शपथ दिलाई गई कि वे स्वयं किसी भी प्रकार के नशे का सेवन नहीं करेंगे और समाज में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करने का प्रयास करेंगे।

इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुशांत कुमार ने कहा कि तम्बाकू और अन्य नशीले पदार्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक हैं। इनके सेवन से न केवल व्यक्ति गंभीर बीमारियों का शिकार होता है, बल्कि उसका परिवार भी आर्थिक, सामाजिक और मानसिक रूप से प्रभावित होता है।

उन्होंने कहा कि नशामुक्त समाज का निर्माण तभी संभव है, जब समाज के सभी वर्ग इसके खिलाफ जागरूक होकर आगे आएं और दूसरों को भी प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि तम्बाकू सेवन से कैंसर, हृदय रोग और श्वसन संबंधी कई गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए युवाओं को विशेष रूप से इसके प्रति जागरूक करने की आवश्यकता है।

उन्होंने सभी उपस्थित लोगों से अपने आसपास के लोगों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव ओम शंकर सहित अन्य न्यायिक पदाधिकारी, व्यवहार न्यायालय के कर्मचारी तथा डीएलएसए के कर्मी मौजूद रहे। सभी ने नशामुक्त समाज के निर्माण के अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने और जनजागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को तम्बाकू एवं नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों से अवगत कराना तथा स्वस्थ एवं जागरूक समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम का समापन नशामुक्ति के संदेश के साथ किया गया।

दो बच्चे की मां ने रचाई शादी, प्रेमी के घर पहुंची महिला, परिजन ने अपनाने से किया इंकार

भागलपुर। जिले के सनोखर थाना क्षेत्र स्थित सिलहन गांव में प्यार, शादी और विवाद की एक अनोखी कहानी सामने आई है। यहां दो बच्चों की मां को गांव के ही एक युवक से ऐसा प्यार हुआ कि उसने अपना बसा-बसाया घर छोड़ दिया और प्रेमी संग मंदिर में शादी रचा ली। लेकिन अब प्रेमी के घरवालों उसे अपनाने से इंकार कर कर रहे हैं।

25 वर्षीय मोनी कुमारी ने बताया कि गांव के ही 19 वर्षीय दिलखुश यादव से पहले बातचीत शुरू हुई। घर के पास रहने के कारण दोनों अक्सर एक-दूसरे को देखते थे। धीरे-धीरे मोबाइल पर बातें होने लगीं और फिर दोस्ती प्यार में बदल गई। दोनों की मुलाकातें बढ़ीं और साथ जीने-मरने की कसमें खाने लगे। महिला ने बताया कि 3 जनवरी को दोनों ने पटना के एक मंदिर में शादी कर ली। शादी के बाद वह करीब पांच महीने तक प्रेमी के साथ रही। महिला का दावा है कि वह फिलहाल दो माह की गर्भवती भी है। दिलखुश यादव ने कहा तुम सिलहन गांव जाओ वही तुम रहना कोई दिक्कत नहीं है। जब महिला अपने प्रेमी दिलखुश के घर पहुंची तो वहां नया मोड़ आ गया। प्रेमी की मां ने उसे घर में रखने से साफ इंकार कर रहे हैं।

देखते ही देखते घर के बाहर हंगामा शुरू हो गया। आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण भी जुट गए और पूरे गांव में यह मामला चर्चा का विषय बन गया। बताया जाता है कि मोनी कुमारी की शादी वर्ष 2018 में धर्मवीर साह के साथ हिन्दू रीति-रिवाज से हुई थी। उसके दो बच्चे भी हैं। एक सात वर्षीय बेटी और पांच वर्षीय बेटा। पति भागलपुर में हलवाई का काम करता है और अक्सर घर से बाहर रहता था। इसी बीच महिला की नजदीकियां गांव के युवक दिलखुश यादव से बढ़ गईं और दोनों का प्यार शादी तक पहुंच गया। फिलहाल गांव में इस प्रेम कहानी को लेकर तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं। वहीं मामला अब परिवार और समाज के बीच उलझता नजर आ रहा है।

पत्रकारिता सिर्फ खबर नहीं, समाज को सही दिशा देने का माध्यम: भारत सिंह

- हमें नैतिकता के साथ सोशल मीडिया को सकारात्मक प्लेटफॉर्म बनाना होगा: भारत सिंह।
- महापुरुष स्मृति समिति एवं मीडिया को-ऑप के संयुक्त तत्वावधान में पत्रकारिता एवं सोशल मीडिया विषय पर संगोष्ठी का आयोजन।

दिशा देने का माध्यम बन गई है।

संवाददाता

लखनऊ। नारद जयंती और हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में फ्पत्रकारिता एवं सोशल मीडियाफ् विषय पर एक महत्वपूर्ण संगोष्ठी का आयोजन किया गया। महापुरुष स्मृति समिति और मीडिया को-ऑप के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह कार्यक्रम पार्क रोड, हजरतगंज स्थित सेंटर कोर्ट बिल्डिंग परिसर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ महर्षि नारद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम संयोजक भारत सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि आज के डिजिटल युग में पत्रकारिता की भूमिका और सोशल मीडिया की चुनौतियों पर गहन चर्चा की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आज डिजिटल युग में पत्रकारिता सिर्फखबर देने तक सीमित नहीं रही है, बल्कि यह समाज को सही दिशा देने का माध्यम बन गई है। वरिष्ठ पत्रकार अनिल कुमार सिंह ने कहा कि सोशल मीडिया सूचना को तुरंत पहुंचाने का एक अच्छा माध्यम है, लेकिन इसके साथ ही गलत सूचनाओं की पहचान की चुनौती भी बढ़ गई है। हमें नैतिकता और जिम्मेदारी के साथ पत्रकारिता को आगे बढ़ाना होगा। वरिष्ठ पत्रकार पद्माकर पांडेय ने कहा, फ्हिन्दी पत्रकारिता की 200 वर्ष की यात्रा गौरवशाली रही है। नई पीढ़ी को इस विरासत को संभालते हुए सोशल मीडिया को सकारात्मक प्लेटफॉर्म बनाने की जरूरत है। वरिष्ठ पत्रकार आशीष मौर्य ने कहा कि सोशल मीडिया के दौर में हिंदी पत्रकारिता की शाब्दिक समीक्षा जरूर होनी चाहिए। कार्यक्रम में अन्य वक्ताओं ने पत्रकारिता के नैतिक मूल्यों, सोशल मीडिया के प्रभाव, फेक न्यूज की चुनौती और जिम्मेदार पत्रकारिता की आवश्यकता पर विस्तार से अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार विनय तिवारी, बृजनंदन राजू, डॉ. सतेंद्र त्रिपाठी, संतोष कुमार सिंह, शम्भू शरण वर्मा, भास्कर सिंह, एडवोकेट अनुरुद्ध सिंह, पत्रकार अमर बहादुर, ज्योतिषाचार्य अभिषेक सिंह, अजय शर्मा, जितेंद्र कुमार वर्मा, सहित मीडिया जगत के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

रक्तदान महादान बसी किरतपुर ट्रस्ट रक्तदान शिविर का सफल आयोजन, 40 यूनिट रक्त हुआ संग्रहित

तीसरा विकल्प न्यूज संवाददाता किरतपुर

किरतपुर। रक्तदान महादान बसी किरतपुर ट्रस्ट ने रक्तदान सेवा चैरिटेबल ब्लड बैंक के सहयोग से आज एक कैंप लगाया जिसमें सभी रक्तवीर साथियों ने अपना सहयोग दिया लगभग 40 यूनिट ब्लड डोनेट किया। रक्तदान शिविर का मुख्य उद्देश्य समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाना तथा जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना था। शिविर में युवाओं एवं समाजसेवियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर रक्तदान के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिवक्ता मोहम्मद फराज ने की। रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओं को उनके इस मानवीय एवं प्रेरणादायक योगदान के लिए, रक्तदान महादान बसी किरतपुर ट्रस्ट की ओर से सम्मान स्वरूप एक उपहार भेंट किया गया। अतिथियों ने रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है। एक यूनिट रक्त कई लोगों का जीवन बचा सकता है, इसलिए प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर स्वैच्छिक रक्तदान अवश्य करना चाहिए। शिविर के सफल आयोजन के लिए आयोजकों, रक्तदाताओं एवं सहयोगकर्ताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

शिवरी मोड़ के समीप अनियंत्रित लोडर गाड़ी पलटने से गंगा स्नान करने जा रहे 10 लोग घायल, बिंदकी सीएचसी में कराया गया भर्ती

संवाददाता

फ्तेहपुर। मामला है उत्तर प्रदेश के फ्तेहपुर जनपद के ललौली थाना क्षेत्र के अंतर्गत शिवरी मोड़ के समीप का। शिवरी मोड़ के समीप रविवार की सुबह लगभग 8:30 बजे अनियंत्रित लोडर गाड़ी पलट गई। लोडर गाड़ी पलटने से उसमें सवार गंगा नदी स्नान करने जा रहे प्रतीक उम्र 7 वर्ष पुत्र दिनेश, बाबू उम्र 35 वर्ष पुत्र होरीलाल, जाहरी उम्र 50वर्ष पत्नी बाबू, रेखा उम्र 35 वर्ष पत्नी दिनेश, बृजरानी उम्र 55 वर्ष पत्नी रामस्वरूप, सीमा देवी उम्र 27 वर्ष पत्नी रामप्रकाश, गल्ली देवी उम्र 45 वर्ष पत्नी स्वर्गीय मलखान, भारती उम्र 20 वर्ष पत्नी संतोष, दिव्यांशी उम्र 3 वर्ष पुत्री राम प्रकाश तथा सानिका उम्र 10 वर्ष पुत्री दिनेश सभी निवासी हिम्मतपुर थाना ललौली जनपद फ्तेहपुर घायल हो गए। दुर्घटना की जानकारी मिलने पर जिला पंचायत सदस्य संदीप सिंह यादव मौके पर पहुंचे। कुछ घायलों को अपनी गाड़ी तथा कुछ घायलों को अन्य गाड़ियों से ले आकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिंदकी में भर्तीकराया। चिकित्सक ने गंभीर घायल ब्रज रानी तथा गल्ली देवी को प्राथमिक उपचार बाद मेडिकल कॉलेज फ्तेहपुर रेफ्र कर दिया घायलो ने बताया कि वह सभी लोग लोडर गाड़ी में बैठकर गंगा नदी चंद्रिकन घाट स्नान करने जा रहे थे तभी अचानक शिवरी मोड़ के समीप लोडर गाड़ी लहराई और अनियंत्रित होकर पलट गई।

असम मंत्रिमंडल का विस्तार 5 जून को होगा- मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा ने किया घोषणा।

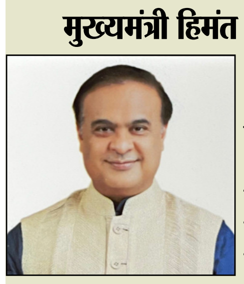

तीसरा विकल्प न्यूज़ पंकज नाथ

असम। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा ने रविवार को घोषणा की कि असम सरकार का मंत्रिमंडल अगले सप्ताह, 5 जून 2026 को विस्तार किया जाएगा। यह घोषणा भाजपा नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के संसदीय कार्यकाल के नए चरण और संभावित विभागों के आवंटन को लेकर चल रही अटकलों को शांत करती है। शर्मा ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, असम सरकार के मंत्रिमंडल को 5 जून 2026 को विस्तारित किए जाने की जानकारी देते हुए खुशी हो रही है। यह कदम 2026 के असम विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत के बाद दूसरी बार मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण के लगभग एक महीने के भीतर उठाया जा रहा है। 12 मई को वर्तमान मंत्रिमंडल की शपथग्रहण के दौरान मुख्यमंत्री शर्मा और केवल चार मंत्रियों ने शपथ ली थी। शपथ ग्रहण के बाद कई विभाग अस्थायी रूप से मुख्यमंत्री के पास रखे गए हैं, जिससे नए मंत्रियों की नियुक्ति और विभागों के विभाजन की संभावना बनी हुई थी। मुख्यमंत्री पहले ही संकेत दे चुके थे कि विधानसभा सत्र के समापन के बाद तथा जून के पहले सप्ताह के भीतर कैबिनेट के विस्तार की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि इस विस्तार में भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टियों के अनुभवी नेताओं के साथ-साथ कुछ नए चेहरों को भी जगह मिल सकती है। हालांकि, मुख्यमंत्री ने अभी तक किसी भी संभावित मंत्री के नामों का खुलासा नहीं किया है। शर्मा ने पहले कहा था कि असम कैबिनेट में कुल लगभग 18 से 19 मंत्री हो सकते हैं, लेकिन अंतिम संख्या तथा नामों का निर्णय पार्टी नेतृत्व के साथ विस्तृत विचार-विमर्श के बाद लिया जाएगा। मंत्रिमंडल विस्तार के बाद विभागों का आवंटन, नीति प्राथमिकताएँ और सरकार की कार्ययोजना भी स्पष्ट होंगी। यह विस्तार राज्य की नई सरकार के गठन से जुड़ी आखिरी महत्वपूर्ण प्रक्रिया मानी जा रही है और आने वाले दिनों में राजनीतिक परिदृश्य पर इसके प्रभावों पर सभी की नज़र बनी रहेगी।

श्री बुद्धेश्वर परिक्षेत्र व्यापार मंडल लखनऊ ने किया बैठक

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

पारा। श्री बुद्धेश्वर परिक्षेत्र व्यापार मंडल बैठक की अध्यक्षता कर रहे हैं मुख्य संरक्षक राम शंकर राजपूत ,संरक्षक रामविलास रावत के द्वारा परिक्षेत्र का विस्तार करते हुए ,जो मनोनीत पदाधिकारी में डॉक्टर अरुण श्रीवास्तव महामंत्री ,डॉक्टर सरतेज उपाध्यक्ष ,अभिषेक शर्मा उपाध्यक्ष प्रशांत मिश्रा,उपाध्यक्ष रमेश कनौजिया,उपाध्यक्ष हिमांशु पांडे वरिष्ठ महामंत्री,मीडिया प्रभारी अर्पित रावत काकोरी मोड़ मोहान रोड व्यापार मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार सिंह उपस्थिति होकर पदाधिकारीयो को बधाई एवं शुभकामनाएं दी द्य

मिशन शक्ति अभियान के तहत बंथरा पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

बंथरा । पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर के निर्देशन में संचालित मिशन शक्ति फेज-5.0 अभियान के तहत रविवार को बंथरा पुलिस द्वारा कटी बगिया स्थित टेंपो स्टैंड के पास जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य महिलाओं, बालिकाओं एवं आम नागरिकों को सुरक्षा, अधिकारों और सरकारी सुविधाओं के प्रति जागरूक करना था। इस दौरान उपनिरीक्षक रमेश चंद्र, उपनिरीक्षक सीमा सिंह, महिला कांस्टेबल आरती त्रिपाठी, महिला पीआरडी कर्मी सुशीला तथा एंटी रोमियो टीम के अन्य सदस्यों ने उपस्थित महिलाओं, बच्चियों और पुरुषों को मिशन शक्ति अभियान की विस्तृत जानकारी दी। पुलिस टीम ने महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए हेल्पलाइन नंबर 112, 1090, 181, 1076, 1098 तथा साइबर अपराध शिकायत हेतु 1930 नंबर की उपयोगिता बताई। अभियान के दौरान बच्चों की सुरक्षा को लेकर गुड टच और बैड टच के बारे में भी जागरूक किया गया। साथ ही यूपी कॉप ऐप, महिला हेल्प डेस्क, महिला सुरक्षा केंद्र एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे जनहित में उपयोगी बताया।

रक्तदान जागरूकता और मेंटल हेल्थ के लिए नोयडा से कुशीनगर तक का साइकिल सफर तय कर रहे: अतुल सिंह

संवाददाता

फ्तेहपुर। रक्तदान जागरूकता अभियान की पहल करते हुए नोएडा में संचालित संस्था प्रणव फ्उंडेशन के सहयोग से अतुल सिंह ने एक साइकिल यात्रा प्रारंभ की, जो कि नोएडा से दिल्ली, मेरठ ,लखनऊ, कानपुर होते हुए फ्तेहपुर पहुंची,रक्तदान जागरूकता अभियान को लक्ष्य बना कर अभी तक अतुल सिंह 23 राज्यों में रक्तदान कर चुके है। उत्तर प्रदेश, नागालैंड, बिहार, झारखंड,महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, दिल्ली , राजस्थान, हिमांचल प्रदेश, उत्तराखंड , कर्नाटक, पंजाब , हरियाणा, गुजरात, तेलंगना, उड़ीसा, छत्तीसगढ़ , सिक्किम, वेस्ट बंगाल, आंध्रप्रदेश, आसाम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय में रक्तदान कर चुके है 05 राज्यों का लक्ष्य पूरा करने के लिए एक साइकिल यात्रा का अभियान चलाया है , जिससे लोगों के अंदर चल रही रक्तदान की भ्रांतियां दूर हो सके और आज कल चल रहे कॉर्पोरेट सेक्टर, पढ़ाई, के चलते व्यक्ति मेंटल प्रेशर में आ जाते , मेंटल हेल्थ के लिए एक जागरूकता मिशन चलाया जा रहा है अतुल सिंह के फ्तेहपुर आगमन पर संस्था फ्इट फ्ॉर हंगर जो कि जरूरतमंद को खाना व शादी, पार्टी जैस प्रोग्राम से बचे खाने को जरूरतमंद तक पहुंचाने का कार्य करती है सर्व फ्ॉर ह्यूमैनिटी फ्उंडेशन व फ्इट फ्ॉर हंगर संस्था ने अतुल सिंह का स्वागत किया , आज के इस मौके पर संजय श्रीवास्तव , फ्इट फ्ॉर हंगर से देव गुप्ता, पियूष गुप्ता, सैंडी गुप्ता, सोनाक्षी व सर्व फ्ॉर ह्यूमैनिटी फ्उंडेशन से गुरमीत सिंह, हिमांशु श्रीवास्तव, ऋषि सागर, आयुष मौर्य, हंसिका, उमैर अजमल मानस रक्तकेंद्र से अमन यादव, अनामिका, अंजली, विष्णु, अनुस उपस्थित रहे।

सम्मान और शुभकामनाओं के बीच एल0आई0यू0 उपनिरीक्षक कुवंर बहादुर सिंह सेवानिवृत्त

संवाददाता

हमीरपुर। रिजर्व पुलिस लाइन्स, हमीरपुर में रविवार को गरिमामय सेवानिवृत्ति एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हो रहे एलआईयू के उपनिरीक्षक कुवंर बहादुर सिंह को सम्मानित करते हुए भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी सदर ने कुवंर बहादुर सिंह के लंबे सेवाकाल, उत्कृष्ट कार्यशैली, निष्ठा एवं सेवाभाव की सराहना करते हुए कहा कि उनका योगदान पुलिस विभाग के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने अपने पूरे सेवाकाल में ईमानदारी, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा के साथ दायित्वों का निर्वहन किया, जो अन्य कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। समारोह में उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने सेवानिवृत्त अधिकारी के उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य एवं सुखमय जीवन की कामना की। इस दौरान क्षेत्राधिकारी सदर, प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में कुवंर बहादुर सिंह को स्मृति चिह्न एवं शुभकामनाएं भेंट कर सम्मानपूर्वक विदाई दी गई।

हजरत हाजी बाबा का सालाना उर्स मुबारक अकीदत के साथ मनाया गया

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

मोहनलालगंज। मऊ गांव में हजरत हाजी बाबा का सालाना उर्स मुबारक बड़ी शान-ओ-शौकत और अकीदत के साथ मनाया गया। उर्स के मौके पर चादरपोशी, गागर और महफिल-ए-आमा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने शिरकत कर दरगाह पर हाजिरी लगाई और मुल्क व कौम की खुशहाली के लिए दुआएं कीं। कार्यक्रम की सरपरस्ती सज्जादा नशीन मोहम्मद कायम हाफिज ने की। महफिल में उलेमा-ए-किराम और नातख्वानों ने अपनी तकरीरों और कलाम के जरिए हजरत हाजी बाबा की तालीमात व उनकी खिदमात पर रोशनी डाली। उर्स के दौरान जायरीन के लिए लंगर का भी विशेष इंतजाम किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य लोग और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। पूरा क्षेत्र धार्मिक माहौल और अकीदत के रंग में रंगा नजर आया।

बाइक में टक्कर मारने के बाद अनियंत्रित डंपर पेड़ से टकराया, दो युवक घायल

संवाददाता

बिंदकी। बाइक में टक्कर मारने के बाद अनियंत्रित डंपर शीशम के पेड़ से टकरा गया। जिससे डंपर का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना में बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। मौके पर भारी भीड़ लगी रही हड़कंप मचा रहा। जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत बिंदकी जोनिहा मार्ग में रविवार की जानकारी 5:30 बजे दरियापुर मोड़ के समीप डंपर ने बाइक में टक्कर मार दिया टक्कर मारने के बाद अनियंत्रित डंपर शीशम के पेड़ से टकरा गया जिसे उसका अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना में बाइक सवार दो युवक प्रांशु उम्र 20 वर्ष पुत्र सुरेश निवासी ग्राम रसूलपुर थाना ललौली तथा उसका दोस्त है अर्जुन उम्र 21 वर्ष पुत्र अमित निवासी ग्राम दरियापुर कोतवाली बिंदकी घायल हो गए जिनको स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया जाता है कि प्रांशु तथा अर्जुन दोनों दोस्त हैं। दोनों दोस्त है बाइक में सवार होकर दरियापुर से रसूलपुर गांव जा रहे थे तभी दरियापुर मोड़ के समीप दुर्घटना हो गई।

हैंडपंप रिबोर में फ्र्जी भुगतान के आरोप, ग्रामीणों ने प्रधान-सचिव पर लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

❑ चालू हैंडपंप को दो बार रिबोर दिखाकर भुगतान का आरोप, खराब पड़े हैंडपंपों से ग्रामीण परेशान

संवाददाता

सरीला(हमीरपुर)- सरीला विकासखंड की ग्राम पंचायत हरसुंडी में हैंडपंप मरम्मत और रिबोर के नाम पर कथित फ्र्जी भुगतान का मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान और सचिव पर सरकारी धन के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के कुटी आश्रम परिसर में स्थित एक हैंडपंप, जो पहले से ही सुचारु रूप से संचालित था, उसे अभिलेखों में खराब दर्शाकर दो बार रिबोर कराया जाना दिखाया गया। आरोप है कि इस कार्य के नाम पर भुगतान भी किया गया, जबकि हैंडपंप लगातार उपयोग में था। ग्रामीणों का कहना है कि जहां एक ओर अभिलेखों में मरम्मत और रिबोर के कार्य दर्शाए गए, वहीं दूसरी ओर हरसुंडी मजरा डेरा में कई हैंडपंप लंबे समय से खराब पड़े हैं। इससे लोगों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से पूरे मामले की जांच कराकर वास्तविक स्थिति सार्वजनिक करने तथा दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि जांच होने पर पंचायत स्तर पर हुई संभावित वित्तीय अनियमितताओं का खुलासा हो सकता है। इस संबंध में मुख्य विकास अधिकारी अरुण कुमार तथा खंड विकास अधिकारी पी.डी. गुप्ता से संपर्क का प्रयास किया गया, लेकिन उनका फ्ेन रिसीव नहीं हो सका। वहीं जिला पंचायत राज अधिकारी सुबोध जोशी ने मामले की जांच कराए जाने की बात कही है।

भक्ति और श्रद्धा के रंग में रंगा लोग मोहनलालगंज, विशाल भंडारा पहुंचे सांसद आर.के. चौधरी, पूर्व विधायक अमरीश सिंह पुष्कर, चेयरमैन प्रतिनिधि डॉ. अजय पांडेय सत्यम

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज क्षेत्र स्थित रायबरेली रोड पर धनक सिंह ढाबा में विशाल भंडारे एवं भजन-कीर्तन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। धार्मिक आस्था और सामाजिक सौहार्द के इस आयोजन में क्षेत्र के हजारों श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान भजन-कीर्तन से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया और श्रद्धालु देर तक भक्ति रस में डूबे रहे। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में मोहनलालगंज के सांसद श्री आर.के. चौधरी, पूर्व विधायक अमरीश सिंह पुष्कर, चेयरमैन प्रतिनिधि डॉ. अजय कुमार पांडेय एवं सत्यम शामिल हुए। कार्यक्रम में पहुंचने पर अतिथियों का फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया गया। आयोजन समिति की ओर से सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन समाज में आपसी भाईचारे, प्रेम और सद्भाव को मजबूत करने का कार्य करते हैं। उन्होंने आयोजन की सफलता पर आयोजकों को बधाई भी दी। कार्यक्रम में आयोजित विशाल भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। वहीं भजन-कीर्तन में प्रस्तुत भक्ति गीतों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और उमंग देखने को मिली। कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं सम्मानित लोग भी उपस्थित रहे। आयोजन का समापन क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना के साथ हुआ।

पंडित खेड़ा में पार्षद गीता देवी गुप्ता ने लगाया जनसेवा कैंप, लोगों की समस्याएं सुनीं

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सरोजिनी नगर प्रथम वार्ड की पार्षद गीता देवी गुप्ता द्वारा रविवार को पंडित खेड़ा स्थित साक्षी बुटीक परिसर में साप्ताहिक जनसेवा कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में क्षेत्रवासियों की विभिन्न जनसमस्याओं को गंभीरता से सुना गया तथा उनके त्वरित निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।कैंप के दौरान आधार संशोधन सहित अन्य जनहित से जुड़े कार्यों में भी लोगों की सहायता की गई। बड़ी संख्या में पहुंचे क्षेत्रवासियों ने अपनी समस्याओं से पार्षद को अवगत कराया। इस अवसर पर पार्षद गीता देवी गुप्ता ने कहा कि क्षेत्र की जनता की समस्याओं का समाधान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि लोगों को परेशानियों के समाधान के लिए इधर-उधर भटकना न पड़े, इसी उद्देश्य से नियमित रूप से जनसेवा कैंप आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारियों एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। उपस्थित लोगों ने जनहित में आयोजित इस पहल की सराहना करते हुए पार्षद के जनसेवा कार्यों की प्रशंसा की।

'लंबे कद की वजह से छिनी कई फिल्में'

पूजा बत्रा का बड़ा खुलासा, कहा- मेरी लंबाई से घबराते थे अभिनेता

पूजा बत्रा ने इंडस्ट्री और अभिनेताओं को लेकर बड़ा खुलासा किया। उन्होंने बताया क्यों उनकी हाइट से घबरा जाते थे एक्टर्स और हाइट की वजह से उनके हाथ से निकलीं कई फिल्में। जानिए सलमान खान को लेकर उन्होंने क्या कुछ कहा3 1997 में आई फिल्म 'विरासत' से अपना बॉलीवुड डेब्यू करने वाली अभिनेत्री पूजा बत्रा ने मॉडलिंग से अपनी शुरुआत की थी। पूजा बत्रा कई हिंदी फिल्मों का हिस्सा रहीं। हालांकि, सफल डेब्यू के बावजूद उनका करियर ज्यादा लंबा नहीं रह सका। हाल ही में पूजा बत्रा ने बताया कि उनकी लंबी हाइट के चलते भी उन्हें कई फिल्मों से हाथ धोना पड़ा। क्योंकि अधिकांश एक्टर्स की हाइट उनसे कम थी, लेकिन उनमें ईगो इतना था कि वो हीरोइन को खुद से लंबा नहीं दिखने देना चाहते थे। इसलिए वो हीरोइनों को खुद से छोटा दिखाना चाहते थे। मेरी हाइट की वजह से हीरो घबरा जाते थे हार्पर बाजार इंडिया से बात करते हुए पूजा बत्रा ने अपने शुरुआती दौर में संगीता बिजलानी की एक सलाह को याद किया। उन्होंने कहा कि मुझे याद है संगीता बिजलानी ने मुझसे कहा था, शफिल्मों में तुम्हारा कोई चांस नहीं है क्योंकि तुम बहुत लंबी होश। संगीता की इस चेतावनी से मुझे निराशा हुई थी। लेकिन वह मेरी आदर्श हैं। वह खूबसूरत हैं और एक मॉडल भी हैं। मुझे जो भी रोल मिला, मैंने उसमें अपना बेस्ट दिया। भले ही मेरे कद की वजह से हीरो घबरा जाते थे। यह सच है कि मेरी लंबाई की वजह से मुझे बहुत सी फिल्में नहीं मिलीं। मैंने कई अच्छे रोल खो दिए। पूजा ने दावा किया कि उनके और संगीता जैसी लंबी अभिनेत्रियों ने सुष्मिता और दीपिका जैसी लंबी अभिनेत्रियों के लिए रास्ता बनाया। इन्हें मुझे धन्यवाद कहना चाहिए। सलमान खान थे एकमात्र अभिनेता, जिन्हें नहीं थी हाइट से दिक्कत पूजा ने बताया कि क्लोज-अप शॉट्स में अपने हीरो को लंबा दिखाने के लिए वह कैमरे के सामने हाफ स्प्लिट्स करती थीं। अपनी पहली फिल्म में पूजा ने छोटी दिखने के लिए रंग-बिरंगे कपड़े पहने थे। एक्ट्रेस ने कहा कि हॉलीवुड में भी मैं नाओमी वाट्स और चार्लीज थेरॉन जैसी सभी लंबी एक्ट्रेस का सम्मान करती हूं। मैं जानती हूं कि लंबाई के बावजूद एक महिला के लिए सफल होना कितना मुश्किल है। हालांकि, पूजा ने कहा कि सलमान खान एकमात्र ऐसे अभिनेता थे जिन्हें मेरी हाइट से कभी कोई दिक्कत नहीं हुई। वह ऐसे व्यक्ति थे जो कहते थे, शहील्स पहनो, मुझे कोई परेशानी नहीं है। उन्हें अपने कद पर पूरा भरोसा था। सिनेमा में आए बदलाव से खुश हैं पूजा बत्रा हिंदी सिनेमा में आए बदलाव पर एक्ट्रेस ने कहा कि काफी बदलाव हुआ है। न केवल सोच में बदलाव के कारण, बल्कि सिनेमास्कोप में आए तकनीकी बदलावों के कारण भी काफी कुछ सुधार हुआ है। छोटे कद के लोगों को नुकसान होता है, क्योंकि वे कैमरे पर अपनी असल लंबाई से ज्यादा मोटे दिख सकते हैं। दुनिया के ज्यादातर मशहूर अभिनेता बहुत लंबे नहीं हैं। छोटे कपड़े पहनने और अपने फैशन सेंस को पर्दे पर उतारने के लिए पूजा हमेशा फिल्मों में अपने खुद के कपड़े पहनती थीं। उन्हें याद है कि जब वह अपने निजी कपड़ों में सेट पर आती थीं, तो निर्देशक उनसे कहते थे, उसे वही पहनने दो जो उसने पहना है। लेकिन वे उनसे मेकअप हटाने के लिए भी कहते थे क्योंकि उन्हें नैचुरल लुक चाहिए होता था। उन्होंने हंसते हुए कहा, 'मैं सोचती थी, कम से कम सनब्लॉक तो लगाने दो।' मिस इंडिया इंटरनेशनल बनने के बाद फिल्मों में की थी एंट्री पूजा बत्रा ने 1993 में मिस इंडिया इंटरनेशनल का खिताब जीतने के बाद मॉडलिंग और फिर फिल्मों में एंट्री की थी। उन्होंने साउथ की भी कुछ फिल्मों में काम किया। 2003 में उन्होंने एक ऑर्थोपेडिक सर्जन से शादी की और लॉस एंजिल्स कैलिफोर्निया में बस गईं। लेकिन 2011 में तलाक के बाद वह भारत लौट आईं। इसके बाद उन्होंने 'हम तुम शबाना' (2011), 'एबीसीडी 2' (2015) और अन्य हॉलीवुड फिल्मों से वापसी की। उन्होंने 2019 में अभिनेता नवाब शाह से दोबारा शादी की। बॉलीवुड के छोटे और बड़े हाइट वाले कलाकारों को भी कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता हैं. साथ ही कई फिल्मों में रिजेक्शन झेलना पड़ता है. इसी बीच एक्ट्रेस पूजा बत्रा ने हाल ही में इंडस्ट्री के अपने अनुभवों को शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने लंबे हाइट के कारण आई परेशानियों का जिक्र किया. साथ ही बताया कि कई हीरो उनके सामने छोटे लगते थे, इसीलिए फिल्मों में उन्हें जानबूझकर छोटा दिखाया जाता हैं. संगीता की बात सुन निराश हुई पूजा हार्पर्स बाजार इंडिया के साथ बातचीत में पूजा ने बताया कि एक बार संगीता बिजलानी ने उन्हें कहा, शतुम्हें फिल्मों में मौका मिलना मुश्किल है क्योंकि तुम लंबी हो.श् इसके बाद पूजा को बहुत दुख हुआ था क्योंकि वो संगीता को अपनी आइडल मानती थीं. उन्होंने कहा कि हर किरदार में वो अपना बेस्ट करती है, लेकिन लंबी होने के कारण कई हीरो अनकंफर्टेबल हो जाते थे. इसी कारण कई अच्छी फिल्में उनके हाथ से निकल गई. हालांकि सुष्मिता सेन और दीपिका पादुकोण जैसी लंबी एक्ट्रेसेज के लिए उन्होंने रास्ता बनाया. इन हॉलीवुड एक्ट्रेस का सम्मान करती है साथ ही उन्होंने अपनी फिल्म विरासत को याद करते हुए बताया कि उनमें उन्हें ऐसे कपड़े पहनाए जाते थे, जिसमें उनकी हाइट छोटी लगे. क्लोज-उप शॉट्स में उन्हें झुककर या पैर मोड़कर खड़ा होना पड़ता था, जिससे हीरो की हाइट लंबी दिखे. हॉलीवुड में भी लंबी एक्ट्रेसेज को संघर्ष करना पड़ता है, इसीलिए वो बैंतसप्रम जैमतवद और छंवउप॑जजे जैसी एक्ट्रेसेज का सम्मान करती हैं. वहीं पूजा ने बताया कि सलमान खान को लंबे हाइट्स या हील्स से कोई परेशानी नहीं थीं. जब वो सलमान के साथ शकहीं प्यार न हो जाएश् फिल्म में काम कर रही थीं, तब सलमान कहते थे कि हील्स पहल लो, मुझे कोई दिक्कत नहीं हैं. हालांकि अब बॉलीवुड में ये सारी चीजें पहले से अच्छी हो गई है. आज तकनीक से कलाकारों को अलग तरह से दिखाया जा सकता है. 1993 में मॉडलिंग से शुरू हुई करियर बता दें कि पूजा 1993 में मिस इंडिया इंटरनेशनल की विनर थीं. इसके बाद वो टॉप मॉडल्स में शामिल हो गई और कई फिल्मों में नजर आईं. उन्होंने जोड़ी नंबर 1, नायकरू द रियल हीरो और तलाशरू द हंट बिगिंस जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय किया था.

विराट के खिलाफ बयान देने का ऑफर मिला- मॉडल

जर्मन मॉडल लिजलाज ने हाल ही में दावा किया कि विराट कोहली द्वारा कथित तौर पर उनकी फोटो लाइक करने के बाद कुछ पत्रकारों ने उन्हें क्रिकेटर के खिलाफ गलत बयान देने के लिए पैसे ऑफर किए थे। फिल्मीमंत्रा को दिए इंटरव्यू में लिजलाज ने बताया कि कथित तौर पर पोस्ट लाइक किए जाने के बाद उन्हें लगातार लोगों के फोन आने लगे। सभी यही कह रहे थे कि विराट ने उनकी पोस्ट लाइक की है। अपने फेवरेट क्रिकेटर विराट द्वारा कथित तौर पर उनकी तस्वीर लाइक किए जाने पर लिजलाज ने कहा, 'मैं इससे बहुत खुश थी और थोड़ा इमोशनल भी हो गई थी, लेकिन मुझे बिल्कुल उम्मीद नहीं थी कि ऐसा कुछ होगा। मुझे अलग-अलग मैगजीन से इतने सारे कॉल आने लगेंगे।' लिजलाज बोलीं- मैं पैसों के लिए झूठ नहीं बोलूंगी लिजलाज ने दावा किया, 'कुछ लोग आप पर ऐसी बातें बोलने का दबाव भी डालते हैं, जो आप कहना नहीं चाहते। कुछ पत्रकारों ने तो मुझे पैसे ऑफर किए ताकि मैं उनके (विराट कोहली) बारे में गलत बातें कहूं और ऐसे आरोप लगाऊं, जो उन्होंने कभी किए ही नहीं।' उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन मैं ऐसा क्यों करूंगी? मैंने खुद कहा था कि वो मेरे फेवरेट क्रिकेटर हैं। फिर मैं पैसों के लिए उनके बारे में गलत बातें क्यों बोलूं? मैं ऐसी इंसान नहीं हूं।' फोटोग्राफर ने स्क्रीनशॉट शेयर किया था बता दें कि लिजलाज की फोटो क्लिक करने वाले फोटोग्राफर अद्वैत वैद्य ने पिछले महीने इंस्टाग्राम पर एक स्क्रीनशॉट शेयर कर दावा किया था कि विराट कोहली के आधिकारिक अकाउंट से लिजलाज की पुरानी फोटो लाइक की गई थी। अद्वैत ने इस पर एक वीडियो भी पोस्ट किया था। अद्वैत वैद्य ने विराट कोहली के लाइक के दावा वाला वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। अद्वैत वैद्य ने विराट कोहली के लाइक के दावा वाला वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। अद्वैत ने कैप्शन में लिखा था, 'इस पर कैसे रिएक्ट करें3 जब ळ॰।ज् विराट कोहली, आपकी पोस्ट लाइक कर दें। मैं और लिजलाज अभी भी अपनी आंखें मलकर देख रही हैं कि ये सच में हो रहा है या नहीं3 हाहा3 धन्यवाद ळ॰।ज।' गौरतलब है कि पिछले साल मई 2025 में विराट ने एक्ट्रेस अवनीत कौर की एक फोटो को लाइक किया था। जिसको लेकर विराट ने सफाई देते हुए कहा था, 'मैं यह साफ करना चाहता हूं कि फीड क्लियर करते समय ऐसा लगता है कि एल्गोरिदम ने गलती से कोई इंटरैक्शन रजिस्टर कर लिया है। इसके पीछे मेरा कोई इरादा नहीं था। मैं आपसे निवेदन करता हूं कि कृपया बेवजह कोई भी बातें नहीं बनाएं। समझने के लिए धन्यवाद।'

'द रॉयल्स 2' में नहीं दिखेंगी भूमि पेडनेकर?

साल 2025 में रिलीज हुई नेटफ्लिक्स की सीरीज शद रॉयल्सश् को दर्शकों ने खूब पसंद किया था. वहीं अब इसके दूसरे सीजन की भी तैयारी शुरू हो चुकी है. पहले सीजन में एक्टर ईशान खट्टर और भूमि पेडनेकर एक साथ नजर आएं थे, लेकिन इसी बीच नए सीजन को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, पहले सीजन की लीड स्टार भूमि पेडनेकर अब सीजन 2 में नजर नहीं आएंगी. एक्ट्रेस को सीजन 1 में काफी ट्रोल किया गया था. शद रॉयल्स 2श् में नहीं दिखेंगी भूमि पेडनेकर? मिड-डे की रिपोर्ट के मुताबिक, भूमि पेडनेकर अब नेटफ्लिक्स की सीरीज शद रॉयल्स के दूसरे सीजन का हिस्सा नहीं होंगी. बताया जा रहा है कि मेकर्स अब शो की रोमांटिक कहानी को आगे बढ़ाने के बजाय शाही परिवार की कहानी और उनके आपसी रिश्तों पर ज्यादा फोकस करना चाहते हैं. रिपोर्ट के मुताबिक, दूसरे सीजन में ईशान खट्टर, जीनत आमान और साक्षी तंवर के किरदारों और शद रॉयल्स की दुनिया को ज्यादा विस्तार से दिखाया जाएगा. सूत्र के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया, शजब आप रोमांस बनाते हैं, तो कहानी उसी के इर्द-गिर्द चलती है. लेकिन शो रिलीज होने के बाद दर्शकों को सबसे ज्यादा शाही परिवार और उनकी दुनिया पसंद आई. पहले सीजन का अंत अधूरी लव स्टोरी के साथ हुआ था, लेकिन उसे आगे बढ़ाने का कोई फैसला नहीं लिया गया. भूमि के साथ किसी तरह का विवाद नहीं हुआ है. मेकर्स सिर्फ कहानी को दूसरे सीजन में स्वाभाविक तरीके से आगे ले जाना चाहते हैं.श् रिपोर्ट में आगे बताया गया कि भूमि पेडनेकर अब अलग और ज्यादा दमदार किरदारों की तरफ बढ़ना चाहती हैं. वह जल्द ही प्राइम वीडियो की सीरीज शदलदलश् के दूसरे सीजन में एक परेशान पुलिस ऑफिसर के किरदार में वापसी करेंगी. फर्स्ट सीजन में बुरी तरह ट्रोल हुई थीं एक्ट्रेस बता दें, भूमि पेडनेकर को शद रॉयल्सश् में उनके किरदार के लिए काफी ट्रोल किया गया था. एक्ट्रेस ने सीरीज स्टार्टअप फाउंडर का रोल प्ले किया था. भूमि ने द हॉलीवुड रिपोर्टर को दिए इंटरव्यू में बताया था कि लगातार 10 साल तक बिना रुके काम करने के बाद उन्होंने 2025 में लाइमलाइट से थोड़ा दूर रहने का फैसला लिया था. भूमि ने कहा, शमैं पिछले दस सालों से लगातार काम कर रही थी,श् और लगातार एक किरदार से दूसरे किरदार में जाने का असर उनकी मानसिक और शारीरिक सेहत पर पड़ने लगा था. भूमि के किरदार को लेकर उन्हें काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा. इस पर बात करते हुए उन्होंने कहा, शजब इतना ज्यादा शोर होता है, तो इंसान सुन्न पड़ जाता है.श् भूमि पेडनेकर ने बताया कि उनके ब्रेक लेने की असली वजह इससे भी कहीं ज्यादा गहरी थी. उन्होंने कहा, शमेरे अंदर कुछ बचा ही नहीं था. मेरे पास ऐसी वास्तविक जिंदगी के अनुभव नहीं बचे थे, जिन्हें मैं अपने काम में इस्तेमाल कर सकूं, और यही बात मुझे डराने लगी थी.श् एक्ट्रेस ने बताया कि ट्रोलिंग से ज्यादा इस एहसास ने उन्हें खुद को फिर से समझने और नए सिरे से शुरुआत करने के लिए मजबूर किया.

हिन्दी दैनिक
तीसरा विकल्प न्यूज़
लखनऊ से प्रकाशित

भारतीय टीम में दावेदारी मजबूत

अनुभवी पहलवान और ओलंपियन विनेश फोगाट ने शनिवार को इंदिरा गांधी स्टेडियम में निशु को हराकर एशियाई खेल 2026 चयन ट्रायल में अपनी दूसरी जीत हासिल की। घ्इससे पहले उन्होंने अपने पहले मैच में हरियाणा की ज्योति को 7-1 के स्कोर से हराया था। इन लगातार जीतों के साथ, फोगाट आगामी एशियाई खेलों के लिए भारतीय कुश्ती टीम में जगह बनाने की अपनी दावेदारी को मजबूत कर रही हैं। उनका लगातार अच्छा प्रदर्शन उनके अनुभव और कौशल को दर्शाता है, जिससे वह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए एक प्रमुख दावेदार के रूप में उभर रही हैं। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने शनिवार को पुष्टि की कि फोगाट चयन ट्रायल में 53 किलोग्राम वर्ग में भाग ले रही हैं। डब्ल्यूएफआई ने बताया कि महिला 53 किलोग्राम वर्ग सहित सभी भार वर्गों के लिए वजन मापन नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में एशियाई खेलों के चयन ट्रायल के स्वीकृत कार्यक्रम के अनुसार किया गया। विनेश फोगाट सहित सभी योग्य पहलवान वजन मापन के लिए उपस्थित हुए और आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कीं। बयान में आगे कहा गया कि तदनुसार, निर्धारित आवश्यकताओं को पूरा करने वाले सभी योग्य पहलवानों को चयन ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दे दी गई है, जो शीघ्र ही शुरू होने वाले हैं। फोगाट का वजन 53.9 किलोग्राम था और उन्हें 53 किलोग्राम वर्ग में शामिल किया गया। हरियाणा की यह पहलवान और जुलाना की विधायक ट्रायल्स में मीनाक्षी गोयत और अंतिम पंघाल के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करेंगी। इस प्रतियोगिता का विजेता इस साल के अंत में होने वाली महाद्वीपीय प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेगा। दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) की पर्यवेक्षक अदिति चौहान और एम.एम. सोमैया इंदिरा गांधी स्टेडियम में चल रहे ट्रायल्स में उपस्थित हैं। डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह भी उपस्थित हैं। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने फोगाट को अंतरिम राहत प्रदान की और डब्ल्यूएफआई द्वारा दायर उस याचिका पर उनकी प्रतिक्रिया मांगी जिसमें मुकदमों में उनकी भागीदारी को चुनौती दी गई है। मामले की आगे की सुनवाई सोमवार, 1 जून को होनी है।

मुझे नहीं पता

नोवाक जोकोविच को फ्रेंच ओपन 2026 के तीसरे दौर में ब्राजील के जोआओ फोन्सेका ने चौंका दिया। सर्बियाई खिलाड़ी को मैराथन गेम में 4-6, 4-6, 6-3, 7-5, 7-5 से हार का सामना करना पड़ा। जोकोविच अपने 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब की तलाश में थेय हालांकि, उनका इंतजार लंबा खिंच गया क्योंकि 2009 के बाद से रोलैंड गैरोस से यह उनका सबसे जल्दी बाहर होना था। पेरिस में अपने भविष्य के बारे में पूछे जाने पर जोकोविच अनिश्चित थे। अगले साल वापसी के बारे में पूछे जाने पर जोकोविच ने जवाब दिया, ष्मुझे नहीं पता।ष् सर्बियाई खिलाड़ी के पास अपने बहुप्रतीक्षित 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब तक पहुंचने का मौका था क्योंकि जानिक सिनर भी दूसरे दौर में 56वीं रैंक वाले जुआन मैनुअल सेरुंडोलो से हार गए थे। इसके अलावा, कार्लोस अल्काराज कलाई की चोट के कारण पहले ही इस मेजर टूर्नामेंट से बाहर हो चुके थे। जब उनसे पूछा गया कि उन दो सितारों की अनुपस्थिति में क्या हो सकता था, तो 39 वर्षीय खिलाड़ी इस पर विचार करने के मूड में नहीं थे। उन्होंने कहा कि मुझे परवाह नहीं है। मुझे परवाह नहीं है। मैं आपको यहीं रोक देता हूँ। नहीं। मैं अभी तीसरा राउंड हार गया हूँ। चलिए किसी और बात पर चर्चा करते हैं। इस बीच, जोकोविच पिछले पांच मेजर टूर्नामेंटों में कम से कम सेमीफाइनल तक पहुंचे हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में जानिक सिनर को हराया था, लेकिन फाइनल मुकाबले में कार्लोस अल्काराज से हार गए। पेरिस में 2009 के बाद पहली बार क्वार्टरफाइनल से पहले बाहर होने पर उन्होंने फोन्सेका की जमकर तारीफ की। जोकोविच ने कहा, ष्मैंने उन्हें बधाई दी और कहा कि वे जीत के हकदार थे और उन्होंने शानदार मैच खेला, और उन्हें खुद पर गर्व होना चाहिए।ष् उन्होंने कहा कि उन्होंने जिस स्तर का टेनिस खेला है, उससे उनके बारे में काफी चर्चा है, और मुझे लगता है कि आज हम सभी ने देख लिया कि उनके बारे में इतनी चर्चा क्यों है। उनका खेल अद्भुत था। मुझे नहीं लगता कि मैंने अपने खेल में कुछ खास गलती की है। बस वो मुझसे बेहतर थे। मुझे लगता है कि मैं अच्छा टेनिस खेल रहा था, वाकई बहुत अच्छा।

कोको गॉफका अभियान समाप्त

नाओमी ओसाका अगले दौर मेंय डायने पैरी ने अमांडा अनिसिमोवा को हराया

पेरिस। जुआन मैनुअल ने विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर को हराने के बाद फिर से पांच सेट की जीत दर्ज की। उन्होंने मार्टिन लैंडालुस को पांच घंटे, 58 मिनट में 6-4, 6-7 (7), 7-6 (4), 6-7 (4), 7-6 (8) से हराया। मौजूदा चैंपियन कोको गॉफ का फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल में खिताब का बचाव करने का सफर तीसरे दौर में ही थम गया लेकिन नाओमी ओसाका ने अपना शानदार अभियान जारी रखा। गॉफ को इस मैच में एक ऐसी खिलाड़ी ने पराजित किया जिसने लंबी बेसलाइन रैलियों और कोर्ट कवरेज में इस अमेरिकी खिलाड़ी का डटकर मुकाबला किया। यह खिलाड़ी अनास्तासिया पोटापोवा थीं, जिन्होंने शनिवार को तीसरे दौर में गॉफ पर 4-6, 7-6 (1), 6-4 से जीत हासिल की। इससे पहले ओसाका ने अपने 100वें ग्रैंड स्लैम मैच में लगभग तीन घंटे में 18 वर्षीय अमेरिकी प्रतिद्वंद्वी इवा जोविक को 7-6 (5), 6-7 (3), 6-4 से हराया। ओसाका का अगला मुकाबला नंबर एक खिलाड़ी एरीना सबालेंका से होगा जिन्होंने डारिया कसाटकिना को 6-0, 7-5 से हराया। वहीं, फ्रेंच ओपन 2026 में उलटफेर का दौर जारी है। फ्रांस की डायने पैरी ने शनिवार को छठी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा को तीन सेट तक चले मुकाबले में हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के चौथे राउंड में जगह बनाई। इस साल के फ्रेंच ओपन से पहले पैरी पांच बार ग्रैंड स्लैम के तीसरे राउंड में पहुंची थीं, लेकिन कभी भी अंतिम-16 में जगह नहीं बना पाई थीं। शनिवार को कोर्ट फिलिप-शैट्रिए पर पेरिस की शोरगुल भरी भीड़ के सामने खेलते हुए पैरी ने अमांडा अनिसिमोवा को दो घंटे 44 मिनट तक चले तीन सेट के मुकाबले में 6-3, 4-6, 7-6 से हराया। पुरुष वर्ग में अलेजांद्रो तबिलो ने 17 वर्षीय फ्रांसीसी खिलाड़ी मोइसे कौमे को 4-6, 6-3, 6-4, 7-6 (9) से पराजित किया। उनका सामना अब फेलिक्स ऑगर-एलियासिमे से होगा, जिन्होंने अमेरिका के ब्रैंडन नाकाशीमा को 5-7, 6-1, 7-6 (4), 7-6 (1) से हराया। वहीं जैकरी स्वाजदा ने फ्रांसिस्को सेरुंडोलो को एक रोमांचक पांच-सेट के मुकाबले में 6-3, 6-4, 3-6, 4-6, 6-3 से शिकस्त दी। इसी के साथ एटीपी रैंकिंग में 85वें नंबर के खिलाड़ी ने पहली बार किसी बड़े टूर्नामेंट के चौथे राउंड में जगह बनाई। इसके अलावा जुआन मैनुअल ने विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर को हराने के बाद फिर से पांच सेट की जीत दर्ज की। उन्होंने मार्टिन लैंडालुस को पांच घंटे, 58 मिनट में 6-4, 6-7 (7), 7-6 (4), 6-7 (4), 7-6 (8) से हराया। जुआन का अगला मुकाबला 2021 में विंबलडन के फाइनलिस्ट रहे माटेओ बेरेटिनी से होगा, जिन्हें फ्रांसिस्को कोमेसाना को 7-6 (3), 5-7, 6-7 (4), 6-4, 7-6 (13) से हराने में पांच घंटे, 13 मिनट लगे। फ्लेवियो कोबोली ने लर्नर टिएन को 6-2, 6-2, 6-3 से हराया और अब उनका सामना अमेरिकी खिलाड़ी जैचरी स्वाज्दा से होगा अमेरिका के फ्रांसिस टियाफो ने पुर्तगाल के क्वालीफायर जैमे फारिया को 4-6, 6-7 (2), 7-6 (4), 6-1, 6-2 से हराया। अब उनका अगला मुकाबला मैटियो अर्नाल्डी से होगा।

कौन हैं एथलीट अनिमेष कुजूर और गुरिंदरवीर सिंह? पीएम मोदी ने मन की बात में दोनों का बढ़ाया हौसला

नई दिल्ली। श्मन की बातश् के 134वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खेल जगत की उपलब्धियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारतीय एथलीट लगातार नए रिकॉर्ड बना रहे हैं और देश में एथलेटिक्स का स्तर तेजी से बढ़ रहा है। मन की बात के 134वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खेल और खिलाड़ियों की चर्चा से शुरुआत की है। उन्होंने देश में चल रहे एथलेटिक्स चौंपियनशिप से शुरुआत की और एथलीट्स से भी बात की। पीएम मोदी ने कहा कि देश के एथलीट्स रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं। 100 मीटर रेस में नेशनल रिकॉर्ड टूटा। गुरिंदरवीर सिंह ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्मन की बातश् में कहा, श्कुछ दिन पहले झारखंड के रांची में नेशनल सीनियर एथलेटिक्स फेडरेशन प्रतियोगिता हुई। इसमें करीब 800 एथलीट्स ने हिस्सा लिया। इस दौरान चार अलग-अलग स्पर्धाओं में चार राष्ट्रीय रिकॉर्ड टूटे। गुरिंदरवीर सिंह, विशाल टोके, तेजस्विन शंकर, देव मीणा और कुलदीप कुमार ने अपनी-अपनी स्पर्धाओं में नए रिकॉर्ड बनाए।श् पीएम मोदी ने कुजूर और गुरिंदर से की बात पीएम मोदी ने कहा, श्100 मीटर दौड़ की देशभर में काफी चर्चा हो रही है। महज दो दिनों के भीतर पुरुषों की 100 मीटर दौड़ का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तीन बार टूटा। गुरिंदरवीर सिंह और अनिमेष कुजूर ने यह शानदार उपलब्धि हासिल की।श् पीएम मोदी ने कहा, श्मैंने सोचा इस बार मन की बात में इन दोनों खिलाड़ियों से बात की जाए।श् इसके बाद पीएम ने दोनों से बात भी की। पीएम मोदी ने कुजूर और गुरिंदरवीर से कहा, श्पिछले दिनों आप दोनों ने कमाल किया है। आप दोनों की जुगलबंदी भी शानदार है। हमने संगीत में तो जुगलबंदी देखी थी, लेकिन अब चुनौती में भी जुगलबंदी होती है कि एक बार कोई एक चुनौती दे और फिर दूसरा उस चुनौती को उठा ले, फिर तीसरी बार कर ले। मैं चाहता हूं कि मन की बात के श्रोताओं को आप के बारे में जानकारी हो, आपने जो पराक्रम किया है, उसका पता चले।श् अनिमेष कुजूर ने अपने बारे में बताया इसके बाद अनिमेष कुजूर ने कहा, श्मैं 200 मीटर और 400 मीटर का नेशनल रिकॉर्ड होल्डर हूं। मैं छत्तीसगढ़ का रहने वाला हूं और फिलहाल ओडिशा से खेलता हूं। मैं पिछले साल राष्ट्रीय एशियन मेडल और वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में मेडल जीत चुका हूं। मैंने एथलेटिक्स 2021 में शुरू किया, जब मैं स्कूल से पास आउट हुआ था। मैं सैनिक स्कूल अंबिकापूर से पास आउट हूं। मैं पहले फुटबॉल खेला करता था।

नॉर्वे शतरंज में गुकेश ने प्रज्ञानंद को हराया, दिव्या देशमुख महिला वर्ग में शीर्ष पर पहुंचीं

ओस्लो। नॉर्वे चेस 2026 के पांचवें दौर में विश्व चौंपियन डी. गुकेश ने प्रज्ञानंद को हराकर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। वहीं महिला वर्ग में दिव्या देशमुख ने झू जिनर को मात देकर अंक तालिका में एकल बढ़त हासिल कर ली। मैग्नस कार्लसन को भी वेस्ली सो के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। ओस्लो में चल रहे नॉर्वे चेस 2026 टूर्नामेंट के पांचवें दौर में एक बार फिर रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। पुरुष वर्ग में विश्व चौंपियन डी. गुकेश ने ऑल-इंडियन मुकाबले में आर. प्रज्ञानंद को हराकर अहम जीत दर्ज की, जबकि महिला वर्ग में भारत की दिव्या देशमुख ने जीत हासिल कर अंक तालिका में एकल बढ़त बना ली। ऑल-इंडियन मुकाबले में गुकेश की जीत पांचवें दौर का सबसे चर्चित मुकाबला भारत के दो युवा ग्रैंडमास्टर्स गुकेश और प्रज्ञानंद के बीच खेला गया। मुकाबले के अधिकांश हिस्से में प्रज्ञानंद बेहतर स्थिति में नजर आए और उन्होंने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा।हालांकि, अंतिम चरण में गुकेश ने मौके का फायदा उठाया। समय के दबाव और बढ़ते तनाव के बीच प्रज्ञानंद अपनी बढ़त को कायम नहीं रख सके। इसके बाद गुकेश ने स्थिति पर पूरी पकड़ बना ली और जीत दर्ज करने में सफल रहे। कार्लसन को वेस्ली सो ने चौंकाया दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को अमेरिका के वेस्ली सो के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। मुकाबला लंबे समय तक रणनीतिक लड़ाई के रूप में चला, लेकिन एंडगेम में वेस्ली सो ने धीरे-धीरे बढ़त हासिल कर ली। कार्लसन ने वापसी की कोशिश की, लेकिन वेस्ली सो ने अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखी और क्लासिकल मुकाबले में महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। फिरोजा ने मजबूत की शीर्ष स्थिति दूसरे क्लासिकल मुकाबले में टूर्नामेंट के शीर्ष खिलाड़ी अलीरेजा फिरोजा और विन्सेंट कीमर के बीच खेल ड्रॉ रहा। इसके बाद हुए आर्मागेडन मुकाबले में फिरोजा ने जीत हासिल कर अतिरिक्त अंक अपने नाम किए और अंक तालिका में अपनी बढ़त को और मजबूत कर लिया। महिला वर्ग में दिव्या देशमुख का शानदार प्रदर्शन महिला वर्ग में भारत की दिव्या देशमुख ने झू जिनर को हराकर दिन की एकमात्र क्लासिकल जीत दर्ज की।

अर्थ जगत

कपास आयात शुल्क में कटौती, वस्त्र उद्योग को मिलेगी राहत

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कपास आयात पर लगने वाले सभी सीमा शुल्कों को पांच महीने के लिए माफ कर दिया है। यह छूट 30 अक्टूबर तक प्रभावी रहेगी और इसका उद्देश्य वस्त्र उद्योग को पर्याप्त कपास उपलब्ध कराना है। वस्त्र मंत्रालय ने कहा कि इससे इनपुट लागत कम होगी और भारतीय वस्त्रों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी। उद्योग संगठनों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे परिधान क्षेत्र के लिए ष्बहुत जरूरी राहतष् बताया। परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) ने कहा कि इस उपाय से भारतीय वस्त्र और परिधान क्षेत्र के लिए कपास की उपलब्धता बढ़ेगी। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, आयात शुल्क छूट 1 जून, 2026 से लागू होगी। वस्त्र मंत्रालय ने बताया कि यह उपाय कपास के ऑफ-सीजन के दौरान लागू किया गया है। इससे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को समर्थन मिलेगा, इनपुट लागत नियंत्रित होगी। साथ ही, किसानों के हितों की रक्षा होगी और बाजार में स्थिरता सुनिश्चित होगी। एईपीसी अध्यक्ष ए शक्तिवेल ने कहा कि यह निर्णय विशेष रूप से छोटे और मध्यम उद्यमों को लाभ पहुंचाएगा। ये उद्यम कपास और सूत की कीमतों में तेज वृद्धि के कारण चुनौतियों का सामना कर रहे थे। उन्होंने सभी कताई मिलों से अपील की कि वे सूत की कीमतों को तर्कसंगत बनाकर कम कपास लागत का लाभ दें। इससे पूरी वस्त्र मूल्य श्रृंखला स्थिर होगी और परिधान निर्यातक अधिक प्रतिस्पर्धी रूप से निर्यात ऑर्डर प्राप्त कर पाएंगे। वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सुधार भारतीय वस्त्र उद्योग परिसंघ (सीआईटीआई) अध्यक्ष अश्विन चंद्रन ने कहा कि कपास पर 11 फीसदी आयात शुल्क एक बड़ी बाधा था। उन्होंने बताया कि प्रमुख एशियाई प्रतिस्पर्धियों को पहले से ही कपास तक शुल्क-मुक्त पहुंच प्राप्त है। कपास आयात शुल्क पूरी मूल्य श्रृंखला में लागत बढ़ा रहा था। यह भारत के वस्त्र और परिधान निर्यात को बढ़ाने के प्रयासों पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा था। निर्यात लक्ष्य और मुक्त व्यापार समझौते भारत का वस्त्र निर्यात मुख्य रूप से कपास पर निर्भर करता है। भारत का लक्ष्य 2030 तक 100 अरब अमेरिकी डॉलर का वस्त्र और परिधान निर्यात करना है। चंद्रन ने कहा कि इस अस्थायी राहत से भारतीय निर्यातक मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से उभरते अवसरों का बेहतर लाभ उठा पाएंगे। यह कदम देश के निर्यात लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक होगा। बायोफ्यूल उत्पादन बढ़ाना जरूरी, तभी घटेगा आयात और बढ़ेगी आत्मनिर्भरतारू गडकरी केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि भारत को पेट्रोलियम उत्पादों के आयात पर निर्भरता कम करने और आत्मनिर्भर बनने के लिए जैव ईंधन (बायोफ्यूल) का उत्पादन बढ़ाने की जरूरत है।

200 साल में कैसे 25 करोड़ पाठकों तक फैला हिंदी पत्रकारिता का दायरा? समझें

नई दिल्ली। 30 मई 1826 को शुरू हुए श्उदन्त मार्त्तण्डश् से लेकर 2026 के डिजिटल युग तक, हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्षों के आर्थिक संघर्ष और सफलता की पूरी कहानी आसान भाषा में पढ़ें। कल्पना कीजिए एक ऐसे दौर की जब खबरें छापना किसी जोखिम भरे स्टार्टअप से कम नहीं था। न कोई इंटरनेट था, न 5ळ नेटवर्क, और न ही करोड़ों रुपये का विज्ञापन बजट। आज से ठीक 200 साल पहले, 30 मई 1826 को कलकत्ता की संकरी गलियों से भारतीय इतिहास की एक युगांतरकारी घटना घटी। इसी दिन हिंदी का पहला समाचारपत्र श्उदन्त मार्त्तण्डश् (यानी उगता हुआ सूर्य) छपकर बाजार में आया था। हिंदी पत्रकारिता दिवस पर बच्चों को किया जागरूक साल 2026 में, इस ऐतिहासिक घटना को पूरे 200 वर्ष हो चुके हैं। यह महज 200 वर्षों का कैलेंडर नहीं है, बल्कि एक ऐसे सफर की महागाथा है जिसमें एक औपनिवेशिक समाज का एक छोटा सा अखबार आज अरबों डॉलर मीडिया उद्योग में तब्दील हो चुका है। आइए आसान भाषा में समझते हैं कि कैसे एक ऐसा अखबार जिसे कभी 500 पक्के ग्राहक नहीं मिले, आज 25 करोड़ से अधिक पाठकों तक रोजाना खबरें पहुंचाने वाली इंडस्ट्री की नींव बन गया। श्उदन्त मार्त्तण्डश् की वह ऐतिहासिक और साहसिक शुरुआत 19वीं सदी की शुरुआत में भारत में प्रिंटिंग उद्योग अपने शुरुआती चरण में था। कलकत्ता (अब कोलकाता) में अंग्रेजी, बंगाली और फारसी के अखबार तो थे, लेकिन हिंदी (देवनागरी लिपि) का कोई अखबार नहीं था। ऐसे में उत्तर प्रदेश के कानपुर के रहने वाले पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने एक बड़ा कदम उठाया। पेशे से वकील और कलकत्ता की सदर दीवानी अदालत में श्प्रोसीडिंग्स रीडरश् के पद पर काम करने वाले शुक्ल जी ने 16 फरवरी 1826 को अखबार का लाइसेंस लिया। 30 मई 1826 को कलकत्ता के अमर तल्ला लेन से श्उदन्त मार्त्तण्डश् का पहला अंक निकला। यह एक साप्ताहिक पत्र था जो हर मंगलवार को छपता था और इसकी भाषा खड़ी बोली और ब्रजभाषा का मिश्रण थी। उस समय टाइपसेटिंग का काम पूरी तरह से हाथों से होता थाय लेड (सीसे) के एक-एक अक्षर को जोड़कर शब्द बनाए जाते थे, जिसमें बहुत मेहनत और समय लगता था। सिर्फ 18 महीने में क्यों बंद हो गया भारत का पहला हिंदी अखबार? आज के दौर में मीडिया कंपनियों के पास भले ही तमाम साधन मौजूद हों, लेकिन श्उदन्त मार्त्तण्डश् का रेवेन्यू मॉडल सिर्फ सब्सक्रिप्शन पर टिका था। इस अखबार की सालाना कीमत दो रुपये तय की गई थी। कलकत्ता में हिंदी पढ़ने वाले कम थे, इसलिए इसे उत्तर भारत भेजना जरूरी था। यहीं से शुरू हुआ असली आर्थिक संघर्ष। उस समय अखबार भेजने का साधन बैलगाड़ी, नाव या ब्रिटिश डाक सेवा थी। ब्रिटिश डाक विभाग का शुल्क इतना ज्यादा था कि अखबार की लागत उसकी कीमत से भी ऊपर चली जाती थी। पंडित जुगल किशोर ने तत्कालीन ब्रिटिश गवर्नर-जनरल लॉर्ड एमहर्स्ट से डाक दरों में छूट की अपील की, लेकिन साम्राज्यवादी ब्रिटिश सरकार ने इसे खारिज कर दिया। लगातार बढ़ते घाटे और विज्ञापन न होने के कारण अंततः 4 दिसंबर 1827 को महज 18 महीने बाद यह अखबार बंद हो गया। अपने अंतिम अंक में संपादक ने बड़े ही मार्मिक शब्दों में लिखा था- श्आज दिवस लौ उग चुक्यो मार्तण्ड उदन्त। अस्ताचल को जात है दिनकर दिन अब अन्तध्श् (यानी समाचारों का यह सूर्य अब आर्थिक कठिनाइयों के कारण अस्त हो रहा है)। आजादी की लड़ाई से लेकर स्वर्णिम युग तक का सफर भले ही पहला अखबार बंद हो गया, लेकिन उसने जो बीज बोया वह एक वटवृक्ष बन गया। इसके बाद 1845 में बनारस अखबार छपा और 1854 में भारत का पहला हिंदी दैनिक समाचारपत्र श्समाचार सुधा वर्षणश् सामने आया। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान पत्रकारिता सिर्फ समाचार देने का जरिया नहीं थी, बल्कि यह सामाजिक सुधार और आजादी का हथियार बन गई थी। बाल गंगाधर तिलक का श्केसरीश, गणेश शंकर विद्यार्थी का श्प्रतापश् और महात्मा गांधी का श्यंग इंडियाश् इसके बड़े उदाहरण रहे। आजादी के बाद 1980 और 1990 के दशक में आर्थिक उदारीकरण, साक्षरता बढ़ने और नई प्रिंटिंग तकनीक (ऑफसेट) के आने से हिंदी अखबारों की प्रसार संख्या लाखों से करोड़ों में पहुंच गई, जिसे प्रिंट मीडिया का श्स्वर्णिम युगश् कहा गया।

बाजार से विदेशी निवेशकों का मोहभंग? निकाले हजारों करोड़ रुपये, 10 सवालों के जवाब से समझें सबकुछ

नई दिल्ली। क्या भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशकों का मोहभंग गया है? पश्चिम एशिया संकट के बीच बाजार का जो हाल है वह तो कुछ ऐसा ही बयां कर रहा है। लगातार तीसरे महीने विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजार से हजारों करोड़ रुपये निकाल लिए हैं। विदेशी निवेशकों ने सिर्फ मई 2026 में भारतीय शेयर बाजार से 32,963 करोड़ रुपये निकाले हैं। क्या है पूरा माजरा? आसान भाषा में समझें 10 बड़े सवालों के जवाब। भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, विदेशी निवेशकों ने मई 2026 में लगातार तीसरे महीने इक्विटी बाजार से भारी पूंजी निकाली है। भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक निवेश के बदलते रुख का असर दलाल स्ट्रीट पर साफ देखने को मिल रहा है। इस मौजूदा कारोबारी माहौल और बाजार की चाल को समझने के लिए, आइए इस विषय का 10 आसान सवालों और जवाबों के जरिए विश्लेषण करते हैं। पश्चिम एशिया संकट के बीच बाजार की चाल से जुड़े 10 सबसे अहम सवाल और उनके जवाब 1. वैश्विक तनाव के बीच भारतीय बाजार में अभी ताजा हालात क्या हैं? जवाबरू नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मई 2026 में भारतीय शेयर बाजार से 32,963 करोड़ रुपये की भारी-भरकम निकासी की है। इसके असर से इस वर्ष में अब तक सेंसेक्स में 12.5 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आ चुकी है। यह 86100 के ऊपरी स्तरों से फिसलकर 74,775के स्तर तक पहुंच गया है। इस दौरान निफ्टी में भी करीब 10 से 11 प्रतिशत की गिरावट आई है और यह अपने उच्चतम स्तर 26,373.20 से धड़ाम होकर 25,500 के स्तर पर पहुंच गया है। 2. क्या विदेशी निवेशकों का पैसा निकालने का यह ट्रेंड नया है? जवाबरू नहीं, यह इस साल 2026 का लगातार तीसरा महीना है जब विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार में नेट सेलर (शुद्ध रूप से बिकवाल) बने हुए हैं। विदेशी निवेशक या एफपीआई जैसे पेंशल फंड, हेज फंड और विदेशी म्यूचुअल फंड भारतीय बाजार में खास तौर पर शेयर और बॉन्ड में निवेश करते हैं। एफपीआई की ओर से बिकवाली का साफ मतलब है कि विदेशी निवेशक जिन्होंने कभी भारतीय शेयरों पर भरोसा जताया था वे अब अपने पैसे निकालकर अपने देश या दूसरे बाजारों की ओर ले जा रहे हैं। 3. साल 2026 में अब तक विदेशी निवेशक कुल कितनी रकम निकाल चुके हैं? जवाबरू इस साल की शुरुआत से लेकर अब तक, विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार (इक्विटी) से कुल 2,24,932 करोड़ रुपये की पूंजी निकाली है। इस बिकवाली में पश्चिम एशिया संकट ने आग में घी का काम किया है। इससे पहले ही रूस यूक्रेन युद्ध और ट्रंप के टैरिफप्रकरण के कारण विदेशी निवेशकों के बीच भारतीय बाजार को लेकर अनिश्चितता दिखी थी। हाल के महीनों में डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर होकर 95 रुपये के पार चला गया। इसका असर भी विदेशी निवेशकों के रुझान पर पड़ा। यदि डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया कमजोर होता है, तो विदेशी निवेशकों को अपने मुनाफे पर नुकसान उठाना पड़ता है, इस कारण वे भारतीय बाजार से अपना पैसा निकालकर कहीं और निवेश करना बेहतर समझते हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।